



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 1] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 7, 1978 (पौष 17, 1899)
No. 1] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 7, 1978 (PAUSA 17, 1899)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011 दिनांक 2 दिसम्बर 1977

सं० ए० 12025/1/77-प्रशा० II—सांख्यिकी विभाग, योजना मंत्रालय में संगणक केन्द्र के सहायक निदेशक श्री मोहिन्दर कुमार भल्ला को, अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 21 नवम्बर, 1977 के अवसरात् से आगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्रोग्रामर के अस्थायी पद पर नियुक्त किया जाता है।

प्र० ना० मुखर्जी, अवसर सचिव
कृते अध्यक्ष
संघ लोक सेवा आयोग

प्रवर्तन निदेशालय

विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम

नई दिल्ली-1, दिनांक 28 नवम्बर 1977

फा० सं० ए-11/26/77—निम्नलिखित सहायक प्रवर्तन अधिकारियों को प्रवर्तन अधिकारी के रूप में उनके द्वारा अपना-अपना कार्यभार संभालने की तारीख से अगले आदेशों तक के लिए तदर्थ आधार पर स्थानापन्न के रूप में नियुक्त किया गया है :—

उनके कार्य-स्थल और कार्यभार संभालने की तारीखें उनके नाम के सामने दी गई हैं :—

क्रम सं०	नाम	कार्य-स्थल	कार्यभार संभालने की तारीख
1.	श्री के० वी० कुरविला	बम्बई	7-11-77
2.	श्रीमती मेरी कुट्टी थामस	मुख्यालय	31-10-77

नई दिल्ली-110011, दिनांक 12 दिसम्बर 1977

सं० ए० 32013/1/77-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री एस० बी० सिनाटे को, राष्ट्रपति द्वारा 22-10-77 से 3 मास के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड I में अवसर सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

प्र० ना० मुखर्जी, अवसर सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

जे० एन० अरोड़ा, उप निदेशक
(प्रशासन)

<p>गृह मंत्रालय महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110001, दिनांक 19 दिसम्बर 1977</p> <p>सं० पी० सात-676-स्थापना—राष्ट्रपति निम्नलिखित डी० एस० पी० (कम्पनी कमाण्डर/क्वाटर मास्टर) को उनकी तदर्थ</p>			<p>पदोन्नति के फलस्वरूप आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में सहायक कमाण्डेन्ट के पद पर अस्थाई रूप में नियुक्ति करते हैं।</p> <p>इन अधिकारियों के पद स्थापन, स्थान और उनके पद छोड़ने तथा ग्रहण करने की तिथियां उनके नामों के सामने दी गई हैं।</p>		
क्रम सं०	नाम	पद तथा युनिट जिसका कार्यभार छोड़ा	कार्यभार छोड़ने की तिथि	पद तथा युनिट जिसका कार्यभार संभाला	पद ग्रहण करने की तिथि
1.	श्री गणेश कुमार	सहायक प्रिंसिपल आर० टी० सी०, सी० आर० पी० एफ० अवाडी।	23-7-77 (अपराह्न)	सहायक कमाण्डेन्ट 41 बटालियन सी० आर० पी० एफ०	27-7-77 (पूर्वाह्न)
2.	श्री आर० एन० शारदा	डी० एस० पी० ग्रुप सेन्टर सी० आर० पी० एफ०।	6-7-77 (पूर्वाह्न)	सहायक कमाण्डेन्ट 54 बटालियन सी० आर० पी० एफ०	6-7-77 (पूर्वाह्न)
3.	श्री जसवीर सिंह	डी० एस० पी० 26 बटालियन सी० आर० पी० एफ०	20-7-77 (पूर्वाह्न)	सहायक कमाण्डेन्ट 49 बटालियन सी० आर० पी० एफ०	24-7-77 (पूर्वाह्न)
4.	श्री बलराम सिंह नेगी	सब एरिया आर मनाईजर बी० बी० एम० मनीपुर।	15-9-77 (पूर्वाह्न)	सहायक कमाण्डेन्ट 7 बटालियन सी० आर० पी० एफ०	17-9-77 (पूर्वाह्न)

ए० के० बन्धोपाध्याय,
सहायक निदेशक (प्रशासन)

भारत के महापंजीयक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1977

सं० पी/के (71) प्रशा० I—श्री डेनियल केन्स, जो कि निदेशक जनगणना कार्यालय नागालैण्ड के पद पर पदेन रूप से कार्यरत हैं, तारीख 2 जनवरी 1978 पूर्वाह्न से कार्य मुक्त हो जाएंगे।

दिनांक 19 दिसम्बर 1977

सं० 11/5/77-प्रशा० I—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की 9 सितम्बर, 1977 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में, श्री बी० सत्यानारायण, कर्नाटक (बंगलौर) में सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर तदर्थ नियुक्ति की अधि को अगले तीन महीनों के लिए तारीख 1 अक्टूबर, 1977 से 31 दिसम्बर 1977 तक अथवा जब तक पद नियमित रूप से भरा जाए जो भी समय कम हो सहर्ष बढ़ाते हैं।

श्री बी० सत्यानारायण का मुख्यालय बंगलौर में ही रहेगा।

पी० पदमानाभा,
भारत के महापंजीकार

वित्त मंत्रालय (प्रर्थ विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 10 दिसम्बर 1977

सं० 1624/ए—मैं श्री बी० टी० देव बेतन और लेखा अधिकारी भारत प्रतिभूति मुद्रणालय ना० रोड, को प्रशासन अधिकारी के पद पर भारत प्रतिभूति मुद्रणालय में 10-12-77 के पूर्वाह्न से प्रतिनियुक्ति शर्त पर नियुक्त करता हूँ।

दिनांक 16 दिसम्बर 1977

सं० 1656/ए—दिनांक 24-3-77 के क्रम में श्री व्ही० व्ही० बापट को सहायक टिकीट नियंत्रक के पद पर भारत प्रतिभूति मुद्रणालय में तदर्थ रूप में उन्हीं शर्तों के साथ 6-12-77 तक नियुक्त करते हैं।

श्री व्ही० व्ही० बापट को सहायक टिकीट नियंत्रक के रूप में तदर्थ नियुक्ति दिनांक 6-12-77 के पूर्वाह्न से भारत प्रतिभूति मुद्रणालय में नियमित रूप में नियुक्त करते हैं।

डी० सी० मुखर्जी
महाप्रबन्धक
भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

प्रतिभूति कागज कारखाना

होशंगाबाद, दिनांक 12 दिसम्बर 1977

सं० पी० डी०/1/7296—श्री पी० पी० शर्मा फोरमैन (उत्पादन) को दिनांक 1/12/77 के पूर्वाह्न से सहायक कार्य प्रबन्धक के पद पर वेतनमान रु० 840-40-1000-द० रा०-40-1200 में तबर्ध आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किये जाते हैं। यह तबर्ध नियुक्ति श्री पी० पी० शर्मा को सहायक कार्य प्रबन्धक के रूप में पदोन्नति के लिए कोई पूर्वसिद्ध अधिकार नहीं प्रतीत। इस पद के लिए पदोन्नति नियमानुसार की जाएगी।

शा० रा० पाठक
परियोजना अधिकारी

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व,

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 दिसम्बर 1977

सं० प्रशासन I/पी० एफ०/आर० के आनन्द/कार्या० आ-546 1904—निवर्तन आयु प्राप्त होने पर श्री आर० के० आनन्द इस कार्यालय के स्थायी लेखाधिकारी (अस्थायी सहायक महालेखाकार के रूप में स्थानापन्न करते हुए) 30 नवम्बर, 1977 अपराह्न में राजकीय सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

उनकी जन्मतिथि 8/11/1919 है।

के० एच० छाया
वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्र०)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियंत्रक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 13 दिसम्बर 1977

सं० 18150/प्रशा० II—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री डी० एन० नियोगी, रक्षा लेखा उपनियंत्रक को पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा और उन्हें दिनांक 31-5-78 (अपराह्न) से विभाग की नफरी से निकाल दिया जायेगा।

सं० 18179/प्रशा०-II—स्वेच्छा से सेवा निवृत्त होने की अनुमति दिये जाने पर, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के एक अधिकारी श्री एस० कृष्णामूर्ति (मद्रास परमाणु शक्ति परियोजना कल्पकम में प्रतिनियुक्ति पर) पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिये गये हैं और उन्हें दिनांक 4-10-77 (अपराह्न) से विभाग की नफरी से निकाल दिया गया है।

सं० 18276/प्रशा०-II—स्वेच्छा से सेवा निवृत्त होने की अनुमति दिये जाने पर, रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक, श्री आर० एस० डी० गुलाटी, पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिये जायेंगे और उन्हें दिनांक 23-12-77 (अपराह्न) से विभाग की नफरी से निकाल दिया जायेगा।

2. श्री गुलाटी को सेवा निवृत्ति पूर्व दिनांक 11-11-77 से 23-12-77 तक की छुट्टी मंजूर की गई है।

सं० 18333/प्रशा०-II—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री सीरीराजन, रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक को पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा और उन्हें दिनांक 31-5-78 (अपराह्न) से विभाग की नफरी से निकाल दिया जाएगा।

सं० 18347/प्रशा०-II—स्वेच्छा से सेवा निवृत्त होने की अनुमति दिये जाने पर, रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक, श्री के० बी० शर्मा, पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिए गए हैं और उन्हें दिनांक (अपराह्न) से विभाग की नफरी से निकाल दिया गया।

दिनांक 15 दिसम्बर 1977

सं० 18178/प्रशा०-II—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के अधिकारी श्री आर० आर० राय, पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिये गए और उन्हें दिनांक 30 नवम्बर, 1977 (अपराह्न) से विभाग की नफरी से निकाल दिया गया।

सं० 18291/प्रशा०-II—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री एस० गणेशन, रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक, को पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा और दिनांक 30-4-78 (अपराह्न) से विभाग की नफरी से निकाल दिया जाएगा।

सं० 18292/प्रशा०-II—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री पी० रामामूर्ति, रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक, को पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जायेगा, और दिनांक 31-5-78 (अपराह्न) से विभाग की नफरी से निकाल दिया जाएगा।

बी० एस० भीर
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक (प्रशा०)

रक्षा मंत्रालय

डी० जी० ओ० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा,
महानिदेशालय, आर्डेन्स फैंक्टरियां
कलकत्ता, दिनांक 8 दिसम्बर 1977

सं० 82/77/जी—वार्षिक निवृत्ति आयु प्राप्त कर, श्री सुधांशु शेखर दास, स्थानापन्न ए० एस० ओ०/मौलिक एवं स्थायी सहायक दिनांक 30-11-77 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 83/77/जी—महानिदेशक, आर्डेन्स फैंक्टरियां, निम्न-लिखित स्थायी सहायकों को तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक स्टाफ अफसर (वर्ग II राजपत्रित) की श्रेणी में प्रत्येक के सामने वर्णायी गई अवधि के लिए पदोन्नत करते हैं :

1. श्री सुधांशु शेखर दास	28-5-77 से 31-8-77 तक 1-11-77 से आगामी आवृत्ति तक।
--------------------------	---

2. श्री सत्येन्द्र नाथ सरकार 6-6-77 से 30-8-77 तक
1-11-77 से आगामी आदेश तक।

डी० पी० चक्रवर्ती
ए० डी० जी०/एडमिन II
छत्ते महानिदेशक
आर्बनेस फेक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 16 दिसम्बर 1977

सं० 76/77/जी—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों को टी० एस० ओ०/सहायक प्रबन्धक के ग्रेड में, प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीखों से, पुष्ट करते हैं :-

अभियन्ता

1. श्री बी० एन० मुखर्जी अस्थायी सहायक प्रबन्धक—28वीं दिसम्बर, 1974।
2. श्री बाबुल चन्द विष्वास, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—1ली दिसम्बर, 1975।
3. श्री जे० ए० देसाई, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—1ली दिसम्बर 1975।
4. श्री बी० एस० भाटिया, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—1ली दिसम्बर, 1975।
5. श्री के० एम० रवि कुमार नायर, स्थानापन्न डी० ए० डी० जी० ओ० एफ०—22वीं जनवरी, 1976।
6. श्री के० एम० जी० नायर, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (अवकाश प्राप्त)—22वीं जनवरी, 1976।
7. श्री अजीत एम० नायक, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—7वीं फरवरी, 1976।
8. श्री रमेश चन्द्र, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—1ली दिसम्बर, 1975।
9. श्री हरनाम सिंह, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—1ली दिसम्बर, 1975।
10. श्री बी० एस० वर्मा, सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर)—1ली दिसम्बर, 1975।
11. श्री सुकुमार बास, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—22वीं जनवरी, 1976।
12. श्री एस० के० शर्मा, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—1ली दिसम्बर, 1975।
13. श्री जी० बी० शिवकुमार, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—18वीं दिसम्बर, 1975।
14. श्री जे० बाई० मुल्ले, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—22वीं जनवरी, 1976।
15. श्री सुरेश कुमार, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—1ली दिसम्बर, 1975।
16. श्री बी० के० भसीन, सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर)—1ली दिसम्बर, 1975।
17. श्री ए० के० डे, स्थानापन्न उप प्रबन्धक (दिवंगत)—22वीं जनवरी, 1976।
18. श्री यू० एन० सिंह, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—1ली दिसम्बर, 1975।
19. श्री के० चन्द्रन, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—1ली दिसम्बर, 1975।
20. श्री के० लोगनाथन, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—22वीं जनवरी, 1976।
21. श्री रजनीश कुमार, सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर)—1ली दिसम्बर, 1975।
22. श्री सुरेश चन्द्र, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—1ली दिसम्बर, 1975।
23. श्री जे० के० नाहा, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (अवकाश प्राप्त)—22वीं जनवरी, 1976।
24. श्री एम० के० सन्याल, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—1ली दिसम्बर, 1975।
25. श्री एम० एस० जयप्रकाश, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—7वीं फरवरी, 1976।
26. श्री एम० एम० कोनार, स्थानापन्न डी० ए० डी० जी० ओ० एफ०—7वीं फरवरी, 1977।
27. श्री मुरलीधर सिंह, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—1ली दिसम्बर, 1975।
28. श्री सी० एम० शिव कुमार, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक—1ली दिसम्बर, 1975।
29. श्री एस० के० दुआ, सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर)—1ली दिसम्बर, 1975।
30. श्री ए० के० प्रोवर, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—6वीं फरवरी, 1976।
31. श्री डी० एन० दत्ता, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—7वीं फरवरी, 1976।
32. श्री सी० के० मेहता, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—1ली दिसम्बर, 1975।
33. श्री डी० रमेश कुमार, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—1ली दिसम्बर, 1975।
34. श्री एस० डेव, स्थानापन्न उप प्रबन्धक (अवकाश प्राप्त)—7वीं फरवरी, 1976।
35. श्री एस० मी० गुप्ता, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—9वीं फरवरी, 1976।
36. श्री जे० के० अग्रवाल, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—25वीं मई, 1971।

37. श्री जी० के० रानाडे, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—25वीं मई, 1976 ।
38. श्री ए० के० लम्बा, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—1ली दिसम्बर, 1975 ।
39. श्री यू० एन० प्रभु देसाई, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—11वीं जनवरी, 1976 ।
40. श्री के० डी० सन्याल, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक—25वीं मई, 1976 ।
41. श्री एम० एस० गोपालस्वामी, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—1ली दिसम्बर, 1975 ।
42. श्री सत्य पाल, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—1ली दिसम्बर, 1975 ।
43. श्री एस० रवि, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—1ली दिसम्बर, 1975 ।
44. श्री रामावतार अग्रवाल, सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर)—24वीं जनवरी, 1976 ।
45. श्री एम० एन० पुटाटुण्डा, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—29वीं दिसम्बर, 1975 ।
46. श्री एस० सेन, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—23वीं मई, 1976 ।
47. श्री एम० आर० षाई, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—1ली दिसम्बर 1975 ।
48. श्री एच० एल० कपूर, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—1ली दिसम्बर, 1975 ।
49. श्री सी० जैकोबी, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—25वीं मई, 1976 ।
50. श्री सुभाष चन्दर, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक—30वीं मई, 1976 ।
51. श्री अजय शंकर, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक—1ली फरवरी, 1976 ।
52. श्री एस० चन्द्रशेखर, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—21वीं मार्च, 1976 ।
53. श्री ए० के० अग्रवाल, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—30वीं दिसम्बर, 1975 ।
54. श्री ए० के० बोस, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—25वीं मई, 1976 ।
55. श्री यू० डी० प्रभु, सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर)—1ली दिसम्बर, 1975 ।
56. श्री आर० के० ढिगरा, सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर)—1ली दिसम्बर, 1975 ।
57. श्री एस० के० साहू, सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर)—1ली दिसम्बर, 1975 ।
58. श्री हेमराज नाहर, सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर)—1ली दिसम्बर, 1975 ।
59. श्री राम किशन, सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर)—1ली सितम्बर, 1975 ।

60. श्री यू० के० दास, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक—25वीं मई, 1976 ।
61. श्री एम० डी० कण्डेवाल, अस्थायी सहायक प्रबन्धक—25वीं मई, 1976 ।
62. श्री बाल भूषण, अस्थायी सहायक प्रबन्धक—25वीं मई, 1976 ।
63. श्री एच० एन० मित्रा, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (अवकाश प्राप्त)—25वीं मई, 1976 ।
64. श्री एम० एस० आर० जैदी, अस्थायी सहायक प्रबन्धक—25वीं मई, 1976 ।
65. श्री एस० आर० बटर्जी, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक—25वीं मई, 1976 ।
66. श्री बी० एच० अय्यर, अस्थायी सहायक प्रबन्धक—25वीं मई, 1976 ।

रसायन विज्ञानी

1. श्री ए० एन० साहा, अस्थायी टी० एस० ओ० (अवकाश प्राप्त)—1ली सितम्बर, 1974 ।
2. श्री बी० बी० शर्मा, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—10वीं अप्रैल, 1976 ।
3. श्री एन० बी० मुरलीधरन, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—21वीं मार्च, 1976 ।
4. डा० पी० एन० चक्रवर्ती, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—1ली मार्च, 1976 ।
5. श्री मिलन कुमार घोष, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—29वीं मार्च, 1976 ।
6. श्री पी० एस० सोमसुन्दरम, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (अवकाश प्राप्त)—29वीं मार्च, 1976 ।
7. श्री ए० के० विश्वास, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—10वीं अप्रैल, 1976 ।
8. श्री ए० के० मुखोपाध्याय, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—29वीं मार्च, 1976 ।
9. श्री के० विश्वनाथन, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—29वीं मार्च, 1976 ।
10. श्री आर० पी० शर्मा, सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर)—19वीं फरवरी, 1976 ।
11. श्री मुन्नी लाल, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—22वीं मार्च, 1976 ।
12. श्री बेंडिक्ट मिज, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—20वीं फरवरी 1976 ।
13. श्री एम० के० मेनन, स्थानापन्न उप प्रबन्धक (अवकाश प्राप्त)—29वीं मार्च, 1976 ।
14. श्री बी० एस० शिहर, सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर)—4थी अप्रैल, 1976 ।

15. डा० बी० एन० सिंह, सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर)—30वीं फरवरी, 1977 ।
16. डा० देव रंजन मिश्रा, सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर)—7वीं फरवरी, 1977 ।
17. श्री आर० कृष्णन, सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर)—28वीं सितम्बर, 1977 ।
18. श्री एम० रामामूर्ति, सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर)—12वीं अक्टूबर, 1976 ।
19. श्री हरजीत सिंह, सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर)—6वीं जुलाई, 1977 ।

धातु विज्ञानी

1. श्री एच० पी० गीतम, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—10वीं अक्टूबर, 1976 ।
2. श्री ए० के० बंगा, सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर)—13वीं अप्रैल, 1975 ।
3. श्री तपस कुमार बसु, सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर)—11वीं जुलाई, 1975 ।
4. श्री के० पी० राय, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—11वीं जुलाई, 1975 ।
5. श्री पी० साहू, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—21वीं जुलाई, 1975 ।
6. श्री सुदर्शन कुमार, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—1ली जून, 1975 ।
7. श्री बी० के० घोष, स्थानापन्न उप प्रबन्धक (अवकाश प्राप्त)—11वीं जुलाई, 1975 ।
8. श्री ओ० पी० चुग, सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर)—19वीं जून, 1975 ।
9. श्री तपन कुमार बसु, सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर)—30वीं मार्च, 1975 ।
10. श्री आर० के० बोस, स्थानापन्न उप प्रबन्धक (अवकाश प्राप्त)—11वीं जुलाई, 1975 ।
11. श्री एच० बी० सिंह, सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर)—5वीं मार्च, 1976 ।
12. श्री जे० पी० साहा, सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर)—30वीं मार्च, 1976 ।
13. श्री बी० बी० सिंह, सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर)—1ली फरवरी, 1976 ।
3. श्री अमरजीत सिंह, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—2सरी जनवरी, 1975 ।
4. श्री के० पी० कुमरा, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—2सरी जनवरी, 1975 ।
5. श्री आर० पी० पाण्डे, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—1ली जनवरी, 1975 ।
6. श्री एम० एन० कौल, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—2सरी, जनवरी, 1975 ।
7. श्री एस० एस० सक्सेना, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर)—27वीं दिसम्बर, 1974 ।
8. श्री ए० सुब्रमन्यम्, सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर)—2सरी जनवरी, 1975 ।
9. श्री रतन प्रकाश, सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर)—30वीं दिसम्बर, 1974 ।
10. श्रीमती मोनाक्षी सेठ, सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर)—9वीं अगस्त, 1975 ।
11. श्री एन० चन्द्रन, स्थानापन्न उप प्रबन्धक (अवकाश प्राप्त)—9वीं अगस्त, 1975 ।
12. श्री एच० के० नरुला, सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर)—9वीं अगस्त, 1975 ।
13. श्री गोपालन मल्लिक, सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर)—8वीं जनवरी, 1976 ।
14. श्री एम० एन० सरकार, सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर)—1ली जनवरी, 1976 ।

मनोविज्ञानी

1. श्री ई० एन० राधाकृष्णन, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—2सरी, जनवरी, 1975 ।
- शिल्प विज्ञानी
1. श्री बलदेव कृष्ण, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—2सरी जनवरी, 1975 ।

एम० पी० आर० पिल्लाय,
सहायक महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां

श्रम मंत्रालय

कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था

धनबाद, दिनांक 16 दिसम्बर 1977

सं० प्रशासन 12(5)/77—श्री पी० आर० जोरदार को, जो कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था के स्थाई कनिष्ठ अभियन्ता हैं, दिनांक 10-10-77 (पूर्वाह्न) से सहायक अभियन्ता के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त कर कार्यपालक अभियन्ता, कल्याण कार्य प्रभाग नं० 1, धनबाद के अधीन तैनात किया जाता है ।

इस कार्यालय के ज्ञापन सं० प्रशासन-12(4)/76 दिनांक 17-1-77 द्वारा जारी की गई अधिसूचना के अनुसार श्री पी० के० घोष का, जिन्हें 23-11-76 (पूर्वाह्न) से तदर्थ आधार पर सहायक

अतकनीकी

1. श्रीमती सरोज विनायक, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—1ली जनवरी, 1975 ।
2. श्री अरविन्द नन्वी, स्थानापन्न उप प्रबन्धक—21वीं दिसम्बर, 1974 ।

अभियन्ता नियुक्त किया गया था तारीख 10-10-77 (पूर्वाह्न) से अर्थात् जिस तारीख को श्री जोरवार ने कार्य भार ग्रहण किया, प्रत्यावर्तन कर दिया गया।

एच० एच० कुरैशी,
अपर कोयला खान कल्याण आयुक्त

वाणिज्य मंत्रालय

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 17 दिसम्बर 1977

सं० ई० एस० टी I-2(387)—वस्त्र आयुक्त कार्यालय, बम्बई, के निदेशक (आर्थिकी) श्री याग्यम् लक्ष्मीनरसीम्हू आचार सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर 31 अक्तूबर 1977 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गये।

एम० सी० सुवर्णा
वस्त्र आयुक्त

औद्योगिक विकास विभाग

कार्यालय विकास आयुक्त (लघु उद्योग)

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1977

सं० 12(9)/61-प्रशासन (राजपत्रित)—लघु उद्योग शाखा संस्थान भिवानी, के श्री एस० सी० शर्मा, सहायक निदेशक (ग्रेड-1) (आई० एम० टी०) को राष्ट्रपति जी दिनांक 3-10-77 से उप-निवेशक (आई० एम० टी०) के रूप में तदर्थ आधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के फलस्वरूप श्री एस० सी० शर्मा ने दिनांक 3-10-77 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग शाखा संस्थान, भिवानी, के सहायक निदेशक (ग्रेड-1) (आई० एम० टी०) पद का कार्यभार छोड़ दिया और दिनांक 3-10-77 (पूर्वाह्न) से उसी संस्थान में उप-निवेशक (आई० एम० टी०) पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

सं० 12(31)/61-प्रशासन राजपत्रित)—लघु उद्योग-सेवा संस्थान, मद्रास, के अधीनस्थ केन्द्रीय पाठ्यका प्रशिक्षण केन्द्र मद्रास, के श्री सी० संकरन, सहायक निदेशक (वर्ग-1) (एल०/एफ०) के निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर राष्ट्रपति जी उन्हें दिनांक 30 सितम्बर 1977 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की सहर्ष अनुमति प्रदान करते हैं।

सं० ए-19018(290)/77—प्रशासन (राजपत्रित)—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिशों के आधार पर राष्ट्रपति जी दिनांक 1 नवम्बर, 1977 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों के जारी होने तक श्री प्रदीप कुमार चौधरी को लघु उद्योग विकास संगठन में उप-निवेशक (रसायन) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री पी० के० चौधरी ने दिनांक 1 नवम्बर, 1977 (पूर्वाह्न) से क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, कलकत्ता में उप निवेशक (रसायन) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

वी० बेंकटरायल,
उप-निवेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन शाखा-1)

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1977

सं० प्र-1/1(335)—स्थायी सहायक निदेशक (ग्रेड-II) और पूर्ति तथा निपटान निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में स्थानापन्न उप निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-II) श्री एन० के० साहा दिनांक 30-11-77 के अपराह्न से निवर्तन आयु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सूर्य प्रकाश,
उप निवेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

खान विभाग

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 16 दिसम्बर 1977

सं० ए-19012(101)/77-स्था० ए०—भारतीय खान ब्यूरो के स्थायी वरिष्ठ तकनीकी सहायक श्री एस० बी० गायधनी को दिनांक 18 नवम्बर 1977 के पूर्वाह्न से इसी विभाग में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- के वेतन पर स्थानापन्न सहायक प्रसाधन अधिकारी (अयस्क प्रसाधन) के रूप में नियुक्त किया जाता है।

एल० सी० रणधीर,
कार्यालय अध्यक्ष
भारतीय खान ब्यूरो

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 दिसम्बर 1977

सं० 4(23)/77-एस-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री लक्ष्मण प्रसाद मण्डारवाल को आकाशवाणी, रीवा में 27-10-77 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(75)/77-एस-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री सत्येन्द्र नाथ गांगुली को आकाशवाणी, इम्फाल में 19-11-77 (अपराह्न) से अगले आदेशों तक, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

नन्द किशोर भारद्वाज,
प्रशासन उप निवेशक,
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

(फिल्म प्रभाग)

बम्बई-26, दिनांक 12 दिसम्बर 1977

सं० 6/64/57-सिबन्धी-I—फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने श्रीमती पो० गोपालकृष्णन, स्थायी सहायक बैकप्राऊंड आर्टिस्ट और स्थानापन्न बैकप्राऊंड आर्टिस्ट, फिल्म प्रभाग, बम्बई, को फिल्म प्रभाग, नई दिल्ली में दिनांक 23-11-1977 के पूर्वाह्न से लेआउट कम-बैकप्राऊंड आर्टिस्ट के पद पर नियुक्त किया है।

एम० चन्वन नायर,
सहायक प्रशासकीय अधिकारी
हुते प्रमुख निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 दिसम्बर 1977

सं० ए० 44014/3/77-डी०—केन्द्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन, सान्नाकुज हवाई पट्टन, बम्बई में तकनीकी अधिकारी के पद से अरना तबादला हो जाने के फलस्वरूप श्री सी० एस० चव्हाण ने 30 नवम्बर, 1977 अपराह्न से केन्द्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन कस्टम हाउस कोचिन में तकनीकी अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

आर० बालासुब्रह्मन्यम,
उप औषध नियन्त्रक
हुते स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1977

सं० ए० 12026/1/77-प्र० नि०—राष्ट्रपति ने केन्द्रीय औषधि प्रयोगशाला, कलकत्ता के जोषाणु विज्ञानी डा० एम० के० मजूमदार को 31 अक्टूबर, 1977 अपराह्न से आगामी आवेशों तक उसी प्रयोगशाला में उप-निदेशक (प्रशिक्षण) के पद पर नियुक्त किया है।

डा० एम० के० मजूमदार ने उसी दिन से केन्द्रीय औषध प्रयोगशाला, कलकत्ता में जोषाणु विज्ञानी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 19 दिसम्बर 1977

सं० ए/12026/25/77-प्रशासन-I—राष्ट्रपति ने डा० एस० के० पुरो को 18 अक्टूबर, 1977 पूर्वाह्न से आगामी आवेशों तक जूरिड स्टॉफ तर्जान (दंत चिकित्सा) (केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

जूनियर स्टॉफ सर्जन (दंत चिकित्सा) (केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना) के पद पर अरना नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप डा० एस० के० पुरो ने 18 अक्टूबर, 1977 पूर्वाह्न से डेंटल सर्जन (दंत चिकित्सा) (केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

शाम लाल कुठियाला,
उप निदेशक (प्रशासन)

केन्द्रीय मत्स्य प्रशिक्षण संस्थान

बम्बई-58, दिनांक 14 दिसम्बर 1977

पत्र क्रमांक 1-15/77/स्था०/8609—निदेशक, केन्द्रीय मत्स्य प्रशिक्षण संस्थान बम्बई, श्री एल० एन० वोहरा को केन्द्रीय मत्स्य प्रशिक्षण संस्थान, बम्बई में 17 अगस्त, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आवेशों तक अस्थायी रूप में निदेशक (मीन जीव विज्ञान) के पद पर नियुक्त करते हैं।

डा० एस० एन० द्विवेदी,
निदेशक

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(ग्रामीण विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 14 दिसम्बर 1977

सं० फाइल 4-5(87)/77-प्र०-III—श्री ए० सी० गुहिन, सहायक विपणन अधिकारी को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय सूरत में दिनांक 21-11-77 (पूर्वाह्न) से पूर्णतया अल्पकालीन आधार पर, तीन माह से अधिक की अवधि के लिए नहीं, या जब तक कोई नियमित प्रबंध किए जाते हैं, दोनों में जो भी पहले हो, स्थानापन्न रूप में विपणन अधिकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया गया है।

2. विपणन अधिकारी के रूप में नियुक्ति होने पर श्री गुहिन ने दिनांक 14-11-77 (अपराह्न) में गोहाटी में सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० फाइल 4-5(90)/77-प्र० III—श्री एस० पी० भसीन, सहायक विपणन अधिकारी, को दिनांक 2 नवम्बर, 1977 (पूर्वाह्न) से पूर्णतया अल्पकालीन आधार पर तीन माह की अवधि से अधिक के लिए नहीं, या जब तक नियमित प्रबंध किये जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, स्थानापन्न रूप में विपणन अधिकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया जाता है।

2. विपणन अधिकारी के रूप में पदोन्नति होने पर श्री भसीन ने दिनांक 31 अक्टूबर, 1977 के अपराह्न में चण्डीगढ़ में सहायक विपणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० फाइल 4-6(126)/77-प्र० III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री मोहम्मद नजमुल हक को इस निदेशालय में कलकत्ता में दिनांक 16 नवम्बर, 1977 (पूर्वाह्न) से अगले आवेश होने तक स्थानापन्न रूप में सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग II), नियुक्त किया गया है।

सं० फाइल 4-13(6)/77-प्र० III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री ए० के० श्रीवास्तव को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद में दिनांक 1 दिसम्बर, 1977 (पूर्वाह्न) से अगले आवेश होने तक स्थानापन्न रूप में सांख्यिकीय अधिकारी नियुक्त किया गया है।

दिनांक 17 दिसम्बर 1977

भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र
(कार्मिक प्रभाग)

सं० फाइल 4-13 (20)/76-प्र० III—खनिज समन्वेषी निगम लिमिटेड से स्थाई रूप से जनसम्पर्क अधिकारी के रूप में लिए जाने पर डम निदेशालय के स्थाई सम्पादक श्री मोहिन्दर सिंह दिनांक 31-3-77 के अपराह्न से केन्द्रीय सरकारी सेवा से सेवा-निवृत्त हो गए हैं।

वी० पी० चावला

निदेशक, प्रशासन

कृते कृषि विपणन सलाहकार

बम्बई-400 085, दिनांक 24 अक्टूबर 1977

सं० एम०/1968/स्थाप० II/4505—राजस्थान परमाणु बिजली परियोजना से तबादला होने पर, उसी परियोजना के श्री मिशनर मुकुन्दन, एक स्थाई एस० जी० सी० और स्थानापन्न महायक कार्मिक अधिकारी, दिनांक 15 अक्टूबर, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र में, महायक प्रशासनिक अधिकारी के ग्रेड (र० 650-960) में एक स्थानापन्न अधिकारी नियुक्त किए जाते हैं।

एस० रंगनाथन

उप स्थापना अधिकारी

कृते नियंत्रक

बम्बई-400 085, दिनांक 13 अक्टूबर 1977

सं० 5/1/77/स्थाप० II/4346—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र, निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के आगे लिखी अवधि के लिए, तदर्थ आधार पर स्थानापन्न प्रशासनिक अधिकारी II/सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं :—

क्र० सं०	नाम और पद	स्थानापन्न नियुक्ति	अवधि से	तक	टिप्पणी
1.	श्री एस० आर० डोंगरे सहायक कार्मिक अधिकारी	प्रशासनिक अधिकारी II	2-5-77	18-6-77	श्री पी० एस० बेंकटामुब्रामनियन प्र० आ० II के स्थान पर उप-स्थापना अधिकारी नियुक्त किए गए।
2.	श्री बी० सी० पाल महायक कार्मिक अधिकारी	"	16-5-77	24-6-77	श्री एन० एस० वेंकटेश्वरन प्र० आ० II के स्थान पर जो उपस्थापना अधिकारी नियुक्त किए गए।
3.	श्री आर० लक्ष्मीनारायणन सहायक	महायक कार्मिक अधिकारी	2-5-77	18-6-77	श्री एस० आर० डोंगरे, सं० का० आ० के स्थान पर जो प्र० आ० II नियुक्त किए गए।

दिनांक 1 सितम्बर 1977

सं० 5/1/77/स्थाप० II/4174—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र, श्री के० दामोदरन, आणुलिपिक (वरिष्ठ) को इसी अनुसन्धान केन्द्र में दिनांक 15 जून 77 से 28 जुलाई 77 तक स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 12 सितम्बर 1977

सं० 5/1/77/स्थाप० II/3940—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र, श्री पी० सिवम, सहायक सुरक्षा अधिकारी को श्री टी० बी० राजन, सुरक्षा अधिकारी के स्थान पर जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, दिनांक 30 जून 1977 से 26 अगस्त 2-406QI/77

1977 तक, इसी अनुसन्धान केन्द्र में स्थानापन्न सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 13 सितम्बर 1977

संदर्भ : एम/446/स्थापना II/3951—श्री एच० जे० मजमुनदार, एक स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक, जो भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र में एक स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी थे, 58 वर्ष की सेवा-निवृत्ति आयु के पहुँचने पर, दिनांक 31 अगस्त 1977 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

दिनांक 17 सितम्बर 1977

सं० 5/1/77/स्थाप० II/3999—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र, निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के आगे

लिखी अवधि के लिये स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं :—

क्र० नाम और पद	अवधि		टिप्पणी
	से	तक	
1. श्री पी० टी० जार्ज सहायक	23-5-77	2-7-77	श्री जी० राजगोपालन सहायक कार्मिक अधिकारी के स्थान पर, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई थी ।
2. श्री यू० आर० मेनन सहायक	26-5-77	5-7-77	श्री एस० के० कपूर सहायक कार्मिक अधिकारी के स्थान पर, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई थी ।

दिनांक 20 सितम्बर 1977

सं० आर०/185/स्थाप० II/4022—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र ने, श्रीमती राजलक्ष्मी सुब्रामनियन, स्थाई सहायक कार्मिक अधिकारी का इस्तीफा दिनांक 23 जुलाई 1977 के पूर्वाह्न से मंजूर कर लिया है । दिनांक 25 जनवरी, 1977 से 22 जुलाई 1977 (अपराह्न) को उनकी छुट्टी की अवधि छूट-दिवस मानी जायेगी ।

दिनांक 27 सितम्बर 1977

सं० 5/1/77/स्थाप० II/4103—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री आर० जी० मसूरकर, एक स्थाई सहायक लेखा-कार और स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी को इसी अनुसंधान केन्द्र में 2 मई, 1977 के पूर्वाह्न से 18 जून, 1977 के अपराह्न तक तदर्थ आधार पर, श्री के० वैकटाचलम के स्थान पर, जिनकी पदोन्नति लेखा अधिकारी III की हो गई है, स्थानापन्न लेखा अधिकारी II नियुक्त करते हैं ।

एस० के० कपूर, उपस्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय एवं भंडार निदेशालय

मुम्बई-400001, दिनांक 28 नवम्बर 1977

सं० डी० पी० एस०/23/8/77-स्था०/34685—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय एवं भंडार निदेशक, क्रय एवं भंडार निदेशालय के सहायक लेखा अधिकारी श्री बी० के० पोतदर को उसी निदेशालय में 17-9-1977 (पूर्वाह्न) से 10-11-1977 (अपराह्न) तक की

अवधि के लिए स्थानापन्न रूप से 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में लेखा अधिकारी-II नियुक्त करते हैं । यह नियुक्ति श्री एल बी० चन्द्रगिरी, लेखा अधिकारी-II के स्थान पर की गई है, जिन्हें लेखा अधिकारी III नियुक्त किया गया है ।

बी० जी० कुलकर्णी,
कृते प्रशासन अधिकारी

नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना

नरोरा, दिनांक 1 दिसम्बर 1977

सं० एन० ए० पी० पी०/प्रशा०/1/(73)/77-एस०/12395—नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना, नरोरा के मुख्य परियोजना इंजीनियर, स्थायित्व नायब अधिकारी श्री हरबंस लाल को नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना, नरोरा में 31 अक्टूबर, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक के लिए 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 रुपये के वेतनमान में स्टेशन अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं ।

आर० पी० हरन,
प्रशासन अधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं

वम्बई-40008, दिनांक 12 दिसम्बर 1977

सं० 05052/77/6646—भारी पानी परियोजनाओं के, विशेष-कार्य अधिकारी श्री प्रभाकर सूर्यभान शेलके अस्थायी पर्यवेक्षक (वास्तु), भारी पानी परियोजना (कोटा) को, उसी परियोजना में स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एस० बी०) एक अगस्त, 1977 पूर्वाह्न से आगे आदेश होने तक के लिए अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं ।

सं० 05052/77/6647—भारी पानी परियोजनाओं के, विशेष-कार्य अधिकारी, श्री बलदेव कृष्ण कपिल, अस्थायी फोरमैन, भारी पानी परियोजना (तूतीकोरीन) को, उसी परियोजना में एक अगस्त, 1977, पूर्वाह्न से आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एसबी) में अस्थायी तौर पर नियुक्त करते हैं ।

सं० 05052/77/6648—भारी पानी परियोजनाओं के विशेष-कार्य अधिकारी, श्री क्रिस्तुदास अस्लानन्दराज, अस्थायी फोरमैन, भारी पानी परियोजना (तूतीकोरीन) को, उसी परियोजना में स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एस० बी०) 1 अगस्त, 1977 पूर्वाह्न से आगे आदेश होने तक अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं ।

सं० 05052/77/6649—भारी पानी परियोजनाओं के, विशेष-कार्य अधिकारी, श्री पी० ए० ओमेन वैद्यान, अस्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी०' भारी पानी परियोजना (तूतीकोरीन)

को, उसी परियोजना में अस्थायी रूप से स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी अभियन्ता (ग्रेड एस० बी०) एक अगस्त, 1977 पूर्वाह्न से आगे आदेश होने तक के लिए अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० 05052/77/6650—भारी पानी परियोजनाओं के, विशेष कार्य अधिकारी, श्री दर्शवदन आनन्दलाल मकड, अस्थायी वैज्ञानिक महायक 'सी०' भारी पानी परियोजना (बड़ौदा) को उसी परियोजना में स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एम० बी०) अस्थायी रूप से 1 अगस्त, 1977 पूर्वाह्न से आगे आदेश होने तक के लिए नियुक्त करते हैं।

सं० 05052/77/6651—भारी पानी परियोजनाओं के, विशेष कार्य अधिकारी, श्री सन्तोष कुमार जैन, अस्थायी वैज्ञानिक महायक 'सी०' भारी पानी परियोजना (बड़ौदा) को उसी परियोजना में स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एम० बी०) अस्थायी रूप से एक अगस्त 1977 पूर्वाह्न से आगे आदेश होने तक के लिए नियुक्त करते हैं।

टी० सी० सत्यकीर्ति,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र

त्रिवेन्द्रम-695022, दिनांक 1 दिसम्बर 1977

सं० वि० मा० अ० के०/स्थापना/एन० टी० एफ०/77—निदेशक, विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र निम्नलिखित व्यक्तियों को अन्तरिक्ष विभाग के विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र, त्रिवेन्द्रम में वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० के पद पर स्थानापन्न रूप में रु० 650-30-740-35-880- द० रो० 40-960 के वेतनमान में प्रत्येक के सामने दी गई तारीखों के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

क्रम सं०	नाम	पदनाम	प्रभाग/परियोजना	नियुक्ति की तारीख
1	2	3	4	5
1.	श्री पी० ओ० बाला-चन्द्रन	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	पी० एस० एन०	16-8-77
2.	श्री के० नगेन्द्रा	—वही—	एप्पल	17-8-77
3.	श्री के० अर० राधा-कृष्णन	—वही—	एप्पल	30-8-77
4.	श्री एम० सत्यनारायण	—वही—	एप्पल	5-9-77
5.	श्री नीतन बी० कट-गडा	—वही—	एप्पल	27-9-77
6.	श्री राज् पी० थोमस	—वही—	पी० एस० एन०	12-10-77
7.	श्री पी० रत्नाकर गव	—वही—	एम० एस० बी०	21-10-77

1	2	3	4	5
8.	श्री दलीप बालमुकन्द भट्ट	—वही—	एस० एल० बी०	29-10-77
9.	श्री जी० एन० मोहन कुमार	—वही—	पी० एस० एन०	7-11-77

राजन बी० जॉर्ज
प्रशासन अधिकारी-II (स्थापना)
कृते निदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1977

सं० ए०-12025/8/77-ई० एस०—सध लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति ने श्री शरद कुमार शर्मा को 14 नवम्बर, 1977 से तथा अन्य आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में स्थानापन्न रूप में विमान सुरक्षा अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर नियुक्त किया है और उन्हें महानिदेशक नागर विमानन नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया है।

दिनांक 8 दिसम्बर 1977

सं० ए०-12025/7/75-ई० एस०—सध लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति ने श्री रजनीकांत बोरा को 1 अगस्त, 1977 से तथा अन्य आदेश होने तक विभाग में नागर विमानन विमान निरीक्षक के पद पर नियुक्त किया है और उन्हें निदेशक वैमानिक निरीक्षण कानपुर के कार्यालय में तैनात किया है।

सुरजीत लाल खाडपुर,
सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 20 दिसम्बर 1977

सं० 1/99/77-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा नई दिल्ली शाखा के तकनीकी सहायक श्री राजेन्द्र-कपूर को अल्पकालीन रिक्त स्थान पर 12-9-1977 से 19-10-77 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियन्ता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/425/77-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा कलकत्ता शाखा के पर्यवेक्षक श्री ए० के० बसु को अल्पकालीन रिक्त स्थान पर 31-8-77 से 30-9-77 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबधक नियुक्त करते हैं।

सं० 1/426/77-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा नई दिल्ली शाखा के तकनीकी सहायक श्री यू० ए० रीझबी को अल्पकालीन रिक्त स्थान पर 18-3-77 से 5-9-77 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियन्ता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/446/77-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा देहरादून शाखा के तकनीकी सहायक श्री ए० एल० घोसाख को अल्पकालीन रिक्त स्थान पर निम्नलिखित काल के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न तौर पर सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं :—

- (1) 30-5-1977 से 8-7-1977
- (2) 11-7-1977 से 12-8-1977
- (3) 1-9-1977 से 12-11-1977

पा० की० गोविन्द नायर,
उप निदेशक (प्रशा०)
कृते महानिदेशक ।

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय पटना

पटना, दिनांक 8 दिसम्बर 1977

मि० सं० 11 (7) स्थापना/ 77 :—इस कार्यालय के स्थापना आदेश संख्या 192/77 दिनांक 30/7/77 के अनुसार केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क के तीन निरीक्षकों को 650-30-740-35-810 रु० रो० - 35-880-1000 रु० रो०-40-1200/- रु० तथा नियमान्तर्गत देय सामान्य भत्तों के सहित वेतनमान पर स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क श्रेणी 'बी०' के रूप में नियुक्त किया गया, के अनुसरण में निम्नलिखित पदाधिकारी उनके नाम के सामने दिए गये स्थान, तिथि और समयानुसार अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क श्रेणी 'बी०' के रूप में कार्यभार ग्रहण किया ।

नाम	पदस्थापन के स्थान	कार्य- ग्रहण तिथि
(1) श्री रामेश्वर सिंह	अधीक्षक (मूल्यांकन-II केन्द्रीय उत्पाद (मू०), पटना	8-8-77 (पूर्वाह्न)
(2) श्री डी० ओझा,	अधीक्षक (वैद्य) केन्द्रीय उत्पाद (मू०) पटना	2-8-77 (पूर्वाह्न)

हरि नारायण साहू, समाहर्ता

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली 22, दिनांक 16 दिसम्बर 1977

सं० क 19012/36/77 प्रशा० पांच :—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न रूप में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियन्ता की श्रेणी में पूर्णतया अस्थायी और तदर्थ आधार पर 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 रु० के वेतनमान में प्रत्येक अधिकारी के सामने दी गई तारीख से, आगामी आदेश

होने तक, नियुक्त करते हैं। उन्होंने अपने नामों के सामने दिए गए कार्यकलापों में अपना कार्यभार सम्भाला ।

क्र० सं०	अधिकारी का नाम	उत्पत्ति की तारीख	कार्यालय का नाम जहां पदस्थापित किए गए हैं,
----------	----------------	-------------------	--

1. श्री योगिन्द्र पाल मित्तल
अभिकल्प सहायक ।
29-10-77 (पूर्वाह्न)
तिपाईमुख वृत्त, शिलांग ।
2. श्री बी० वेंकटराव पर्यवेक्षक ।
14-10-77 (पूर्वाह्न)
सूखा क्षेत्र अध्ययन प्रभाग ससराम (सूखा क्षेत्र अध्ययन प्रभाग नं० I इलाहाबाद ।
3. श्री डी० प्रभाकर पर्यवेक्षक
30-7-77 (पूर्वाह्न)
सूखा क्षेत्र अध्ययन उप-प्रभाग सं० III बंगलौर ।
4. श्री के० के० राजन, पर्यवेक्षक
4-10-77 (पूर्वाह्न)
जलगांव गेजिंग उपव प्रभाग, जलगांव ।
5. श्री जे० जे० राजू, पर्यवेक्षक
19-9-77 (पूर्वाह्न)
पूर्वीय गेजिंग उप-प्रभाग, रायपुर ।

जे० के० साहा, अव्वर सचिव

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 12 दिसम्बर 1977

सं० 33/7/76-ई० सी० - 9—प्रमुख इंजीनियर, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित श्री दिनेश कुमार गुप्त को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में उप-वास्तुक (सामान्य केन्द्रीय सेवा वर्ग क) के अस्थायी पद पर नियुक्त करते हैं। उनका वेतन दो वर्ष की परीक्षा अवधि के संतोषजनक ढंग से पूरा होने पर नियम अनुसार नियत किया जाएगा। फिलहाल वे सामान्य शर्तों पर 5-11-77 (पूर्वाह्न) से 700-40-900-द० रो०-40-1100-50 1300 रुपये (तथा सामान्य भत्तों सहित) के वेतनमान में 700/- रुपये मासिक वेतन लेंगे। परीक्षा अवधि पूर्ण करने पर उनका वेतन उपलिखित वेतनमान में नियत किया जाएगा ।

2. श्री गुप्त 5-11-77 (पूर्वाह्न) से दो वर्ष की परीक्षा अवधि पर रहेंगे ।

दिनांक 14 दिसम्बर 1977

सं० 33/4/75-ई० सी० 9 :—प्रमुख इंजीनियर, संघ लोक सेवा आयोग नामित श्री जी० सी० शर्मा आनन्द को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में स० वास्तुक (सामान्य केन्द्रीय सेवा वर्ग ख)

के अस्थायी पद पर नियुक्त करते हैं। उनका वेतन मान दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि के संतोषजनक ढंग से पूरा होने पर नियमानुसार नियत किया जाएगा। फिलहाल वे सामान्य शर्तों पर 1-12-77 (पूर्वाह्न) से 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1000 द० रो०- 40-1200 (तथा सामान्य भत्ते) के वेतनमान में 650/- रुपये वेतन लेगे।

2. श्री जी० सी० शर्मा 1-12-77 (पूर्वाह्न) से दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रहेंगे।

डी० पी० ओहरी
प्रशासन उपनिदेशक

सवारी डिब्बा कारखाना

महाप्रबंधक का कार्यालय

कार्मिक शाखा/शेल

मद्रास-38, दिनांक 15 दिसम्बर 1977

सं० का० शा० / रा० सा० / 9/ विविध :—श्री सय्यब नियम तुल्ला, स्थानापन्न कर्मशाला प्रबंधक/ फर (वरिष्ठ वेतनमान) को श्रेणी II सेवा में दिनांक 21-11-77 के पूर्वाह्न से परावर्तित किया गया है।

श्री एस० चिदंबरम, स्थानापन्न सहायक बिजली इंजीनियर/ निरीक्षण को श्रेणी II सेवा में दिनांक 9-11-76 से बिजली इंजीनियरिंग विभाग के सहायक बिजली इंजीनियर / योजना के पद पर मुष्टि किया गया है।

सु० वेक्टरामन,
उप मुख्य कार्मिक अधिकारी,
कृत्से महाप्रबंधक

निर्माण, आवास, पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय
(पुनर्वास विभाग)

मुख्य यांत्रिक अभियंता का कार्यालय

पुनर्वास भूमि उद्धार संगठन

जेपुर-764003 (उड़ीसा), दिनांक 13 दिसम्बर, 1977

सं० पी० एफ० / जी० / 64/ 42929 (पी०) :—अपने पुराने विभाग महालेखाकार कार्यालय, भुवनेश्वर जनि के फलस्वरूप श्री एम० सुब्बा राव ने पुनर्वास भूमि उद्धार संगठन के मुख्यालय के लेखा अधिकारी के पद-भार को 19-10-77 के अपराह्न से छोड़ दिया।

ब्र० प्र० सक्सेना,
प्रशासन अधिकारी
वास्ते मुख्य यांत्रिक अभियंता

विविध, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स परासुराम लाईम इण्डस्ट्रीज प्रा० लि० जयपुर,

जयपुर, दिनांक 14 दिसम्बर 1977

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स

परासुराम पुनिया लाईम इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड जयपुर का नाम उक्त रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स विध्या चिट फण्ड प्रा० लि० राकेश भवन, चौस रास्ता, जयपुर के विषय में

जयपुर, दिनांक 14 दिसम्बर 1977

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स विध्या चिट फण्ड प्रा० लि० जयपुर का नाम उक्त रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मैसर्स उद्योग सम्पदा लिमिटेड, राजेन्द्र नगर, तीखी (राजस्थान) के विषय में।

जयपुर, दिनांक 14 दिसम्बर 1977

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स मरुधर उद्योग सम्पदा लिमिटेड, तीखी का नाम उक्त रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं पेग्गीन इलेक्ट्रीकल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंबई, दिनांक 15 दिसम्बर 1977

सं० 13/84/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान पर पेग्गीन इलेक्ट्रीकल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

श्री राम,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सरसु प्रा० लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 19 दिसम्बर 1977

सं० 2346/560/77:—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान पर सरसु प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और न्यू इण्डिया प्रिंटिंग पब्लिशिंग एंड पैकेजिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 19 दिसम्बर 1977

सं० 2573/560/77:—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर न्यू इण्डिया प्रिंटिंग पब्लिशिंग एण्ड पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम इस के प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० एन० गुहा,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
कर्नाटक, बंगलौर

कार्यालय आयकर आयुक्त दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1977

विषय: स्थापना- राजपत्रित—पदोन्नति—तैनाती और
स्थानान्तरण

आदेश सं० 94/रा० अ०/1977-78—निम्नलिखित निरोक्षकों को अगले आदेश होने तक रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान में आयकर अधिकारी (श्रेणी-2) के पद पर काम

करने के लिये उनके इस पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से पदोन्नत किया जाता है:—

सर्व श्री :

1. जी० एस० चुध ।
2. ए० एस० दत्त ।
3. एच० एन० नौटियाल ।
4. जी० सी० शर्मा 2 ।
5. जी० सी० जैन ।
6. एस० एल० कूबा ।
7. आर० एन० भल्ला ।

ये पदोन्नतियां स्पष्ट रिक्तियों पर की जा रही हैं लेकिन वे दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष विचाराधीन 1977 के सी० एम० पी० सं० 652/1977 के सी० डब्ल्यू० पी० 341 के सम्बन्ध में न्यायालय के अन्तिम निर्णय के अधीन होगी।

श्री एम० एन० चोपड़ा और श्री डी० एस० सालान, को, जिन्हे अस्थायी रिक्तियों पर पहले पदोन्नत किया गया था, नियमित रिक्तियों पर ला दिया गया है।

इन पदोन्नतियों के परिणामस्वरूप, निम्नलिखित तैनाती और स्थानान्तरण तत्काल करने के आदेश दिए जाते हैं:—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	वर्तमान तैनाती	स्थानान्तरण के बाद तैनाती	अभ्युक्तियां
1	2	3	4	5
सर्व श्री :				
1. जी० एस० चुध		पदोन्नत होने पर	सेवाएं आयकर आयुक्त (4) नई दिल्ली को सौंपी जाती हैं	
2. ए० एस० दत्त		पदोन्नत होने पर	सेवाएं आयकर आयुक्त (5) नई दिल्ली को सौंपी जाती हैं	
3. एच० एन० नौटियाल		पदोन्नत होने पर	आयकर अधिकारी, सर्वे रेंज, नई दिल्ली	
4. जी० सी० शर्मा-2		पदोन्नत होने पर	आयकर अधिकारी	(मुख्यालय अराजपत्रित स्थापना)
5. जी० सी० जैन		पदोन्नत होने पर	सेवाएं आयकर आयुक्त (3) नई दिल्ली को सौंपी जाती हैं	
6. एस० एल० कूबा		पदोन्नत होने पर	आयकर अधिकारी ट्रस्ट सर्किल-4, नई दिल्ली ।	नव निर्मित प्रभार
7. आर० एन० भल्ला		पदोन्नत होने पर	आयकर अधिकारी	नव निर्मित प्रभार
			-6/11/ नई दिल्ली	

दिनांक 18 नवम्बर 1977

सं० जुरि-दिल्ली/1/77-78/15618—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-1 नई दिल्ली निदेश देते हैं कि दिनांक 18-11-77 से निम्नलिखित आयकर सर्किल बनाए जाएंगे ।

1. पाचवाँ अनिश्चित वेतन सर्किल, नई दिल्ली
2. प्राइवेट वेतन सर्किल-8, नई दिल्ली ।

दिनांक 19 नवम्बर 1977

सं० जुरि/दिल्ली/1/77-78/15901—इस कार्यालय के दिनांक 23-5-77 की अधिसूचना सं० जुरि-दिल्ली/1/77-78/11321 में आंशिक संशोधन करते हुए तथा आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-1 नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम (2) में निर्दिष्ट आयकर अधिकारी उसी अनुसूची के कालम-3

में उल्लिखित व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों आय या आय के वर्गों तथा मामले या मामलों के वर्गों के बारे में अपने कार्य करेंगे। किन्तु इनमें उन व्यक्तियों के मामले शामिल नहीं होंगे जो आयकर अधिनियम 1961 की धारा 127 के अन्तर्गत किसी अन्य आयकर अधिकारी को सौंपे गए हों, या इसके बाद सौंपे जाएं।

अनुसूची

क्रम सं०	आयकर अधिकारी का पद नाम	अधिकार क्षेत्र
1	2	3
1.	आयकर अधिकारी, दूसरा अतिरिक्त वेतन सकिल, नई दिल्ली ..	सभी सरकारी कर्मचारी जो निम्नलिखित मंत्रालयों में कार्य कर रहे हैं तथा जो आयकर अधिकारी, वेतन सकिल के अधिकार क्षेत्र में नहीं आते हैं। 1. संचार मंत्रालय 2. सभी सरकारी कर्मचारी जो महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली के लेखा परीक्षा नियंत्रण के अंतर्गत हैं तथा जो सूचना और प्रसारण मंत्रालय (आकाशवाणी समेत) में कार्य कर रहे हैं तथा जो आयकर अधिकारी वेतन सकिल, नई दिल्ली के अधिकार क्षेत्र में नहीं आते। 3. ए० जी० सी० डब्ल्यू० एण्ड एम०, नई दिल्ली, सीनियर डी० ए० जी० सी० डब्ल्यू० एण्ड एम०, बम्बई तथा कलकत्ता के लेखा परीक्षा के नियंत्रण के अंतर्गत आने वाले सभी सरकारी कर्मचारी। किन्तु इसमें आयकर अधिकारी, तीसरे तथा चौथे अतिरिक्त वेतन सकिल, नई दिल्ली के अधिकार क्षेत्र में आने वाले सरकारी कर्मचारी शामिल नहीं होंगे।

1	2	3
		4. सभी सरकारी कर्मचारी जिनका अधिकार-क्षेत्र निर्धारित नहीं किया गया है तथा जिन्हें आयकर अधिकारी, वेतन सकिल या आयकर अधिकारी, तीसरा, चौथा व पांचवां अतिरिक्त वेतन सकिल, नई दिल्ली के अधीन निर्धारण योग्य नहीं बताया गया है।
		5. विदेश स्थित भारतीय मिशनों के सभी अराजपत्रित कर्मचारी।
		6. दिल्ली के सरकारी उच्चतर माध्यमिक स्कूलों के सभी सरकारी कर्मचारी
		7. अडमान में रहने वाले सभी सरकारी कर्मचारी जो लेखा परीक्षा निदेशक डाकवार, मद्रास के लेखा परीक्षा नियंत्रण के अन्तर्गत हैं।
		8. उत्तर प्रदेश, पंजाब और दिल्ली राज्यों में रहने वाले अमेरिकन यूनाइटेड प्रोस्टाटोरियन म्यूजीशियन के कर्मचारी
		9. पेंशनभोगी जो हैदराबाद (डेकन) खजानों से पेंशन प्राप्त करते हैं, और महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली के लेखापरीक्षा नियंत्रण के अन्तर्गत हैं।
2.	आयकर अधिकारी, पांचवां अतिरिक्त वेतन सकिल 4, नई दिल्ली	सभी सरकारी कर्मचारी जो निम्नलिखित मंत्रालयों में काम कर रहे हैं तथा जो आयकर अधिकारी, वेतन सकिल नई दिल्ली के अधिकार क्षेत्र में नहीं आते हैं। 1. रक्षा मंत्रालय, जिसमें निम्नलिखित भी शामिल हैं :—

1	2	3
		(क) मेना मुख्यालय (सिविलियन) ।
		(ख) रक्षा मंत्रालय से संबंधित दिल्ली स्थित निदेशालय और अधीनस्थ कार्यालय
		2. सभी प्रथम श्रेणी अधि- कारी जो भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग के हैं और उसमें काम कर रहे हैं ।
		3. निम्नलिखित अधि- कारियों के कार्यालयों में काम करने वाले सभी कर्मचारी (राजपत्रित या अराजपत्रित) ।
		क. भारत का नियंत्रक, महालेखा परीक्षक, नई दिल्ली ।
		ख. लेखा परीक्षा-निदेशक आकतार, नई दिल्ली ।
		ग. महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली ।
		घ. महालेखाकार, वाणि- ज्य, निर्माण व विविध, नई दिल्ली ।
		ङ. लेखा परीक्षा निदेशक, रक्षा सेवाएं, उत्तरी क्षेत्र, नई दिल्ली ।
3. आयकर अधिकारी, प्राइवेट वेतन सर्किल-2 नई दिल्ली ।		निम्नलिखित के सभी भार- तीय कर्मचारी जिनके नाम अंग्रेजी वर्णमाला के अक्षर 'ए' से एम तक किसी भी अक्षर से शुरू होते हैं (धन-कर समेत) ।

1. एस्कोर्ट्स लिमिटेड
2. नगर पालिकाएं और
नगर निगम तथा उनके
द्वारा संचालित अस्पताल ।
3. सभी बैंक ।

1	2	3
4. आयकर अधिकारी, प्राइवेट वेतन सर्किल-8, नई दिल्ली ।		निम्नलिखित के सभी भार- तीय कर्मचारी, जिनके नाम अंग्रेजी वर्णमाला के अक्षर 'एन से-जेड' तक किसी भी अक्षर से शुरू होते हैं (धन कर समेत) :—
		1. एस्कोर्ट्स लिमिटेड
		2. नगर पालिकाएं और नगर निगम तथा उनके द्वारा संचालित अस्पताल ।
		3. सभी बैंक ।

कान नारायण बुटानी
आयकर आयुक्त, दिल्ली-1
नई दिल्ली

कार्यालय आयकर आयुक्त, दिल्ली 2

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1977

सं० जुरि-दिल्ली/2/76-77/29956—आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 53वां) की धारा 124 की उपधारा (4) द्वारा
प्रदत्त शक्तियों, तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का
प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-2, नई दिल्ली निदेश
देते हैं कि 8-12-77 से निम्नलिखित सर्किल बनाए जाएंगे ।

1. ट्रस्ट सर्किल 4, नई दिल्ली ।

दिनांक 14 दिसम्बर 1977

सं० जुरि/दिल्ली/2/77-78/30341—आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उपधारा (1)
द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों
का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पहले के सभी आदेशों
में संशोधन करते हुए, आयकर आयुक्त, दिल्ली-2 नई दिल्ली
निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-1 में निर्दिष्ट
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त उक्त अधिनियम के अन्तर्गत
उसी अनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट डिस्ट्रिक्ट/सर्किलों के आयकर
अधिकारियों के अधिकारक्षेत्र में पड़ने वाले क्षेत्रों/या व्यक्तियों
या व्यक्तियों के वर्गों आय या आय के वर्गों या मामलों या
मामलों के वर्गों के बारे में निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त
कार्य करेंगे ।

अनुसूची

रेंज	आयकर डिस्ट्रिक्ट/सर्किल
1	2
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त रेंज-2-डी, नई दिल्ली	1. कंपनी सर्किल-22 नई दिल्ली । 2. ठेकेदार सर्किल, नई दिल्ली । 3. वकील सर्किल-1 व 2, नई दिल्ली । 4. ट्रस्ट सर्किल-3 नई दिल्ली को छोड़कर सभी ट्रस्ट सर्किल ।

दिनांक 15 दिसम्बर 1977

सं० जुरि-दिल्ली/2/77-78/31136—इस विषय पर पहले के सभी आवेशों का अधिक्रमण करते हुए तथा आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-2, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट आयकर अधिकारी उक्त अनुसूची के कालम 3 में उल्लिखित व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों, आय या आय के वर्गों तथा मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में अपने कार्य करेंगे। किंतु वे उन व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों, आय या आय के वर्गों तथा मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में अपने कार्य नहीं करेंगे जिन्हें उक्त अधिनियम 1961 की धारा 127 के अंतर्गत किसी अन्य आयकर अधिकारी को सौंप दिया गया हो या इसके बाद सौंपा जाए।

अनुसूची

क्रम सं०	आयकर अधिकारी का पदनाम	अधिकार क्षेत्र
(1)	(2)	(3)
1.	आयकर अधिकारी, ट्रस्ट सफिल-1, नई दिल्ली।	सभी धर्मार्थ तथा धार्मिक न्यासों/संस्थाओं के मामले जिनके नाम अंग्रेजी की वर्णमाला के अक्षर 'ए' से 'डी' तक (दोनों को मिलाकर) किसी भी अक्षर से आरंभ होते हैं।

1	2	3
2.	आयकर अधिकारी, ट्रस्ट सफिल-2, नई दिल्ली।	सभी धर्मार्थ तथा धार्मिक न्यासों/संस्थाओं के मामलों जिनके नाम अंग्रेजी की वर्णमाला के अक्षर "एन" से "जेड" (दोनों को मिलाकर) तक किसी भी अक्षर से आरंभ होते हैं।
3.	आयकर अधिकारी, ट्रस्ट सफिल-4, नई दिल्ली	सभी धर्मार्थ तथा धार्मिक न्यासों/संस्थाओं के मामलों जिनके नाम अंग्रेजी की वर्णमाला के अक्षर "इ" से "एम" (दोनों को मिलाकर) किसी भी अक्षर से आरंभ होते हैं।

यह अधिसूचना 15-12-77 से लागू होगी।

दिनांक 16 दिसम्बर 1977

सं० जुरि-दिल्ली/2/77-78/31295 —आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली 2, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि 19-12-1977 से निम्नलिखित आयकर सफिल बनाए जाएंगे।

1. डि०-6 (11), नई दिल्ली।
2. डि०-6 (12), नई दिल्ली।
3. डि०-6 (13), नई दिल्ली।

ए० सी० जैन,
आयकर आयुक्त, दिल्ली-2

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० ए० सी० ब्यू०-23 I-1355 (616)/10-1/77-78—यत्, मुझे, एस० सी० परीख, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एल० बी० नं० 1568/1999 ता० 30-9-1941 है, जो जवाहर रोड, भानवड में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खम्भालीया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-4-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री हेमन्त कुमार सुखलाल, (2) श्री मन्सुखलाल सुखलाल, भानवड,

हाल का पता:—

अलका मेटालिक्स के सामने भक्ति नगर में रोड, महेन्द्र प्रायल केक मिल के पास, राजकोट। (अन्तरक)

2. (1) श्रीमती पुनीता बेत प्रतापराए, (2) श्रीमती नीताबेन हस्मुख धेकाणी, जवाहर रोड, भानवाड़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अवल सम्पत्ति का आधा भाग जो 2000 वर्ग फुट भूमि पर स्थित है तथा जिसका एल० बी० नं० 1568/एस०-1999-ता० 30-9-41 है तथा जो जवाहर रोड पर, भानवड में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 4-4-77 वाले बिक्री दस्तावेज नं० 293 में दिया गया है।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

तारीख: 19-12-77

मोहर:

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 दिसम्बर, 1977

निर्देश सं० ए० सी० ब्यू०-23-1-1356 (617)/16-6/
77-78—यतः, मुझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सानंद फार्म "एम" शेरी नं० 4, है, जो जागनाथ
शेरी नं० 4 तथा कोलेज वाडी शेरी नं० 8, राजकोट में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
21-4-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कपीलराज छोटालाल मांकड़, एच० यू० एफ० के कर्ता
श्री हरीशाल छोटालाल मांकड़ (एच० यू० एफ०)
हाएकार्ट रिटायरड ओफीसर 2-पी, ए० कुवाट्स, लाल
बंगला के पास अहमदाबाद-6 (अन्तरक)

2. (1) श्री हरीशकुमार लक्ष्मीदास शाह, (2) श्री
शीरोषकुमार लक्ष्मीदास शाह, (3) श्री प्रदीप कुमार
लक्ष्मीदास शाह, दानापीठ, राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे;

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 5705 वर्ग गज भूमि पर स्थित
है तथा जिसका सानंद फार्म "एम" ता०—20-9-40 है तथा
जो जागनाथ प्लाट शेरी नं० 4 तथा कोलेज शेरी नं० 8,
राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूर्ण चरणन 21-4-77 वाले
बिक्री दस्तावेज नं० 729 में दिया गया है ।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 19-12-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० ए० सी० क्यू०-23-1-1372/ (618)/10-1/
77-78—यतः, मुझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 40-जी०-ए०, पैकी, प्लॉट नं०
ए/2, है, जो नेहरू रोड़, जामनगर में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 6-4-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधिन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री जमनादास हेमराज विठलाणी पटेल कालौनी,
जामनगर

(2) श्री हरगोविंद रामजी भागोड, भानसाली वाड़,
जामनगर

(अन्तरक)

2. मैसर्स सी० सी० जीडी० सी० कंस्ट्रक्शन प्रा० लि०
6, करीम चेम्बर्स, 40 हमाम स्ट्रीट बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल
3575 वर्ग फुट 332-11-75 वर्ग मीटर है तथा
जिसका सर्वे नं० 40/जी/5 पैकी प्लॉट नं० ए०/2 है तथा
जो नेहरू रोड़ पर, जामनगर में स्थित है। तथा जिसका पूर्ण
वरणन 6-4-77 वाले बिक्री दस्तावेज में दिया गया है।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 22-12-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी०एन एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 दिसम्बर, 1977

निर्देश सं० ए० सी० ब्यू०: 23-1-1373 (619)/10-1/

77-78—यतः, मुझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 40-जी-5 पैकी प्लॉट नं० 1-बी-2, है, जो नेहरू रोड़, जामनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-4-77 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री हरगोविंद रामजी, सजय सवन, भानसासीवाड़ जामनगर।

(2) श्री जमनादास हेमराज विठलाणी, पटेल कालोनी शेरी नं०-8, जामनगर। (अन्तरक)

2. मैसर्स सी०सी०डी० सी० कन्स्ट्रक्शन प्रा० लि०, 6, करीम चेम्बर्स, 40 हमाम स्ट्रीट, बम्बई। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 3575 वर्ग फुट है। 332-11-75 वर्ग मीटर है तथा जिसका सर्वे नं० 40-जी-5 पैकी—प्लॉट नं० 1-बी-2, है तथा जो नेहरू रोड़ पर, जामनगर में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वरणन 7-4-77 वाले बिज्जी दस्तावेज नं० 374 दिया गया है।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 22-12-77

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 दिसम्बर, 1977

निर्देश नं० ए० पी०-1734--यतः मुझे बी० एस०
दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा की अनुसूची में है तथा जो इन्द्रा मार्केट
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अप्रैल 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या कितो धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था कि या का
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
धारा (के1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री भोला सिंह पुत्र भगवान सिंह निवासी परसरामपुर
तहसील जालन्धर जी० ए० आर श्री हरभजन सिंह पुत्र श्री भोला
सिंह निवासी इंगलैन्ड में (2) श्रीमती गुबन्त कौर विधवा श्री
दिलदामन सिंह निवासी कुलार जिला जालन्धर पी० ए०
आर श्री रेशम सिंह, पुत्र श्री दिलदामन सिंह निवासी इंगलैन्ड।

2. श्री मनमोहन कृष्ण कपूर (माइनर) पुत्र श्री किशन
रेलवे रोड जालन्धर मार्फत कपूर फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स, इन्द्रा
मार्केट, न्यू रेलवे रोड, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कुमार जैसा कि अपर अं० 2 में है।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

4. श्री/श्रीमती/कुमारी जो की संपत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट्स जैसा कि विलेख नं० 96 अप्रैल 77 को रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15-12-77

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० ए० सी०-1735-यतः, मुझे बी० एस० दहिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूचि में है जो छत्ती गली जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, तारीख अप्रैल 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

1. श्री तेलु राम पुत्र श्री मुन्नी लाल पुत्र श्री बसन्त राय मार्फत मै: कस्तुरी लाल तेलु राम कनाथ मर्चेन्ट, जाऊशा गेट, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री हरजीत सिंह पुत्र श्री गुलबीर सिंह पुत्र श्री चुड़ सिंह, गांव मुड, तहसील नकोदर, जिला जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि अपर न० 2 में है का कोई किराये दार

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री/श्रीमती/कुमारी जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकानें जैसा कि विलेख न० 29 अप्रैल 1977 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15-12-77

मोहर:

प्ररूप आई०टी०एन०एस० ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० ए० पी०-1736—यतः, मुझे, बी० एस०

दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो छती गली, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाभेद अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. तेलु राम पुत्र श्री मुन्नी लाल पुत्र श्री बसन्त राम मार्केट में कस्तूरी लाल तेलु राम कलाथ मर्चेन्ट, जाऊड़ा गेट जालन्धर (अन्तरक)

2. श्रीमती नरीन्द्र जीत कौर पत्नी श्री हरजीत सिंह पुत्र श्री गुलबीर सिंह, गांव मुड, तहसील नकोदर, जिला जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है या कोई किराये दार।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकानें जैसा कि विलेख ना० 170 अप्रैल 77 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर-में लिखा गया है

बी० एस० दहिया

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 15-12-77

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० नं० ए० पी०-1737—यतः, मुझे बी० एस०
दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
₹० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो छत्ती गली,
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख अप्रैल 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, भिन्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

4 | 406GI/77

1. तेलु राम पुत्र श्री मुन्नी लाल पुत्र श्री बसन्त राय
मार्फत कस्तूरी लाल तेलु राम कलाथ मर्चेन्ट, जाऊड़ा गेट, जालन्धर।
(अन्तरक)

2. श्री हरजीत सिंह पुत्र श्री गुलबीर सिंह पुत्र श्री चुड़ सिंह
(द्वारा श्री पाल सिंह), गांव मुड, तहसील नकोदर, जिला
जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जसा ऊपर नं० 2 में है या कोई किरायेदार।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकानें जैसा कि बिलेख नं० 332 अप्रैल 77 को रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 15-12-1977

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 दिसम्बर 1977

निर्देश नं० ए० पी०-1738—यतः, मुझे, बी० एस० दहिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो छत्ती गली, जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त:—

1. श्री तेलु राम पुत्र श्री मुन्नी लाल पुत्र श्री बसन्त राय मार्फत मैं कस्तूरी लाल तेलु राम बलाथ मर्चेट, जाऊड़ा गेट, जालन्धर (अन्तरक)

2. श्रीमती किशन कौर पत्नी श्री गुलबीर सिंह पुत्र श्री चुड़ सिंह (द्वारा श्री गुलबीर सिंह) गांव मुंड, तहसील नकोदर जिला जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर नं० 2 में है या कोई किरायेदार

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है

को यह सूच ना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकानें जैसा कि विलेख नं० 1414 जून 1977 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15-12-1977

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० ए० पी०-1739--यतः, मुझे, बी० एस०
दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो न्यू जवाहर
नगर, जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मई 1977 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनु-
संधान में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना :—

1. श्री दिवान चन्द, दिवान एण्ड कम्पनी प्रापटी डीलर्स
जी० टी० रोड, (न्यू जनरल पोस्ट आफिस), जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री प्राण गुप्ता पुत्र, श्री बी० एल० गुप्ता कोठी नं०
90, न्यू जवाहर नगर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता
हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कोठी जैसा कि विलेख नं० 535 मई 77 को रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 22-12-77

मोहर :

प्रकरण भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 थ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० राज०/सहा० आयु० अर्जन/377:—यतः,
मुझे, चुन्नीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसका श्रंगला नं० 34-ए० है तथा जो न्यू फतेहपुरा, उदयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-6-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :-

1. श्री जयनारायण पुत्र पन्नालाल ग्राम ब्राह्मण, मुक्तिवार श्रीमती सागर कुंवर पत्नी श्री राजा देवी सिंह भादाजून तह० अहोर जिला जालौर (अन्तरक)

2. श्री गुलाब सिंह शक्तावत पुत्र पूर्वी सिंह शक्तावत 34-ए० न्यू फतेहपुरा, उदयपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बंगला नंबर 34-ए० नया फतेहपुरा उदयपुर साथ में खूली जमीन जो और अधिक विस्तृत रूप से उप पंजीयक उदयपुर द्वारा क्रम सं० 992 दिनांक 15-6-77 को पंजीयक विक्रय पत्रों में विवर्णित है।

चन्नी लाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, जयपुर

तारीख : 7-12-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री गुलाब सिंह शक्तावत पुत्र श्री पृथ्वीसिंह शक्तावत उदयपुर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 9 दिसम्बर, 1977

निर्देश संख्या राज० / सहा०/ आयु० अर्जन / 378—यतः, मुझे, चुन्नीलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० बंगला नं० 34 बी० सी० है तथा जो नया फतहपुरा, उदयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-4-1977 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री मनोहर सिंह पुत्र श्री गुरुमुखसिंह, बापना हाऊस, होस्पिटल रोड, उदयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बंगला नं० 34 सी० बी० का एक भाग नया फतहपुरा उदयपुर जो और अधिक विस्तृत रूप से उप पंजीयक, उदयपुर द्वारा क्रम सं० 753, दिनांक 14-4-77 को पंजीबद्ध विक्रय पत्रों में विवर्णित है।

चुन्नी लाल
सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 9-12-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 9 दिसम्बर 1977

निर्देश संख्या रा० सहा० आयु० अर्जन / 379--यतः,
मुझे, चुन्नी लाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी संख्या बंगला नं० 34 सी० बी० है, तथा जो
न्यू फतहपुर, उदयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
उदयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 14-4-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री गुलाबसिंह शक्तावत पुत्र श्री पृथ्वीरिह शक्तावत,
उदयपुर

(अन्तरक)

(2) श्री इन्द्रपाल सिंह, पुत्र श्री मनोहरसिंह सच्चर,
बापना हाऊस, होस्पिटल रोड, उदयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बंगला नंबर 34 सी० बी० का एक भाग नया फतहपुरा
उदयपुर जो और अधिक विस्तृत रूप से उप पंजीयक उदयपुर
द्वारा क्रम सं० 754 पर दिनांक 14-4-77 को पंजी बद्ध विक्रय
पत्रों में विवर्णित है।

चुन्नी लाल
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 9-12-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 9 दिसम्बर, 1977

निर्देश सं० राज० सहा० आयु० अर्जन/380 --यतः, मुझे, चुन्नी लाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बंगला नं० 34 सी० बी० है, तथा जो न्यू फतहपुरा उदयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उदयपुर में, रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-4-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अणुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री गुलाब सिंह शक्तावन पुत्र पृथ्वीसिंह शक्तायत, उदयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुंदन कौर पति श्री सुन्दरसिंह बापता हाऊस होस्पिटल रोड, उदयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बंगला नं० 34 सी० बी० का एक भाग नया फतहपुरा उदयपुर जो और विस्तृत रूप से उपपंजीयक, उदयपुर द्वारा क्रम सं० 755 दिनांक 13-4-77 को पंजीबद्ध विक्रय पत्रों में विवर्णित है।

चुन्नी लाल
सक्षम प्राधिकारी
अर्जुन रेंज, जयपुर

तारीख : 9-12-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 दिसम्बर, 1977

निर्देश सं० ए० सि० 25/आर०-II/कल०/ 77-78:--अतः, मुझे, आर० बी० लालमोया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 29-बी० है, तथा जो एकबालपुर रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स, कलकत्ता के रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-3-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री अशोक कुमार बोस 29 बी०, एकडलिया रोड कलकत्ता-23

(अन्तरक)

(2) श्री अब्दुल रहमान 30/2/डि, ममिनपुर रोड, कलकत्ता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमिन का परिमाण 5 काठा 2 छटाक और टोतास्ता पाकका मकान प्रेमिसेस नं० 29बी० एकडलिया रोड, कलकत्ता-23।

आर० बी० लालमोया
सक्षम प्राधिकारी
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख : 12-12-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर दिनांक 8 दिसम्बर, 1977

निदेश नं० 642/अर्जन/सहारनपुर/ 7778/5531—

अतः, मुझे, आर० पी० भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० है तथा जो सहारनपुर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहारनपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-
4-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्नियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवर्तः—

(1) श्री नरनबुख गिगलानी पुत्र जगन्नाथ निवासी पुगनी
मण्डी स्वामी दयानन्द रोड, जिला सहारनपुर

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद इलियास पुत्र मोहम्मद यामीन निवासी
पुत्र कम्बोहन जिला सहारनपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्वेषाक्षरों के पास निहित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अबल सम्पत्ति मकान स्थित 11/2698 मोहल्ला चापटा-
रोग नगरान सहारनपुर 40,000 रु० के विक्रय मूल्य में बेची
गयी ।

आर० पी० भार्गव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

तारीख 8-12-1977

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज मद्रास

मद्रास, दिनांक 30-11-77

निदेश सं० 12/ए०पी०आर०/77—यतः, मुझे, ए० टी० गोविन्दन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 128 और 123/2 है, जो कलनिपाक्कम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, पल्लीकोन्डा (पल सं० 503/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 अप्रैल 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रातफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर प्रति :-

(1) श्री कृष्णसामि मदनियार और आदी

(अन्तरक)

(2) श्री के० सुब्रह्मण्यम पिल्लै

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

नलि आर्काट, कलनिपाक्कम गांव में एम० सं० 128/ (1.321 एकड़) और 123/2 (1.67 एकड़) में 2.88 एकड़ खेती की भूमि ।

ए० टी० गोविन्दन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 30-11-77
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री एस० के० डी० लक्ष्मण नाडार

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री ए० चन्द्रसेकरन

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 दिसम्बर 77

निदेश सं० 13 अप्रैल / 77, —यतः, मुझे ए० टी० गोविन्दन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन गभ्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिनकी सं० 4/143 से 4/158 तक, पल्लपट्टि गाव
है, जो मे स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
मिक्कासि (डाकुमेण्ट 656/77) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
1-4-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख म 45 दिन
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पल्लपट्टि गाव, में डोर सं० 4/143 से 4/158 तक।

ए० टी० गोविन्दन,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 9-12-77
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 नवम्बर 1977

निदेश सं० 28/एप्रल/77—यतः, मुझे, ए० टी० गोविन्दन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 185, 184, 180/7बी०, 186/3 है, जो तालनतम में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पाप्पीरड्डीपट्टी (पत्र सं० 412/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-4-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री टी० पी० पलनिसामि चेट्टी और आदी.

(अन्तरक)

(2) श्री के० रामकृष्णन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वर्मपुरी, तालनतम गांव एस० सं० 185 (7 एकड़), 184 (10.40 एकड़), 180/1बी० (4.57 एकड़) और 186/3, (0.59 एकड़) में 22.56 एकड़ खेती की भूमि।

ए० टी० गोविन्दन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख 30-11-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 दिसम्बर 77

निदेश सं० 31/ अप्रैल / 77 —यतः, मुझे ए० टी० गोविन्दन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 2, नार्थ वडम्बोक्कि स्ट्रीट, मडुरै है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-II मडुरै (डाकुमेण्ट 664/77) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री एस० के० मुत्तुकृष्ण पिल्लै

(अन्तरक')

(2) श्री एस० एम. गुरुसामि चेट्टियार

(अन्तरिती)

अनुसूची

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मडुरै , नार्थ वडम्बोक्कि स्ट्रीट, डोर सं० 2 में 85 7/१ स्क्वियर फीट ।

ए० टी० गोविन्दन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I मद्रास

तारीख : 13-12-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

(1) श्री एस० के० सुतुकृष्ण पिल्लै

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

(2) श्री मनिवासगम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 दिसम्बर 77

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

निर्देश सं० 32/ अप्रैल / 77--यतः, मुझे ए० टी० गोविन्दन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० 2, नार्त वडम्बोक्कि स्ट्रीट, मदुरै है, जो
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० जे
मदुरै डाकुमेण्ट 665/77 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 77 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :--

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिद्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

मदुरै, नार्त वडम्बोक्कि स्ट्रीट, डोर सं० 2 में 770
स्कुयर फीट ।

ए० टी० गोविन्दन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

अनः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 13-12-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री एस० के० मुत्तुकृष्णन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री जी० मिनिशामघम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 दिसम्बर 1977

निदेश सं० 33/अप्रैल/77--यत्, मुझे ए० टी० गोविन्दन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 2 नार्त वडम्बोथिक स्ट्रीट, है, जो मदुरै में स्थित है (और इसमें उपाद्ध में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० II मदुरै (डाकुमेण्ट 666/77) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदुरै, नार्त वडम्बोथिक स्ट्रीट, डोर सं० 2 में 770 स्क्वयर फीट।

ए० टी० गोविन्दन

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैरादाबाद

तारीख : 13-12-77
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

1. श्री एस० के० राजगोपाल (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री गोवर्धन दास अग्रवाल (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 दिसम्बर 77

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

निर्देश सं० 34/अप्रैल/77 :--यतः, मुझे ए० टी० गोविन्दन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

और जिसकी सं० 2 नार्थ, वडम्बोक्कि स्ट्रीट, मडुरै में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० ii,
मडुरै डाकुमेण्ट 667/77 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 77।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :--

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मडुरै, नार्थ वडम्बोक्कि स्ट्रीट, डोर सं० 2 में 887/1/2
स्कुरर फीट।

ए० टी० गोविन्दन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 13-12-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 दिसम्बर, 77

निदेश सं० 35/अप्रैल/77 :—यतः, मुझे, ए० टी०
गोविन्दन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269(1)
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2, नार्थ वडम्बोकि स्ट्रीट, मदुरै है में जो
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० II, मदुरै
(डाकुमेण्ट 669/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269(1) के अन्त-
रण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269(1) की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः :—

6-406GI77

1. श्री एस० के० राजगोपाल (अन्तरक)

2. श्री लक्ष्मणन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदुरै, नार्थ, वडम्बोकि स्ट्रीट, डोर सं० 2 में 770 स्क्यर
फीट।

ए० टी० गोविन्दन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख : 13-12-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ———

1. श्री एस० के० राजगोपाल (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. श्री लक्ष्मणन (अन्तरिती)

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 दिसम्बर 77

निदेश सं० 36/अप्रैल/77 :—यतः, मुझे, ए० टी० गोविन्दन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 2, नाथ वडम्बोविक स्ट्रीट, मदुरै है, जो में स्थित है (और इसमें उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० II मदुरै (डाकुमेण्ट 669/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और; या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपात्त :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदुरै, नाथ वडम्बोविक स्ट्रीट, डोर सं० 2 में 805 स्क्वयर फीट।

ए० टी० गोविन्दन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख : 13-12-1977
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री बी० मणी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

(2) श्री आर० नटराजन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 नवम्बर 1977

निदेश सं० 40/77—यतः मुझे, ए० टी० गोविन्दन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 64/1C1 है, जो दर्मपुरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दर्मपुरी (पत्र सं० 630/77) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 अप्रैल 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दर्मपुरी बिल्पाशीपुरम गांव एस० सं० 64/19 में 25/1/78 सेन्ट की भूमि।

ए० टी० गोविन्दन

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख : 30/11/77

हरः

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 नवम्बर 1977

निर्देश सं० 41/अप्रैल/77 :—यतः, मुझे, ए० टी० गोविन्दन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 64/आई० सी० आई० है, जो दर्मपुरि में स्थित है (और इससे उवाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दर्मपुरी (पत्र सं० 631/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 के उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

1. श्री राजगोपाल और आदि

(अन्तरक)

2. श्री पी० पेरियसामि

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दर्मपुरि, विरुपारापुरम गांव एस० सं० 64/आई० सी० आई० में 251/2 सेन्ट की भूमि।

ए० टी० गोविन्दन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख : 30-11-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री के० एस० वेनुगोपाल।

(अन्तरक)

2. श्री टी० एन० सेकर।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 13 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० 3839/एप्रल/77—यतः मुझे, के० पोन्नन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 294, 294 ए और 294 बी मुत्तुकुमार
स्वामी नायकन रोड आलन्दूर, मद्रास में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० 1 मद्रास नार्थ (डाकु-
मेण्ट 1144/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

हस्ताक्षरः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास, आलन्दूर, मुत्तुकुमारस्वामी नायकन रोड, डोर सं०
294, 294 ए और 294 बी में भूमि और मकान ।

के० पोन्नन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज मद्रास

तारीख : 13-12-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

1. श्रीमती चन्द्रा अम्माल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

2. श्रीमती राजामनि अम्माल ।

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II,

मद्रास-600006, दिनांक 13 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० 3855/एप्रिल/77—यतः मुझे, के० पोन्नन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं०-72 ईस्वरन दर्मराजा कोयिल स्ट्रीट पान्डिचेरि
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण से से वर्णित
है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पान्डिचेरि 'डकुमेण्ट
520/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 25-4-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तव उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्तक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पान्डिचेरि, ईस्वरन दर्मराजा कोयिल स्ट्रीट, डोर सं० -72
में भूमि और मकान।

के० पोन्नन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 13-12-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II,

मद्रास-600006, दिनांक 13 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० 4268/एप्रैल/77—यतः मुझे के० पोन्नन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सिन्नपुलियूर गांव में एस० सं० 167 ए, 167 बी, 167 ई, 168, 166 बी और 166 सी० में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० 1 ईरोड 'डोकुमेण्ट 902/77' में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख एप्रैल 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बालसुब्रमनियम (मैनर)

(अन्तरक)

2. श्री कामदेनू ड्रिक्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

कोयम्बतूर जिला, भवानी तालुका, सिन्नपुलियूर गांव में 6-671/2 एकड़ जिसका एस० सं०-167 ए, 167 बी 167 ई०, 168, 166 बी० आर० 166 सी०।

के० पोन्नन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 13-12-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास-600006. दिनांक 14 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० 3837/एप्रैल/77—यतः, मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी टी० एस० सं० 1864, 1865 और 1875 करिओविट्टुकुप्पम गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, जे० एस० आर० कडलूर 'डाकुमेंट 428/77' में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-4-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रतीतिः—

1. श्री पी० टी० राजगोपालाचारी और रंगस्वामी ।
(अन्तरक)

2. श्री मुतैया मुदलियार पलनिसामि मुदलियार और अरावामुदन ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कडलूर, करिओविट्टुकुप्पम गांव, वार्ड 3, ब्लॉक 49 में 1.81 एकड़ जिसका टी० एस० सं० 1864, 1865 और 1875 ।

के० पोन्नन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख : 14-12-77
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास 600006

मद्रास-600006, दिनांक 14 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० 3837/एप्रल/77--यतः, मुझे, के० पोन्नन,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है और

जिसकी टी० एस० सं० 1864, 1865, 1875
करिओविट्टुकुप्पम गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, जे० एस० आर० II कडलूर (डाकुमेण्ट 429/77)
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 12-4-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
7-406GI/77

1. श्री पी० टी० धासन, श्रीमती पंकजमाल, आन्टाल
अम्माल और कुमुदम्माल

(अन्तरक)

2. श्री मुत्तैया मुदलियार (2) पलनिसामि मुदलियार और
आरावामुद मुदलियार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कडलूर, करिओविट्टुकुप्पम गांव, वार्ड सं० 3, ब्लॉक 49 में
1.81 एकड़ जिसका टी० एस० सं० 1864, 1865 और
1875।

के० पोन्नन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 14-12-77

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 14 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० 3837/अप्रैल/77—यतः, मुझे के० पोन्नन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

जिसकी सं० करिओविट्टुकुप्पम गांव टी० एस० एस० सं०
1864, 1865 और 1875 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, जे० एस० आर० II कडलूर (डाकुमेण्ट
430/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1909 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 12-4-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने
या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अवसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, घर्षातुः—

1. श्रीमती पी० टी० लीला अम्माल श्री पी० टी०
कृष्णकुमार चित्तलेका और श्री टी० बी० राजन
(अन्तरक)

2. श्री मुर्तया मुदलियार, पलनिसामि मुदलियार और
अरावामुद मुदलियार
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 क म परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कडलूर, करिओविट्टुकुप्पम गांव, वार्ड 3, ब्लॉक 49
में 1.81 एकड़ जिसका टी० एस० सं० 1864, 1865
और 1875।

के० पोन्नन

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज II, मद्रास-600006

तारीख : 14-12-1977

सोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री बी० गोपालरत्नम ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

2. श्री टी० आर० हालद्वस्ति ।

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

अर्जन रेंज, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 14 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० 3845/अप्रैल/77—यतः मुझे, के० पोन्नन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० कोट्टूर गांव आर० एस० सं० 83/3 और
70/1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय,
पेरलम 'डोकुमेण्ट 375/77' में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-4-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधि-
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

तन्जावर जिल्ला, नमिलम तालुका, कोट्टूर गांव आर० एस०
सं० 83/3 और 70/1 में 7-66 रु० एकड़ ।

के० पोन्नन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 14-12-77
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 14 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० 3846/अप्रैल/77—यतः मुझे के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० पोन्नन विडुति गांव में एस० सं० 399-8 और 399-10 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलन्घडि 'डाकुमेण्ट सं० 663/77' में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-4-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

1. श्री अश्वोनि उडयार ।

(अन्तरक)

(3) कुलन्ती फेनन्दि ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

पोन्नन विडुति एस० सं० 399/8 और 399/10 में 90 सेन्ट (रस मिल) ।

के० पोन्नन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 14-12-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 15 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० 4269/अप्रैल/77—यतः मुझे, के० पोन्नन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० नायकनपालयम गांव एस० सं० 119 और 120 ए में स्थित है (और इससे उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ऊतुकुलि (डाकुमेण्ट 584/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एस० वेंकटकृष्णन।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० पलनिसामि और श्रीमती मरगतम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्सर्गबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

पोल्लाची तालुका, नायकनपालयम में 9—21 एकड़ जिसका एस० सं० 119 और 120 ए।

के० पोन्नन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 15-12-77
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 15 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० 4269/अप्रैल/77—यतः मुझे के० पोन्न
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० नायकनपालयम एस० सं० 115 बी, 119, 120 ए०
और 122 है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
ऊत्तुकुलि (डाकुमेण्ट 585/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्र जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एस० वेंकटकृष्णन ।

(अन्तरक)

2. श्री कृष्णसामि गौन्डर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

पोल्लाचि तालुका, नायकनपालयम में 15—37 एकड़
जिसका एस० सं० 115 बी, 119, 120 ए और 122 ।

के० पोन्न,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 15-12-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री एम० आर० रामसामि गौन्डर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

2. श्री हाजी एम० कादर मोहम्मद राउतर और ए०
बशीर अहमद। (अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास-600006

कोयट सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

मद्रास-600006, दिनांक 15 दिसम्बर 1977

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० 4346/जून/77—यतः, मुझे, के० पोन्नन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० 120, राजा स्ट्रीट, कोयम्बतूर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० I
कोयम्बतूर (डाकुमेण्ट 1366/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
29-6-1977 को

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

कोयम्बतूर, राजा स्ट्रीट डोर सं० 22/120 (नया
टी० एस० सं० 5/471 भाग) में भूमि और मकान।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्ति्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

के० पोन्नन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 15-12-1977

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 15 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० 5542/एप्रिल/77—यतः मुझे, के० पोन्न
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मद्रास, किल्पाक, मनोन्मनि अम्माल रोड,
डोर सं० 4 में स्थित है (और इसके उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
पुरसवाक्कम 'डाकुमेण्ट 294/77' में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-4-
1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीतः—

1. श्री पी० जी० वेनुगोपाल रेड्डी, पी० बी० संकर नारायणन
और पी० बी० लक्ष्मिनारायणन।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जीवी बाय

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-10, किल्पाक, मनोन्मनि अम्माल रोड डोर सं० 4
में 3 अउण्ड और 416 स्क्वयर फीट में भूमि (मकान के साथ)।

के० पोन्न
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, II मद्रास

तारीख : 15-12-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(2) मै० डाटा फिल्मे लिमिटेड

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरिती)

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 दिसम्बर 1977

निर्देश नं० 6/अप्रैल/77—यतः, मुझे, ए० टी० गोविन्दन प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मयूर जिल्ला, उत्तमपालयम तालुका, 48, कोट्टुगुडी गांव (1024.38 एकड़) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ज० एस० आर० 1, मद्रास, नार्त (डाकुमेण्ट 1011/77) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ग्रन्थ प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

मतः प्रभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार।
मैं, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मै० टी कन्नन देवन हिल्स प्राइव्स
कम्पनी लिमिटेड

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा या।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मयूर जिल्ला, उत्तमपालयम तालुका, सं० 48, कोट्टुगुडी गांव में 1024.38 एकड़ जिसका सर्वे सं० 986, 987, 995, 996, 997, 999, 1000, 1001, 1002, 1004, 1048, 1049, 1050, 1079, 1080, 1081, 1082, 1083, 1084, 1085, 1086, 1087, 1088, 1089, 1090, 1091, 1092, 1093, 1094, 1095, 1096, 1097, 1099, 1100, 1101, 1102, 1103, 1104, 1105, 1106, 1107, 1108, 1109, 1110, 1111, 1112, 1113, 1114, 1115, 1116, 1117, 1118, 1119, 1120, 1121, 1122, 1123, 1124, 1125, 1126, 1127, 1128, 1129, 1130, 1131, 1132, 1133, 1149, 1150, 1160, 1161, 1167, 1168, 1180, 1185, 1186, 1195, और 1197।

ए० टी० गोविन्दन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन-रेंज 1, मद्रास

तारीख : 16-12-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 नवम्बर 1977

निदेश सं० ए०एम०आर०/37/77-78—यतः, मुझे, एस०
के० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० 281 का हिस्सा है तथा जो ग्रीन एवेन्यू,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
शहर अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन अप्रैल, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री लेफ्टि० कर्नल अवतार सिंह पुत्र श्री ज्ञान सिंह
3108, सेक्टर 28-डी, चण्डीगढ़, द्वारा श्री बलबीर सिंह
जनरल एटार्नी ।

(अन्तरक)

2. श्री सन्त सिंह पुत्र श्री गंगा सिंह एवं बलबीर कौर
पत्नी सन्त सिंह, बाजार, पापड़ा, अमृतसर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई
किरायेदार हो ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

भू-खण्ड न० 281 का हिस्सा, ग्रीन एवेन्यू, अमृतसर,
जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 193 अप्रैल, 1977
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, शहर अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 17-11-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर,

अमृतसर, दिनांक 17 नवम्बर 1977

निदेश नं० अमृतसर / 38/77-78 —यतः, मुझे, एस०
के० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० 12 मिन 13 है, तथा जो कोट माहना
सिंह तरनतारन रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, शहर-अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रमन कुमार पुत्र श्री देशराज आनन्द 63-
दयानन्द नगर, लारेंस रोड, अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री रमेश कुमार एवं सुरिन्दर कुमार पुत्रगण
श्री नन्द किशोर, सर्वश्री विनोद कुमार, अशोक कुमार,
एवं परमोद कुमार पुत्रगण श्री चमनलाल बाग रामा-
नन्द, गली नं० 1, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि
कोई किरायेदार हो ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है) ।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक कोठी भू-खण्डपर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या
185, अप्रैल 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, शहर अमृतसर
में लिखा है ।

एस० के० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 17-11-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 नवम्बर 1977

निदेश नं० अमृतसर / 39/ 77-78 —यतः, मुझे, एस० के० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 11 एवं 12 मिन है, तथा जो कोटे माहना सिंह तरन तारन रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शहर-अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1977

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अक्षिपों, प्रणीत :—

(1) श्री गोवर्धन दास पुत्र श्री वेशराज आनन्द 63 दयानन्द नगर, लारेंस रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री रमेश कुमार एवं सुरिन्दर कुमार पुत्रगण श्री नन्द किशोर, सर्वश्री विनोद कुमार, अशोक कुमार एवं परमोद कुमार, पुत्रगण श्री चमनलाल बाग रामा-नन्द गली नं० 1, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कोठी भू-खण्ड पर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 186 अप्रैल, 1977, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शहर अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 17-11-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 23 नवम्बर 1977

निदेश न० अमृतसर / 40/ 77-78 —यतः, मुझे एस० के०

गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो कटरा परजा अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शहर-अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती कैलाशरानी पत्नी श्री सुरिन्दर कुमार कटरा शेर सिंह नं० 1, अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमला देवी पत्नी श्री राम सरन कटरा शेर सिंह नं० 1, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 842 जून, 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, शहर अमृतसर में लिखा है ।

एस० के० गोयल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 23-11-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 24 नवम्बर 1977

निदेश न० तरनतारन/ 41/ 77-78 —यतः, मुझे, एस० के० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम -मुगल चक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तरन तारन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख, अप्रैल, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती गुरदीप कौर विधवा श्री हीरा सिंह निवासी मुगल चक तहसील तरन तारन जिला अमृतसर। (अन्तरक)

(2) श्री जरनैल सिंह पुत्र श्री मंगल सिंह पुत्र श्री उत्तम सिंह, निवासी -भुरादपुर तहसील, तरन तारन जिला अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि योग्य भूमि नाप 58-0 के० के० एम० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 158 अप्रैल, 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तरन-तारन, जिला अमृतसर में लिखा है।

एस० के० कोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 24-11-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 24 नवम्बर 77

निर्देश नं० अमृतसर / 42/77-78—यतः, मुझे, एस० के० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो कटरा परजा, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शहर-अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती पुष्पावती विधवा श्री चमनलाल निवासी कटरा शेर सिंह नं० 1, अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण कुमार पुत्र श्री श्रीराम सरम बास कटरा शेर सिंह नं० 1, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर प्रकृत है और यदि कोई किरायेदार हो । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 1084 जुलाई, 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शहर अमृतसर में लिखा है ।

एस० के० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 24-11-77

मोहर

-प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 24 नवम्बर 77

निदेश नं० गुरदासपुर / 43/ 77-78 —यतः, मुझे एस०,
के० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम जोगी चीमा
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुरदासपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अप्रैल, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) श्री लारा सिंह पुत्र श्री मन्ता सिंह ग्राम जोगी चीमा
(अन्तरक)

(2) श्री सुरिन्दर मोहन पुत्र श्री मोहिन्दर मोहन पुत्र
श्री मुन्शी राम, कादिया टाउन, जिला गुरदासपुर।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई
किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचिर रखता हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृपि योग्य भू-खण्ड नाप 38-3 के० एम० जैसा कि रजि-
स्ट्रीकृत विलेख संख्या 342 अप्रैल, 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी गुरदासपुर में लिखा है।

एस० के० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 24-11-77
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

श्री शंकर गजानन मुदिलियार नगर बयांप, बेलगांव
मिटी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज धारावाड़

धारावाड़ा-580004, दिनांक 22 दिसम्बर, 1977

निर्देश सं० 197/77-78/अर्जन—यतः, मुझे डी० सी०
राजागोपालनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक हैऔर जिसकी सं० एम० नं० 458/1, है, जो नगर बयांप,
वाडगांव, एशान बेलगाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, बेलगाम अंडर डाकुमेंट नं० 428 दिनांक 7-5-
1977 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन:को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने की
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

9-406 GI 77

(अन्तरक)

2. (1) श्री नारायण तुकाराम खाटावकर

(2) श्री अशोक गजानन खाटावकर

(3) श्री विजय खाटावकर

(4) श्री रमेश ना० खाटावकर

(5) श्री प्रकाश खाटावकर और सूर्यकांत मजानन
खाटावर पार्टनर, मैमर्स नारायण खाटावकरदेसी कलाश
मंचेट, मेनसिगल्ली, बेलगांव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

नगर बयांप वाडगांव के यहां का खुला मैदान, सर्वे नं०
एम० नं० 458/1, एकड़ जगह 92 22 20792 स्कार
फीट है।

डी० सी० राजागोपालन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, धारावाड़

तारीख: 22-12-77

मोहर:

संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के अधीन कनिष्ठ वेतन मान पदों पर

भर्ती के लिए परीक्षा (1978)

नोटिस

नई दिल्ली, दिनांक 7 जनवरी 1978

सं० फा० 14/5/77-प० I (ख)—संघ लोक सेवा आयोग द्वारा केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के अधीन कनिष्ठ वेतन मान पदों पर भर्ती के लिए 27 मई, 1978 को एक परीक्षा आयोजित की जाएगी।

2. इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जानेवाली रिक्तियों की संख्या 375 है। (इनमें 61 रिक्तियाँ अनुसूचित जातियों के लिए और 88 रिक्तियाँ अनुसूचित जन जातियों के लिए आरक्षित हैं)

इस संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

3. परीक्षा-केन्द्र:—अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़, कोचिन, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी) हैदराबाद, जयपुर, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटियाला, पटना शिमला, श्रीनगर शिलांग और त्रिवेन्द्रम।

4. पात्रता की शर्तें:—

(क) राष्ट्रिकता उम्मीदवार या तो

- (i) भारत का नागरिक हो, या
- (ii) नेपाल की प्रजा हो, या
- (iii) भूटान की प्रजा हो, या
- (iv) ऐसा तिब्बती शरणार्थी, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो, या
- (v) भारतीय मूल का व्यक्ति हो जो भारत में स्थायी रूप से रहने के उद्देश्य से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और पूर्वी अफ्रीकी देश जैसे कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया, जाम्बिया, मलावी, जेरे, हथियोपिया और वियतनाम से प्रजनन कर आया हो।

परन्तु उपर्युक्त वर्ग (ii), (iii), (iv) और (v) के अन्तर्गत आने वाला उम्मीदवार ऐसा व्यक्ति हो जिसको भारत सरकार ने पात्रता-प्रमाण-पत्र प्रदान किया हो।

जिस उम्मीदवार के लिए यह पात्रता-प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, उसको परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा आवश्यक पात्रता-प्रमाण-पत्र दे दिए जाने के बाद ही दिया जाएगा।

(ख) आयु-सीमा:—पहली जनवरी, 1978 को 30 वर्ष से कम।

किंतु 1978 में ली जाने वाली परीक्षा के लिए आयु सीमा 50 वर्ष तक की छूट दी जा सकती है।

ऊपरी आयु-सीमा में निम्नलिखित स्थितियों में और छूट दी जा सकती है:—

- (i) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष तक।
- (ii) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और वह 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रजनन कर भारत आया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (iii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जन जाति का हो और वह 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान भूत-पूर्व पाकिस्तान (अब बंगला देश) से प्रजनन कर आया वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।
- (iv) यदि उम्मीदवार अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद, श्रीलंका से वस्तुतः प्रत्यावर्तित हो कर भारत में आया हुआ या आने वाला मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जन जाति का हो और साथ ही अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ या आने वाला मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,
- (vi) यदि उम्मीदवार 1 जून, 1963 को या उसके बाद बर्मा से वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ भारत मूलक व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (vii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जन जाति का हो और साथ ही 1 जून, 1963 को या उसके बाद, बर्मा से वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ भारत मूलक व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,
- (viii) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिक से अधिक तीन वर्ष तक जो किसी विदेशी देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा उसके परिणाम स्वरूप निर्मुक्त हुए,
- (ix) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष तक जो किसी विदेशी देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा उसके परिणाम स्वरूप निर्मुक्त हुए हो

और जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के हैं।

(x) सीमा सुरक्षा दल के ऐसे कर्मचारियों के मामले में अधिक से अधिक तीन वर्ष तक जो वर्ष 1971 में हुए भारत पाकिस्तान संघर्ष में विस्फोट हुए और उसके परिणाम स्वरूप निर्मुक्त हुए हों,

(xi) सीमा सुरक्षा दल के ऐसे कर्मचारियों के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष तक जो वर्ष 1971 में हुए भारत पाकिस्तान संघर्ष में विस्फोट हुए और उसके परिणाम-स्वरूप निर्मुक्त हुए हों तथा अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के हों, और

(xii) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पार पत्र हो) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपात-काल प्रमाण-पत्र है, और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है, तो उसके लिए अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(ग) केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के विभागीय उम्मीदवारों के लिए कोई ऊपरी आयु सीमा नहीं है।

उपर्युक्त व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयु सीमा में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जाएगी।

(ग) शैक्षिक योग्यता :—इस परीक्षा में प्रवेश हेतु उम्मीदवार ने फाइनल एम० बी० बी० एस० परीक्षा के लिखित तथा प्रायोगिक भाग 20 फरवरी, 1978 को या उससे पहले उत्तीर्ण कर लिए हों।

नोट 1 : ऐसे उम्मीदवार जिन्हें अभी अनिवार्य रोटेटिंग इंटर्नशिप पूरी करनी है, वे भी शैक्षिक दृष्टि से इस परीक्षा में प्रवेश पाने के पात्र हैं। किन्तु चयन हो जाने के बाद उनकी नियुक्ति अनिवार्य रोटेटिंग इंटर्नशिप पूरी करने के बाद ही की जाएगी।

नोट 2 : जिन उम्मीदवारों की फाइनल एम० बी० बी० एस० परीक्षा के लिखित तथा प्रायोगिक भाग का परिणाम घोषित नहीं हुआ हो और जिन उम्मीदवारों को अभी इन परीक्षाओं में बैठना हो वे इस परीक्षा में प्रवेश पाने के पात्र नहीं होंगे।

5. आवेदन-पत्र के साथ देय शुल्क :—रु० 28.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के लिए 7.00)। जिन आवेदन-पत्रों के साथ निर्धारित शुल्क नहीं भेजा जाएगा, उनको एक दम अस्वीकार कर दिया जाएगा।

ध्यान दें : एक बार अदा किया गया शुल्क वापस नहीं किया जायेगा और न ही उसे किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिये आरक्षित रखा जाएगा।

6. आवेदन कैसे किया जाए :—केवल केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के अधीन कनिष्ठ बतनमान पदों पर भर्ती के लिये परीक्षा (1978) हेतु निर्धारित प्रपत्र में छपे हुए आवेदन-

पत्र ही दिए जायेंगे जो इस परीक्षा के नोटिस के साथ लगे हुए हैं। आवेदन-पत्र भर कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाने चाहिए। आवेदन-प्रपत्र और परीक्षा के पूरे विवरण निम्न स्थानों से प्राप्त किए जा सकते हैं :—

(i) दो रुपये का मनीआर्डर या संघ लोक सेवा आयोग के सचिव को नई दिल्ली प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर भेज कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के यहां से डाक द्वारा।

(ii) दो रुपये तकद देकर आयोग के कार्यालय के काउन्टर पर।

नोट : आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा के पूर्ण विवरण डाक द्वारा मंगाने के लिये किए जाने वाले अनुरोध आयोग के कार्यालय में 13 फरवरी, 1978 के पहले पहुंच जाने चाहिये ? परन्तु ये प्रपत्र आयोग के कार्यालय में काउन्टर पर स्वयं जाकर मांगने वालों को 20 फरवरी, 1978 तक मिल सकते हैं।

सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले से ही सरकारी नौकरी में हों, या सरकारी स्वामित्व वाले औद्योगिक उपक्रमों या इसी प्रकार के संगठनों में काम कर रहे हों, या गैर सरकारी सेवाओं में नियुक्त हों, आयोग को सीधे आवेदन-पत्र भेजने चाहिये। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियुक्तता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचा हो तो उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियुक्तता को आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी हैसियत से काम कर रहे हों या किसी काम के लिये विशिष्ट रूप से नियुक्त कर्मचारी हों, जिनमें आकस्मिक या दैनिक दर पर नियुक्त व्यक्ति शामिल नहीं हैं, उनको इस परीक्षा में अंतिम रूप से प्रवेश पाने के पहले अपने कार्यालय, विभाग के प्रधान की अनुमति प्राप्त करनी चाहिये। उनको चाहिये कि वे अपने आवेदन-पत्र को उसके अंत में संलग्न प्रमाण-पत्र की दो प्रतियां निकाल कर, आयोग को सीधे भेज दें और प्रमाण-पत्र की उन प्रतियों को तत्काल अपने कार्यालय/विभाग के प्रधान को इस अनुरोध के साथ प्रस्तुत करे कि उक्त प्रमाण-पत्र की एक प्रति विधिवत् भर कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली को जल्दी से जल्दी और हर हालत में प्रमाण-पत्र के फार्म में निर्दिष्ट तारीख से पहले भेज दी जाए।

7. आयोग के कार्यालय में आवेदन की प्राप्ति की अंतिम तारीख :—

(i) भारत में रहने वाले उम्मीदवारों से 20 फरवरी 1978।

- (ii) विदेश में या अंडमाम और निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों से 6 मार्च, 1978 ।

8. प्रलेख, जो आवेदन के साथ प्रस्तुत हो :—

(क) सभी उम्मीदवारों द्वारा :—

- (i) रु० 28.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिये रु० 7.00) का शुल्क जो सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली प्रधान डाक घर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल ऑर्डर के रूप में हो, या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के नाम भारतीय स्टेट बैंक, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो ।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को चाहिये कि वे उस देश में भारत के उच्च अनुक्त या राजदूत या प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो, के कार्यालय में, निर्धारित शुल्क इस प्रकार जमा करें जिससे वह "051 लोक सेवा आयोग परीक्षा शुल्क" के खाते में जमा हो जाए और उसकी रसीद लेकर आवेदन-पत्र के साथ भेज दें ।

- (ii) आयु का प्रमाण-पत्र :—आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय के यहां मट्रिकुलेटों के रजिस्टर में दर्ज की गई हो और वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो । जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसके समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा/के प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है ।

अनुदेशों के भाग में आए मट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित है ।

कभी-कभी मट्रिकुलेशन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं । ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-

पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हैडमास्टर/प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भजनी चाहिये जहां से वह मट्रिकुलेशन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में उत्तीर्ण हुआ है । इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिये ।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में यथा निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है । उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न है और इसके लिये कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है ।

नोट 1 : जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आयु से संबंध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिये ।

नोट 2 : उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी बाद की परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी ।

- (iii) शक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र :—उम्मीदवारों को किसी प्राधिकरण (अर्थात् विश्वविद्यालय या अन्य परीक्षा निकाय) द्वारा प्रदत्त प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी

होगी, 1978 अर्थात्, आयोग के कार्यालय में आवेदन-पत्र प्राप्त करने की अन्तिम तारीख को या उससे पहले एम० बी० ए० परीक्षा पास कर ली है ।

- (iv) उम्मीदवारों के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 से मी० × 7 से मी०) के फोटो की एक जैसी दो प्रतियां जिनके ऊपरी हिस्से पर उम्मीदवार के हस्ताक्षर विधिवत् अंकित हो ।

(ख) अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों द्वारा :—अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का होने के दावे के समर्थन में, जहां उम्मीदवार या उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आमतौर पर रहते हों, उस जिले के किसी सक्षम

(प्रमाण-पत्र के नीचे उल्लिखित) प्राधिकारी से परिशिष्ट I में दिए गए प्रपत्र में लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(ग) आयु में छूट का दावा करने वाले उम्मीदवारों द्वारा :

(i) पैरा 4 (ख), (ii) या 4 (ख) (iii) के अधीन शुल्क में छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रव्रजन कर भारत आया है :—

- (1) वंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित राहत शिविरों के कैम्प कमांडेंट;
- (2) उस क्षेत्र का जिला मजिस्ट्रेट, जहां वह इस समय निवास कर रहा है;
- (3) अपने-अपने जिलों में शरणार्थी पुनर्वास के प्रभारी अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट;
- (4) स्वयं प्रभारित सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल अफसर।
- (5) उप-शरणार्थी-पुनर्वास-आयुक्त, पश्चिम बंगाल/निदेशक (पुनर्वास) कलकत्ता।

(ii) पैरा 4 (ख) (iv) अथवा 4 (ख) (v) के अधीन आयु में छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद प्रव्रजन कर भारत आया है या आने वाला है।

(iii) पैरा 4 (ख) (vi) अथवा 4 (ख) (vii) के अन्तर्गत आयु में छूट चाहने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है अथवा उसे, जिस क्षेत्र का वह निवासी है, उसके जिला मजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभि-

प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद प्रव्रजन कर भारत आया है।

(iv) पैरा 4 (ख) (vii) अथवा 4 (ख) (ix) के अन्तर्गत आयु में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महा-निदेशक, पुनःस्थापन रक्षा मंत्रालय, से निम्नलिखित निर्धारित फार्म पर इस आशय का एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले
प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट
के रैंक नं०
श्री रक्षा सेवाओं
में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष के दौरान।
*अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए
और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।
हस्ताक्षर
पदनाम
दिनांक

(v) नियम 4 (ख) (x) अथवा 4 (ख) (xi) के अन्तर्गत आयु में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महा-निदेशक, सीमा सुरक्षा दल, गृह मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का
फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट
रैंक नं० श्री
सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए सन, 1971 के भारत-पाक
शत्रुता संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता
के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।
हस्ताक्षर
पदनाम
तारीख

*जो शब्द लागू न हों, उसे कृपया काट दें।

(vi) नियम 4 (ख) (xii) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले व्यक्तिनाम से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को, फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी है, उसके जिला मजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह व्यक्तिनाम से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और व्यक्तिनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है।

ध्यान दें: उम्मीदवार को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ उपर्युक्त पैरा 8 में उल्लिखित प्रमाण-पत्र आदि में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया होगा तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी।

9. आवेदन प्राप्ति की सूचना :—इस परीक्षा के लिये निर्धारित फार्म में मिले सभी आवेदनों के पहुंचने की सूचना भेजी जायेगी अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन पहुंचने की सूचना इस परीक्षा के आवेदन पहुंचने की अन्तिम तारीख से एक महीने के अन्दर न मिले तो उसको प्राप्ति सूचना पाने के लिए तत्काल आयोग से संपर्क करना चाहिये।

10. आवेदन का परिणाम :— अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन के परिणाम की सूचना परीक्षा शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक आयोग से प्राप्त न हुई तो उसे परिणाम की जानकारी के लिये आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिये। अगर इस बात का पालन नहीं हुआ, तो उम्मीदवार अपने मामले में विचार किए जाने के अधिकार से वंचित हो जायेगा।

11. परीक्षा में प्रवेश :—किसी उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के संबंध में संघ लोक सेवा आयोग का निर्णय अन्तिम होगा। आयोग से प्राप्त प्रवेश-प्रमाण पत्र के बिना किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

12. कदाचार के दोषी उम्मीदवारों के खिलाफ कार्रवाई :— उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई गलत विवरण न दें और न किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाएं। उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि उनके द्वारा प्रस्तुत किसी प्रलेख या उसकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि में किसी भी हालत में वे किसी तरह का संशोधन या परिवर्तन या कोई फेर बदल न करें और न फेर बदल किए गए/गढ़े हुए प्रलेख को वे प्रस्तुत करें। अगर इस प्रकार दो या अधिक प्रलेखों में या उनकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों में कोई अशुद्धि या असंगति हो तो उनकी असंगति के बारे में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना चाहिये।

जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निर्मांकित कदाचार का दोषी है या दोषी घोषित हो चुका है :—

(i) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना, या

(ii) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना, या

(iii) अपने स्थान पर किसी दूसरे व्यक्ति को प्रस्तुत करना, या

(iv) जाली प्रलेख या फेरबदल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करना, या

(v) अशुद्ध या असत्य वक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपाकर रखना, या

(vi) उक्त परीक्षा के लिये अपनी उम्मीदवारी के संबंध में किसी अनियमित या अनुचित साधन अपनाना, या

(vii) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाना, या

(viii) उत्तर पुस्तिका(ओं) में असंगत बातें लिखीं हों, जो अश्लील भाषा या अभद्र आशय की हों, या

(ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का बुराबहार करना, या

(x) परीक्षा चलाने के लिये आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो, या

(xi) ऊपर के खंडों में उल्लिखित सभी या किसी भी कार्य को करने का प्रयास किया हो या करने के लिये किसी को उकसाया हो तो उस पर आपराधिक अभियोग चलाया जा सकता है और साथ ही :—

(क) वह जिस परीक्षा का उम्मीदवार है, उसके लिये आयोग द्वारा अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा वह

(ख) (i) आयोग द्वारा उनकी किसी भी परीक्षा या चयन के लिये और (ii) केन्द्र सरकार द्वारा उसके अधीन किसी नियुक्ति के लिये;

स्थायीरूप से या कुल निर्दिष्ट अवधि के लिये अपवर्जित किया जा सकता है; और

(ग) अगर वह पहले से सरकारी नौकरी में हो तो उचित नियमों के अनुसार अनुशासनिक कार्रवाई का पात्र होगा।

13. मूल प्रमाण-पत्र-प्रस्तुतीकरण :—उम्मीदवारों को अपने आवेदनपत्रों के साथ उपर्युक्त पैरा 8 उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतिलिपियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभि-प्रमाणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्रों का व्यवितर्य परिक्षण के समय मूल रूप में प्रस्तुत करने के लिए तैयार रखना चाहिए। जो उम्मीदवार व्यक्तिगत परिक्षण के समय अपेक्षित प्रमाण पत्र मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उनका विचार किए जाने का दावा स्वीकार नहीं होगा।

14. परीक्षा की योजना :—इस परीक्षा में निम्नलिखित का समावेश होगा :—

(क) लिखित परीक्षा :—उम्मीदवारों को निम्नलिखित चार प्रश्न-पत्रों में से किसी एक को लेने का विकल्प होगा और प्रश्न पत्र 3 घंटे का होगा तथा जिसमें वस्तु परक प्रश्न पूछे जायेंगे।

(i) कं० ना०, कं० नेत्र विज्ञान, ऋण विज्ञान और विकलांग विज्ञान सहित सर्जरी ;

(ii) शिशु रोग विज्ञान सहित सामान्य आयु-विज्ञान।

(iii) शिशु कल्याण और परिवार नियोजन सहित निरोधक आयुविज्ञान और सामुदायिक स्वास्थ्य, और

(iv) प्रसूति विज्ञान और स्त्री रोग विज्ञान

(ख) जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में अर्हता प्राप्त कर लेंगे उनका व्यक्तित्व परीक्षण किया जायेगा।

ध्यान दें :—लिखित परीक्षा और व्यक्तित्व परीक्षण के समान अंक होंगे।

नोट :—परीक्षा का स्वरूप प्रश्नों के नमूने और उत्तर पत्रक के नमूने से संबद्ध ब्यौरे 'उम्मीदवार सूचना पुस्तिका' में परिशिष्ट II पर दिए गए हैं।

15. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में आयोग द्वारा अपनी विषया से निर्धारित न्यूनतम अंक अंक प्राप्त कर लेते हैं, उन्हें आयोग द्वारा व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा।

किन्तु शर्त यह है कि यदि आयोग का यह मत हो कि अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिये इन जातियों के पर्याप्त उम्मीदवार सामान्य स्तर के आधार पर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिये नहीं बुलाए जा सकते हैं तो आयोग अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों को इनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिये सामान्य स्तर में छूट देकर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जा सकता है।

व्यक्तित्व परीक्षण के लिए होने वाला साक्षात्कार लिखित परीक्षा के अनुपूरक के रूप में होगा जिसका उद्देश्य उम्मीदवारों के अध्ययन के विशिष्ट क्षेत्र में उनकी सामान्य जानकारी और क्षमता की परीक्षा करना होता है और साथ-साथ जैसा कि किसी व्यक्तित्व परीक्षण में होता है, उम्मीदवारों की बौद्धिक जिज्ञासा, समीक्षात्मक सूक्ष्म-बुद्धि की शक्ति, संतुलित विवेचनशीलता, मानसिक जागरूकता, सामाजिक सामंजस्य की क्षमता, चारित्रिक सत्यनिष्ठा, स्वतः प्रेरण और नेतृत्व की योग्यता का भी मूल्यांकन किया जाता है।

16. साक्षात्कार के बाद प्रत्येक उम्मीदवार को कुल मिलाकर प्राप्त अंकों के आधार पर उम्मीदवारों की योग्यता के क्रम से आयोग द्वारा उनकी एक सूची तैयार की जाएगी और जितने उम्मीदवारों को आयोग इस परीक्षा में योग्य पाता है उनमें से उतने ही लोगों को उसी क्रम से नियुक्ति के लिये अनुशंसित किया जाता है जितनी

आरक्षित रिक्तियों को इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरने का निश्चय किया जाता है।

परन्तु अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों में से सामान्य स्तर के आधार पर जितनी रिक्तियां नहीं भरी जा सकती हैं उतनी के लिये स्तर में छूट देकर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों को आयोग द्वारा अनुशंसित किया जा सकता है बशर्ते कि परीक्षा में उनकी योग्यता के क्रम से निरपेक्ष रूप से वे इस सेवा में नियुक्ति के योग्य हों।

17. परीक्षा में बैठे उम्मीदवारों को वैयक्तिक रूप से उनका परीक्षा परिणाम किस प्रकार और किस रूप में सूचित किया जाए इसका निर्णय आयोग स्वयं अपने विवेक से करेगा और परीक्षा परिणाम के संबंध में आयोग उनके साथ कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

18. परीक्षा में सफल होने मात्र से नियुक्ति का कोई अधिकार तब तक प्राप्त नहीं होता जब तक आवश्यक पृष्ठताछ के बाव सरकार इस बात से संतुष्ट न हो कि उम्मीदवार अपने चरित्र और पूर्ववत् के आधार पर उक्त सेवा में नियुक्ति के लिये सर्वथा उपयुक्त है। उम्मीदवार की नियुक्ति के लिए यह भी एक शर्त होगी कि उसके अनिवार्य रोटेटिंग इन्टरनेशिप सफलतापूर्वक पूरी कर लेने के संबंध में नियुक्ति-प्राधिकारी संतुष्ट हो।

19. उम्मीदवार को मन और शरीर से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें ऐसी कोई भी शारीरिक कमी नहीं होनी चाहिए जो उक्त सेवा के अधिकारी के रूप में कार्य करने में बाधक सिद्ध हो सके। सरकार या नियुक्ता प्राधिकारी, जैसी भी स्थिति हो, द्वारा निर्धारित इस प्रकार की शारीरिक परीक्षा में जो उम्मीदवार इन अपेक्षाओं की पूर्ति नहीं कर पाता है उसकी नियुक्ति नहीं होगी। व्यक्तित्व परीक्षण के लिये योग्य घोषित किए गए सभी उम्मीदवारों को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गठित चिकित्सा बोर्ड के पास व्यक्तित्व परीक्षण की तारीख के बाद किसी कार्य दिवस पर शारीरिक परीक्षा के लिए भेजा जायेगा।

20. कोई भी व्यक्ति :—

(क) जो किसी ऐसे व्यक्ति के साथ वैवाहिक संबंध बना लेता है या इस संबंध में करार कर लेता है जिसका कोई पति या पत्नी जीवित है, या

(ख) पति या पत्नी के जीवित होते हुए किसी दूसरे व्यक्ति से वैवाहिक संबंध बना लेता है या इस संबंध में कोई करार कर लेता है।

इस सेवा में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि इस प्रकार का विवाह उक्त व्यक्ति और विवाह से संबंध दूसरे व्यक्ति पर लागू वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के और भी आधार मौजूद हैं, तो किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दी जा सकती है।

21. आवेदन-पत्र से संबद्ध पत्र व्यवहार :—आवेदन पत्र से संबद्ध सभी पत्र व्यवहार सचिव, संघ लोक सेवा आयोग,

धोलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 से किया जाएगा तथा उसमें नीचे लिखा ब्योरा अनिवार्य रूप से दिया जाएगा :—

- (i) परीक्षा का नाम
- (ii) परीक्षा का महीना और वर्ष
- (iii) उम्मीदवार का रोल नम्बर अथवा यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया हो तो जन्म की तारीख।
- (iv) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)
- (v) आवेदन-पत्र में दिया गया डाक का पता

ध्यान दें :—जिन पत्रों में उपर्युक्त ब्योरा नहीं होगा, संभव है कि उन पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।

22. पत्रों में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पत्रों पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पत्रों पर मिल जाया करें। पत्रों में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना उपर्युक्त पैरा 21 में उल्लिखित ब्योरे के साथ यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है, किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेवारी स्वीकार नहीं कर सकता।

23. इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं पर भर्ती की जा रही है उनके संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट-III में दिए गए हैं।

आर० एस० गोयल,
उप सचिव.

परिशिष्ट I

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति के लिये आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित-जनजातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फॉर्म।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/*कुमारी—

सुपुत्र/*सुपुत्री श्री
जो गांव/*कस्बा
जिला/*मंडल

राज्य/*संघ राज्य क्षेत्र के/
*की निवासी हैं,

जाति/*जन-जाति के/ *की हैं जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/*जन-जाति के रूप में मान्यता दी गई है।

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950*।

संविधान (अनुसूचित जन-जातियां) आदेश, 1950*।

संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951*।

संविधान (अनुसूचित जन-जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951।

*[अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन-जातियां सूची (आशोधन) आदेश, 1956, बम्बई, पुनर्गठन अधिनियम, 1960,

पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन-जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित]

संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956*।

संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जन-जातियां आदेश, 1959 अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन-जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित*।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962*।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन-जातियां आदेश, 1962*।

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964*।

संविधान (अनुसूचित जन-जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967*।

संविधान (गोवा, दमन और दियु) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968*।

संविधान (गोवा, दमन और दियु) अनुसूचित जन-जातियां आदेश, 1968*।

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970*।

2. श्री/श्रीमती/*कुमारी

और या *उनका परिवार आम तौर से गांव/*कस्बा

जिला/*मंडल

राज्य/*संघ राज्य क्षेत्र में रहते/
*रहती हैं।

हस्ताक्षर

**पदनाम

स्थान

(कार्यालय की मोहर सहित)

तारीख

राज्य/*संघ राज्य क्षेत्र

नोट :—यहां 'आम तौर से रहते/रहती हैं' शब्दों का अर्थ वही होगा जो रिप्रेजेंटेशन आफ दि पीपुल एक्ट, 1950 की धारा 20 में है।

*जो शब्द लागू न हो, उन्हें कृपया काट दें।

**जाति/जन-जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी।

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/क्लेक्टर/डिप्टी कमिशनर/ऐंजीनियर डिप्टी कमिशनर/डिप्टी क्लर्क/

प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/
सब डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/
एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा कमिश्नर ।

(प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम ओहदे का नहीं)

- (ii) चीफ प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट/ऐडीशनल चीफ प्रेसी-
डेंसी मैजिस्ट्रेट/प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट ।
- (iii) रेवेन्यू अफसर ओहदा जिसका तहसीलवार से कम
न हो ।
- (iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहां उम्मीद-
वार और/या उसका परिवार ग्राम तौर से रहता
हो ।
- (v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलप-
मेंट अफसर (लक्षदीप) ।

परिशिष्ट II

उम्मीदवार-सूचना-पुस्तिका

इस पुस्तिका का उद्देश्य आपको परीक्षा के बारे में अधिक से अधिक जानकारी देना है ताकि आपको परीक्षा के स्वरूप की जानकारी न होने के कारण कोई हानि न पहुंचे ।

उम्मीदवारों को निम्नलिखित चार प्रश्न-पत्रों में से किसी एक को लेने का विकल्प होगा और प्रश्न-पत्र तीन घंटे का होगा । परीक्षा का स्तर इस प्रकार का होगा कि किसी भारतीय विश्व-विद्यालय की एम० बी०बी०एस० डिग्री प्राप्त उम्मीदवार अधिकांश प्रश्नों के उत्तर दे सकें । इसमें निम्नलिखित विषय होंगे ।

- (i) क० ना० क०, नेत्र विज्ञान, व्रण विज्ञान
विकलांग विज्ञान सहित सर्जरी;
- (ii) शिशुरोग विज्ञान सहित सामान्य आर्युविज्ञान ;
- (iii) शिशु कल्याण और परिवार नियोजन सहित
निरोधक आर्युविज्ञान और सामुदायिक स्वास्थ्य;
और
- (iv) प्रसूति विज्ञान और स्त्री रोग विज्ञान ।

परीक्षा का स्वरूप

परीक्षा 'वस्तुपरक' या 'बहु विकल्प उत्तर' प्रकार की होगी । प्रश्न-पुस्तिका में बहुत से प्रश्न छप होंगे । प्रत्येक प्रश्न के सामने दायीं ओर 4 या 5 संभाव्य उत्तर छप होंगे । आपका काम प्रत्येक प्रश्न के लिए एक सर्वोत्तम उत्तर चुनना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए एक और केवल एक उत्तर होगा ।

उत्तर देने की विधि

प्रश्नों के क्रमांक 1, 2, 3, आदि होंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए वैकल्पिक उत्तर 1, 2, 3, 4, आदि के रूप में अंकित होंगे । उत्तर लिखने के लिए आपको अलग से एक उत्तर पत्रक दिया जाएगा । (इस पुस्तिका के अंत में उत्तर पत्रक का नमूना देखिए) । उत्तर पत्रक के ऊपर प्रश्नों के क्रमांक दिए रहेंगे और प्रत्येक संख्या के दायीं

ओर आपके उत्तर के लिये जगह निर्दिष्ट रहेगी । पहले इस बात का निर्णय कीजिए कि प्रत्येक प्रश्न के लिये दिए गए उत्तरों में से कौन सा सही या सर्वोत्तम उत्तर है तब आप उत्तर के लिये निर्दिष्ट जगह में आपने जो उत्तर चुना है उसकी संख्या लिख दें (उदाहरण के लिए, नमूना उत्तर पत्रक पर देखिए) ।

कृपया नोट कर लें कि आपको प्रत्येक प्रश्न के लिये केवल एक ही उत्तर देना है । यदि आप किसी प्रश्न के लिए एक से अधिक उत्तर देते हैं तो उसके लिए आपको कोई अंक नहीं दिया जाएगा चाहे आपके उत्तरों में से एक सही ही क्यों न हो । यदि आप गलत उत्तर देते हैं और अपना उत्तर बदलना चाहते हैं तो गलत उत्तर को पूरा काट दीजिए और साफ-साफ सही उत्तर लिखिए ।

कुछ महत्वपूर्ण नियम

- (i) आप को परीक्षा के आरम्भ होने के निर्धारित समय से 20 मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंच कर तुरंत अपनी सीट पर बैठना होगा । यदि आप समय पर नहीं पहुंचते हैं तो संभव है कि आपको परीक्षा भवन में दिए जाने वाले कुछ अनुदेश सुनने का अवसर न मिले । प्रश्न पुस्तिका और उत्तर पत्रक परीक्षा के आरम्भ होने के निर्धारित समय से कुछ पहले ही दिए जायेंगे ताकि आप उन अनुदेशों को पढ़कर उत्तर पत्रक पर आवश्यक विवरण दे सकें । इसलिये जैसा ऊपर कहा गया है, अगर आप समय पर नहीं पहुंच पाते हैं तो संभव है कि प्रश्नों के उत्तर देने के लिए निर्धारित समय आपको पूरा न मिल पाये ।
- (ii) परीक्षा आरम्भ होने के 30 मिनट बाद किसी को भी परीक्षा भवन में प्रवेश नहीं दिया जाएगा ।
- (iii) परीक्षा आरम्भ होने के बाद 45 मिनट के पहले किसी को भी परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी ।
- (iv) परीक्षा समाप्त होने के बाद प्रश्न-पुस्तिका और उत्तर पत्रक पर्यवेक्षक को सौंप दें । प्रश्न-पुस्तिका को परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है । जो उम्मीदवार इस नियम का पालन नहीं करेंगे, वे दण्ड के पात्र होंगे ।
- (v) उत्तर पत्रक पर दिए गए उपयुक्त स्थान पर अपना अनुक्रमांक, परीक्षा केन्द्र, प्रश्न-पुस्तिका का कोष्ठ नम्बर और क्रमांक साफ-साफ लिखिए । उत्तर-पत्रक पर कहीं भी अपना नाम न लिखें ।
- (vi) परीक्षा कई भागों में विभाजित हो सकती है और प्रत्येक भाग के लिए अलग से अनुदेश दिए जा सकते हैं । अतः प्रश्न पुस्तिका और उत्तर पत्रक पर जो अनुदेश दिए गए हैं उन सबको आप सावधानी से पढ़ लें । चकि मूल्यांकन मशीन से किया जाता है, इसलिए अगर आप अनुदेशों का सावधानी से पालन नहीं करेंगे तो आपके नम्बर कम हो सकते हैं । उत्तर पत्रक

पर कोई भी प्रविष्टि संविध हो तो उसके लिए आप को कोई नम्बर नहीं मिलेगा।

पर्यवेक्षक के द्वारा दिए गए अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक आपको किसी परीक्षा या परीक्षा के किसी खंड को आरम्भ करने या समाप्त करने को कहे तो आपको उनके अनुदेशों का तुरंत पालन करना होगा।

- (vii) अपना प्रवेश प्रमाण-पत्र साथ लाएं। साथ ही एक पेंसिल और एक नीली या काली स्थायी वाली कलम भी लाएं। आपको कागज का कोई टुकड़ा या रही कागज, पैमाना या ड्राइंग की सामग्री परीक्षा भवन में लाने की अनुमति नहीं दी जाएगी क्योंकि उनकी आवश्यकता नहीं पड़ेगी। कच्चे काम के लिए उत्तर पत्रक पर ही जगह दी गई है। उत्तर स्थायी से लिखिए, पेंसिल से नहीं।

कुछ उपयोगी संकेत

यद्यपि इस परीक्षा में गति की अपेक्षा शुद्धता पर अधिक बल दिया जाता है, फिर भी आपके लिए यह महत्वपूर्ण है कि आप, जहां संभव हो, कम से कम समय लें। आप लापरवाही के बिना और सन्तुलन के साथ जल्द से जल्द आगे बढ़ें। यदि आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे सकते हैं तो परेशान न हों। जो प्रश्न आपको बहुत कठिन लगें, उन पर ज्यादा समय न लगाएं। बाकी प्रश्नों को पहले करें और कठिन प्रश्नों को बाद में।

प्रत्येक प्रश्न के लिए सम्भाव्य उत्तर दिए गए हैं। इसलिए हो सकता है कि जिन प्रश्नों के उत्तर आपको ठीक ठीक मालूम नहीं हैं, उनका अनुमान लगाने के लिए आप सोचने लग जाएं। पहले उन प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास करें जिन के बारे में आप निश्चित हों। यदि आप किसी प्रश्न के बारे में कुछ नहीं जानते हैं तो उसे खाली छोड़ देना ठीक रहेगा। ऐसे प्रश्नों को छोड़ने से आपको अच्छे अंक मिल जाएंगे बनिस्वत इसके कि आप शून्य में अनुमान लगाने लेंगे। किन्तु जहां आप विवेकपूर्ण अनुमान लगाने भर की जानकारी रखते हों, वहां आप ऐसा कर सकते हैं।

ये प्रश्न आपकी जानकारी, सूक्ष्म-बुद्धि और विश्लेषिक योग्यता का अनुमान लगाने के लिए बनाए गए हैं, न कि यादाश्त का पता लगाने के लिए। यदि आप संगत विषयों को सरसरी निगाह से देख लें तो लाभदायक होगा और आप आश्चर्य हो जाएंगे कि आप संबंध विषय को अच्छी तरह समझते हैं।

परिशिष्ट III

केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के अधीन कनिष्ठ वेंतनमान पदों के संक्षिप्त विवरण

(क) उम्मीदवारों को कनिष्ठ ग्रुप 'क' वेंतनमान में नियुक्त किया जाएगा और नियुक्ति की तारीख से दो वर्ष

की अवधि तक वे परीक्षा के अधीन रहेंगे। यह अवधि सक्षम प्राधिकारी के निर्णय पर घटाई या बढ़ाई जा सकती है। परीक्षा की अवधि की संतोषजनक समाप्ति के बाद उनको यथासमय कनिष्ठ वेंतनमान (रु० 700-1300) में स्थायी बनाया जाएगा।

(ख) उम्मीदवारों को केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा में सम्मिलित किसी भी संगठन के अधीन किसी भी औषधालय या अस्पताल में भारत में कहीं भी नियुक्त किया जा सकता है, अर्थात्, दिल्ली, बंगलौर, बम्बई, मेरठ आदि में पालू के० स० स्वा० से०, कोयला खान/माइका खान श्रम कल्याण संगठन, असम राइफल्स, अरुणाचल प्रदेश, लक्षद्वीप, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, डाक तार विभाग आदि। प्रयोगशाला और परामर्श सेवा सहित किसी भी प्रकार की निजी प्रैक्टिस निषिद्ध है।

(ग) निम्नलिखित वेंतनमान प्राप्य हैं :—

कनिष्ठ ग्रुप 'क' वेंतनमान

परिशोधित वेंतनमान रु० 700-40-900 द० रो०-40-1100-50-1300।

1—5 स्टेज	ग्रे० नि० भ० रु० 150 प्र० मा०
6—10 स्टेज	रु० 200 प्र० मा०
11वीं स्टेज से आगे	रु० 250 प्र० मा०

जो अधिकारी कनिष्ठ वेंतनमान में कम से कम पांच वर्ष की सेवा पूरी करते हों, वे वरिष्ठ वेंतनमान में पदोन्नति के पात्र होंगे। वरिष्ठ वेंतनमान ग्रुप 'क'

परिशोधित वेंतनमान :	रु० 1100-50-1600।
	ग्रे० नि० भ०
1 से 3 स्टेज तक	रु० 250 प्र० मा०
4 से 5 स्टेज तक	रु० 300 प्र० मा०
6 से 7 स्टेज तक	रु० 350 प्र० मा०
8 से 9 स्टेज तक	रु० 400 प्र० मा०
10 से 11 स्टेज तक	रु० 450 प्र० मा०

जो अधिकारी वरिष्ठ वेंतनमान में दो वर्ष की सेवा पूरी करते हैं और स्नातकोत्तर योग्यता रखते हैं, उनको रु० 1100-1800 वेंतनमान में गैरशिक्षण संस्थाओं में, विशेषज्ञों के ग्रेड-II में, 25 ०/० रिक्तियों में, पदोन्नति करने पर विचार किया जाएगा।

वरिष्ठ वेंतनमान में 5 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले अधिकारी रु० 1500-2000 के वेंतनमान में सुपर टाइटम ग्रेड-II में नियुक्ति के पात्र हो जाएंगे बशर्ते कि उम्मीदवारों के पास स्नातकोत्तर योग्यताओं के साथ आवश्यक योग्यताएं हों।

विशेषज्ञों का ग्रेड II

परिशोधित वेतनमान : रु० 1100-50-1500-द० रो०-60-1800

	ग्रे० नि० भ०
1 से 3 स्टेज तक	रु० 300 प्र० मा०
4 से 6 स्टेज तक	रु० 350 प्र० मा०
7 से 9 स्टेज तक	रु० 400 प्र० मा०
10 से 12 स्टेज तक	रु० 450 प्र० मा०
13 से 14 स्टेज तक	रु० 500 प्र० मा०

विशेषज्ञों के ग्रेड-II में आठ वर्ष की सेवा पूरी करने वाले और आवश्यक योग्यताओं से युक्त अधिकारी पदोन्नति पर भरी जाने वाली 50 रिक्तियों में विशेषज्ञों के ग्रेड-I में पदोन्नति के लिए विचारक्षेत्र में आते हैं।

विशेषज्ञों का ग्रेड-I

परिशोधित वेतनमान—रु० 1800-100-2000-125/2-2250 ग्रे० नि० भ०—रु० 600 प्र० मा० ।

सुपर टाइम ग्रेड-II

परिशोधित वेतनमान—रु० 1500-60-1800-100-2000 ।
ग्रे० नि० भ०—रु० 600 प्र० मा० ।

विशेषज्ञों के ग्रेड-I या सुपर टाइम ग्रेड-II के पदधारी अधिकारी नियमित रूप से इन में से किसी भी ग्रेड में छह वर्ष की सेवा पूरी करने पर सुपर टाइम ग्रेड-I स्तर-II पर पदोन्नति के विचार क्षेत्र में आते हैं।

सुपर टाइम ग्रेड-I स्तर-II

परिशोधित वेतनमान—रु० 2250-125/2-2500 ।

ग्रे० नि० भ०—रु० 600 प्र० मा० ।

सुपर टाइम ग्रेड-I स्तर-I

परिशोधित वेतनमान—रु० 2500-125/2-2750 ।

ग्रे० नि० भ०—रु० 600 प्र० मा० ।

सुपर टाइम ग्रेड-I स्तर-I की रिक्तियों को उन्हीं अधिकारियों से भरा जाएगा जो सुपर टाइम ग्रेड-I स्तर-में दो वर्ष की सेवा पूरी कर चुके हों। अगर यह संभव नहीं हुआ तो सुपर टाइम ग्रेड-I स्तर-II और विशेषज्ञों के ग्रेड-I सुपर टाइम ग्रेड-II में कुल मिलाकर 8 वर्ष की सेवा से युक्त या वह भी संभव नहीं हुआ तो विशेषज्ञों के ग्रेड-I और सुपर टाइम ग्रेड-II में से किसी भी ग्रेड में आठ वर्ष की सेवा से युक्त अधिकारियों से भरा जाएगा।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 2nd December 1977

No. A. 12025/1/77-Admn. II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri Mohinder Kumar Bhalla, an Assistant Director of the Computer Centre, Department of Statistics, Ministry of Planning to the temporary post of Programmer in the office of Union Public Service Commission with effect from the after-noon of the 21st November, 1977, until further orders.

P. N. MUKHERJEE

Under Secretary

for Chairman

New Delhi-110011, the 12th December 1977

No. A. 32013/1/77-Admn. I.—The President is pleased to appoint Shri L. B. Sinate, a permanent officer of the Section Officer's Grade of the CSS cadre of Union Public Service Commission, to officiate in Grade I of the CSS as Under Secretary for 3 months w.e.f. 22-10-77 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE

Under Secretary

Union Public Service Commission

ENFORCEMENT DIRECTORATE

FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi, the 28 November, 1977

No. A-11/26/77—The following Asstt. Enforcement Officers have been appointed to officiate as Enforcement Officers on ad-hoc basis with effect from the dates of their assumption of charge and until further orders.

Their places of postings and dates of assumption of charge are indicated against each :—

S.No.	Name	Place of posting	Date of assumption of charge
1.	Shri K.V. Kuruvilla	Bombay	7-11-77
2.	Mrs. Mary Kutty Thomas	H. Qrs.	31-10-77

J. N. ARORA, Deputy Director (Admn)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL, C.R.P. FORCE,

New Delhi-110001, the 19th December, 1977

No. P. VII-6/76-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion on ad-hoc basis, the following Dy. Ss. P. (Coy. Comdr./Quarter Master) as Assistant Commandant in the C.R.P.F. until further orders.

2. Their posting and the dates of handing/taking over charge are indicated against each:—

Sl. No.	Name of the officer	Rank and unit of handing over charge	Date of handing over charge	Rank and unit of taking over charge	Date of taking over charge
1.	Shri Ganesh Kumar	Asstt. Principal 2 RTC, CRPF Avadi.	23-7-77 (AN)	Asstt. Comdt. 41st Bn. CRPF.	27-7-77 (FN)
2.	Shri R.N. Sharda	Dy. S. P. G.C., CRPF New Delhi.	6-7-77(FN)	Asstt. Comdt. 54th Bn. CRPF.	6-7-77 (FN)
3.	Shri Jasbir Singh	Dy. S.P. 26th Bn., CRPF	20-7-77 (FN)	Asstt. Comdt. 49th Bn. CRPF.	24-7-77 (FN)
4.	Shri Balram Singh Negi	Sub. Area Organiser V.V.F. Manipur	15-9-77 (FN)	Asstt. Comdt. 7th Bn. CRPF.	17-9-77 (FN)

A. K. BANDYOPADHYAY, Assistant Director (Admn.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 17th December 1977

No. P/K(71)-Ad. I.—Shri Daniel Kent will relinquish charge of the office of Director of Census Operations, Nagaland, held by him in ex-officio capacity, on the forenoon of 2, January 1978.

The 19th December 1977

No. 11/5/77-Ad. I.—In continuation of this office notification of even number dated 9 September, 1977, the President

is pleased to extend the *ad-hoc* appointment of Shri B. Satyanarayana in the post of Assistant Director of Census Operations (Technical), in the office of the Director of Census Operations, Karnataka, at Bangalore, for a further period of three months with effect from 1-10-1977 to 31-12-1977, or till the post is filled on a regular basis, whichever period is shorter.

The headquarters of Shri Satyanarayana will continue to be at Bangalore.

P. PADMANABHA
Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE
(DEPTT. OF E.A.)

INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 15th December 1977

No. 1624/A.—The undersigned is pleased to appoint Shri B. T. Deo, Pay & Accounts Officer, India Security Press, Nasik Road, as Administrative Officer, India Security Press on deputation with effect from the forenoon of 10th December, 1977 until further orders. The terms and conditions of his deputation will be notified later.

The 16th December 1977

No. 1656/A.—In continuation of Notification No. 1880/A dated 24-3-1977, the *ad hoc* appointment of Shri V. V. Bapat as Asstt. Controller of Stamps, India Security Press, Nasik Road is further extended upto 6th December, 1977 F.N.

Shri V. V. Bapat has been appointed as Asstt. Controller of Stamps, India Security Press, Nasik Road, on a regular officiating basis with effect from 6th December, 1977 F.N.

D. C. MUKHERJEA
General Manager

SECURITY PAPER MILL : HOSHANGABAD

Hoshangabad, the 12th December 1977

PF. No. PD/1/7296.—Shri P. P. Sharma, Foreman (Production) is appointed on an *ad hoc* basis with effect from 1-12-1977 (F.N.) to officiate as Assistant Works Manager in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200. The *ad hoc* appointment will not set up any "a priori" claim of Shri P. P. Sharma to promotions as Assistant Works Manager which will be made as per the rules on the subject.

S. R. PATHAK
Project Officer

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 19th December 1977

No. Admn. 1/PF/R. K. Anand/O.O. 546/1904.—Consequent on attaining the age of Superannuation, Shri R. K. Anand, a Permanent Accounts Officer (officiating as Temporary Assistant Accountant General) of this office, has retired from Government Service in the afternoon of 30th November, 1977.

His date of birth is 8-11-1919.

K. H. CHHAYA
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 13th December 1977

No. 18150/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri D. N. Neogy, Deputy Controller of Defence Accounts will be transferred to the Pension Establishment and struck off the strength of the Department with effect from 31-5-1978 (AN).

No. 18179/AN-II.—Having been permitted to retire voluntarily, Shri S. Krishnamurthi, an officer of the Indian Defence Accounts Service (on deputation to the Madras Atomic Power Project, Kalpakkam) has been transferred to the Pension Establishment and struck off the strength of the Department from 4-10-1977 (AN).

No. 18276/AN-II.—Having been permitted to retire from service voluntarily, Shri R. S. D. Gulati, Assistant Controller of Defence Accounts, will be transferred to the Pension Establishment and struck off the strength of the Department from 23-12-1977 (AN).

2. Shri Gulati has been granted Leave Pending Retirement with effect from 11-11-1977 to 23-12-1977.

No. 18333/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri A. Sourirajan, Assistant Controller of Defence Accounts, will be transferred to the Pension Establishment and struck off the strength of the Department with effect from 31-5-1978 (AN).

No. 18347/AN-II.—Having been permitted to retire from service voluntarily, Shri K. B. Sharma, Assistant Controller of Defence Accounts, has been transferred to the Pension Establishment and struck off the strength of the Department from the afternoon of 11-7-1977.

No. 18178/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri R. R. Roy, an officer in the Indian Defence Accounts Service, was transferred to the Pension Establishment and struck off the strength of the Department from the afternoon of 30th November, 1977.

No. 18291/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri S. Ganesan, Assistant Controller of Defence Accounts, will be transferred to the Pension Establishment and struck off the strength of the Department on 30-4-1978 (AN).

No. 18292/AN-II.—On attaining the age of 58 years Shri P. Ramamurthi, Assistant Controller of Defence Accounts will be transferred to the Pension Establishment and struck off the strength of the Department with effect from 31-5-78 (AN).

V. S. BHIR

Addl. Cont. Genl. of Defence Accounts

MINISTRY OF DEFENCE
D.G.O.F. HQrs. CIVIL SERVICE
DIRECTORATE GENERAL, ORDINANCE FACTORIES
Calcutta, the 8th December 1977

No. 82/77/G.—On attaining the age of superannuation, Shri Sudhansu Sekhar Das, Offg. ASO/Subst. & Permt. Asstt. retired from Service with effect from 30-11-77 (A.N.).

No. 83/77/G.—The DGOF is pleased to promote the following permanent Assistants to the grade of Assistant Staff Officer (Class II Gazetted) in Offg. capacity on ad-hoc basis for the periods shown against each :

	From	To
1. Shri Sudhansu Sekhar Das	28-5-77	31-8-77
	From 1-11-77 until further orders.	
2. Shri Satyendra Nath Sarkar	6-6-77	30-9-77
	From 1-11-77 until further orders.	

D. P. CHAKRAVARTI
ADG/Admin. II
for Director General, Ordnance Factories

Calcutta, the 16th December, 1977

No. 76/77/G.—The President is pleased to confirm the following Officers in the grade of TSO/

Assit. Manager with effect from the dates shown against each :

ENGINEER

- | | | | |
|--|-----------------|---|------------------|
| 1. Shri B. N. Mukherjee,
Temp. AM | 28th Dec. 1974 | 29. Shri S. K. Dua, AM(OP) | Ist Dec. 1975 |
| 2. Shri Babul Ch. Biswas,
Offg. DM | Ist. Dec. 1975 | 30. Shri A. K. Grover,
Offg. DM | 6th Feb. 1976 |
| 3. Shri J.A. Desai
Offg. DM | Ist. Dec. 1975 | 31. Shri D.N. Dutta, Offg DM | 7th Feb. 1976 |
| 4. Shri B.S. Bhatia, Offg. DM | Ist. Dec. 1975 | 32. Shri C.K. Mehta, Offg. DM | Ist Dec. 1975 |
| 5. Shri K. M. Ravi Kumar
Nair, Offg. DADGOF | 22nd Jan. 1976. | 33. Shri D. Ramesh Kumar,
Offg. DM | Ist Dec. 1975 |
| 6. Shri K.M.G. Nair,
Offg. AM (Retd.) | 22nd Jan. 1976 | 34. Shri S. Deb, Offg. DM
(Retd.) | 7th Feb. 1976 |
| 7. Shri Ajit M. Naik,
Offg. DM | 7th Feb. 1976 | 35. Shri S.C. Gupta, Offg. DM | 9th Feb. 1976 |
| 8. Shri Ramesh Chandra,
Offg. DM | Ist Dec., 1975 | 36. Shri J.K. Agarwal,
Offg. DM | 25th May, 1976 |
| 9. Shri Harnam Singh,
Offg. DM | Ist Dec., 1975 | 37. Shri G.K. Ranade,
Offg. DM | 25th May, 1976 |
| 10. Shri V.S. Verma, AM(OP) | Ist Dec. 1975 | 38. Shri A.K. Lamba, Offg.
DM | Ist. Dec. 1975 |
| 11. Shri Sukumar Bose,
Offg. DM | 22nd Jan., 1976 | 39. Shri U.M. Prabhu Deasi,
Offg. DM | 11th Jan. 1976 |
| 12. Shri S. K. Sharma,
Offg. DM | Ist Dec., 1975 | 40. Shri K.D. Sanyal,
Offg. DM | 25th May, 1976 |
| 13. Shri G.V. Sivakumar,
Offg. DM | 18th Dec. 1975 | 41. Shri M.S. Gopalaswamy,
Offg. DM | Ist Dec. 1975 |
| 14. Shri J. Y. Mulla,
Offg. DM | 22nd Jan. 1976 | 42. Shri Satya Pal, Offg. DM | Ist Dec. 1975 |
| 15. Shri Surendra Kumar,
Offg. DM | Ist Dec. 1975 | 43. Shri S. Ravi, Offg. DM | Ist Dec. 1975 |
| 16. Shri V. K. Bhasin,
AM(OP) | Ist Dec. 1975 | 44. Shri Ramawar Agrawal,
AM(OP) | 24th Jan. 1976 |
| 17. Shri A.K. Dey, Offg. DM
(Expired) | 22nd Jan. 1976 | 45. Shri M.N. Putatunda,
Offg. DM | 29th Dec. 1975 |
| 18. Shri U.N. Singh, Offg. DM | Ist. Dec. 1975 | 46. Shri S. Sen Offg. DM | 25th May, 1976 |
| 19. Shri K. Chandran,
Offg. DM | Ist. Dec. 1975 | 47. Shri M.R. Ghai, Offg. DM | Ist. Dec. 1975 |
| 20. Shri K. Loganathan,
Offg. DM | 22nd Jan. 1976 | 48. Shri H.L. Kapur,
Offg. DM | Ist Dec. 1975 |
| 21. Shri Rajnish Kumar,
AM(OP) | Ist Dec. 1975 | 49. Shri C. Jacobi, Offg. DM | 25th May, 1976 |
| 22. Shri Suresh Chandra,
Offg. DM | Ist. Dec. 1975 | 50. Shri Subhas Chander,
Offg. DM | 30th May, 1976 |
| 23. Shri J. K. Naha,
Offg. AM(Retd.) | 22nd Jan. 1976 | 51. Shri Ajoy Shankar,
Offg. DM | Ist Feb. 1976 |
| 24. Shri M. K. Sanyal,
Offg. DM | Ist Dec. 1975 | 52. Shri S. Chandra Sekhar,
Offg. DM | 21st March, 1976 |
| 25. Shri M. S. Jayaprakash,
Offg. DM | 7th Feb. 1976 | 53. Shri A. K. Agarwal,
Offg. DM | 30th Dec. 1975 |
| 26. Shri M. M. Konar,
Offg. DADGOF | 7th Feb. 1976 | 54. Shri A. K. Bose,
Offg. DM | 25th May, 1976 |
| 27. Shri Murlidhar Singh,
Offg. DM | Ist Dec. 1975 | 55. Shri U.D. Prabhu,
AM(OP) | Ist Dec. 1975 |
| 28. Shri C.S. Sivakumar,
Offg. AM | Ist Dec. 1975 | 56. Shri R.K. Dhingra,
AM (OP) | Ist Dec. 1974 |
| | | 57. Shri S. K. Sahoo,
AM (OP) | Ist Dec. 1975 |
| | | 58. Shri Hem Raj Nahar,
AM(OP) | Ist. Dec. 1975 |
| | | 59. Shri Ram Kishan,
AM(OP) | Ist Dec. 1975 |
| | | 60. Shri U.K. Das, Offg. AM | 25th May, 1976 |
| | | 61. Shri M.D. Kandewal,
Tempy. AM | 25th May, 1976 |

62. Shri Bal Bhushan, Tempy. AM . . . 25th May, 1976
63. Shri H.N. Mitra, Offg. AM (Retd.) . . . 25th May, 1976
64. Shri S.S.R. Zaidi, Tempy. AM . . . 25th May, 1976
65. Shri S.R. Chatterjee, Offg. AM . . . 25th May, 1976
66. Shri V.H. Iyer, Tempy. AM . . . 25th May, 1976
CHEMIST
1. Shri A.N. Saha, Tempy. TSO (Retd.) . . . Ist. Sept. 1974
2. Shri B.V. Sharma, Offg. DM . . . 10th April, 1976
3. Dr. N.V. Muraleedharan, Offg. DM . . . 21st March, 1976
4. Dr. P. N. Chavraborty, Offg. DM . . . Ist March, 1976
5. Shri Milan Kumar Ghosh Offg. DM . . . 29th March, 1976
6. Shri P. S. Somasundaram, Offg. AM (Retd.) . . . 29th March, 1976
7. Shri A.K. Biswas, Offg. DM . . . 10th April, 1976
8. Shri A.K. Mukhopadhyay, Offg. DM . . . 29th March, 1976
9. Shri K. Viswanathan, Offg. DM . . . 29th March, 1976
10. Shri R.P. Sharma, AM(OP) . . . 19th Feb. 1976
11. Shri Munni Lal, Offg. DM . . . 22nd March, 1976
12. Shri Bendict Minj, Offg. DM . . . 20th Feb. 1976
13. Shri M. K. Menon, Offg. DM(Retd.) . . . 29th March, 1976
14. Shri B.S. Shiroom, AM(OP) . . . 4th April, 1976
15. Dr. V.N. Singh, AM(OP) . . . 30th Oct., 1976
16. Dr. Deb Ranjan Misra, AM(OP) . . . 7th Feb., 1977
17. Shri R. Krishnan, AM (OP) . . . 28th Sept., 1976
18. Shri S. Ramamurthy, AM (OP) . . . 12th Oct. 1976
19. Shri Harjit Singh, AM (OP) . . . 6th July, 1977
METALLURGIST
1. Shri H.P. Gautam, Offg. DM . . . 10th Oct. 1976
2. Shri A.K. Banga, AM (OP) . . . 13th April, 1975

3. Shri Tapan Kumar Basu, AM(OP) . . . 11th July, 1975
4. Shri K.P. Roy, Offg. DM . . . 11th July, 1975
5. Shri P. Sahoo, Offg. DM . . . 21st July, 1975
6. Shri Sudershan Kumar, Offg. DM . . . Ist. June, 1975
7. Shri B.K. Ghosh, Offg. DM (Retd.) . . . 11th July, 1975
8. Shri O.P. Chug, AM(OP) . . . 19th June, 1975
9. Shri Tapan Kumar Basu, AM(OP) . . . 30th March, 1975
10. Shri R.K. Bose, Offg. DM (Retd.) . . . 11th July, 1975
11. Shri H.B. Singh, AM(OP) . . . 5th March, 1976
12. Shri J.C. Saha, AM(OP) . . . 30th March, 1976
13. Shri B.B. Singh, AM(OP) . . . Ist Feb. 1976

NON-TECHNICAL

1. Smt. Saroj Vinayak, Offg. DM . . . Ist. Jan., 1975
2. Shri Arobinda Nandi, Offg. DM . . . 21st Dec., 1974
3. Shri Amarjeet Singh, Offg. DM . . . 2nd Jan., 1975
4. Shri K.C. Kumra, Offg. DM . . . 2nd Jan., 1975
5. Shri R.P. Pande, Offg. DM . . . Ist. Jan., 1975
6. Shri S.N. Kaul, Offg. DM . . . 2nd Jan., 1975
7. Shri S.S. Saxena, Offg. AM (OP) . . . 27th Dec., 1974
8. Shri A. Subramanyam, AM(OP) . . . 2nd Jan., 1975
9. Shri Ratan Prakash, AM(OP) . . . 30th Dec, 1974
10. Smt. Minakshi Seth, AM (OP) . . . 9th Aug, 1975
11. Shri N. Chandran, Offg. DM (Retd.) . . . 9th Aug., 1975
12. Shri H. K. Narula, AM(OP) . . . 9th Aug., 1975
13. Shri Gopalan Malik, AM(OP) . . . 8th Jan., 1976
14. Shri S.N. Sarkar, AM (OP) . . . Ist Jan., 1976

PSYCHOLOGIST

1. Shri E.N. Radhakrishnan, Offg. DM . . . 2nd Jan., 1975

LEATHER TECHNOLOGIST

1. Shri Baldeo Krishna, Offg. DM . . . 2nd Jan., 1975

M. P. R. PILLAI,
Asstt. Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF LABOUR

COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Dhanbad, the 16th December 1977

No. Adm. 12(5)77.—Shri P. R. Joardar, a permanent Jr. Engineer of the Coal Mines Welfare Organisation is appointed as Assistant Engineer on *ad-hoc* basis with effect from 10-10-77 (F/N) and posted under Executive Engineer, Welfare Works, Division No. 1, Dhanbad.

Shri P. K. Ghosh, appointed as Assistant Engineer on *ad-hoc* basis with effect from 23-11-76 (F.N.) *vide* notification issued under this office memo No. Adm. 12(4)76 dated 17-1-77 stands reverted with effect from 10-10-77 (F.N.) i.e. the date on which Sri Joardar has reported for duty.

H. H. QURASHY

Addl. Coal Mines Welfare Commissioner

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 17th December 1977

No. Est. I-2(387).—Shri Y. L. N. Achar, Director (Economics) in the Office of the Textile Commissioner, Bombay, retired from service with effect from the afternoon of the 31st October, 1977, on attaining the age of superannuation.

M. C. SUBARNA

Textile Commissioner

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 14th December 1977

No. 12(9)/61-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Shri S. C. Sharma, Assistant Director (Gr. I) (IMT) in the Branch Small Industries Service Institute, Bhiwani as Deputy Director (IMT) on *ad hoc* basis w.e.f. 3-10-77 until further orders.

2. Consequent upon his appointment Shri S. C. Sharma relinquished charge of the post of Assistant Director (Gr. I) (IMT) in the Branch Small Industries Service Institute, Bhiwani w.e.f. the forenoon of 3-10-77 and assumed charge of the post of Deputy Director (IMT) in the same office w.e.f. the forenoon of 3-10-77.

No. 12(31)/61-Admn. (G).—The President is pleased to permit Shri C. Sankaran, Assistant Director (Gr. I) (L/F) in the Office of the Central Footwear Training Centre, Madras under the Small Industries Service Institute, Madras to retire from the Government Service w.e.f. the afternoon of 30th September, 1977 on his attaining the age of superannuation.

No. A-19018(290)/77-Admn. (G).—On the recommendations of the U.P.S.C. the President is pleased to appoint Shri Pradip Kumar Chaudhury as Deputy Director (Chem.) in the Small Industry Development Organisation with effect from the forenoon of 1st November, 1977 and until further orders.

2. Consequent on his appointment Shri P. K. Chaudhury has assumed charge of the post of Deputy Director (Chemical) in Regional Testing Centre, Calcutta with effect from the forenoon of 1st November, 1977.

V. VENKATRAYULU

Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 17th December 1977

No. A-1/1(335).—Shri N. K. Saha, permanent Assistant Director (Grade II) and officiating Deputy Director (Grade

II of Indian Supply Service) in the office of the Director of Supplies & Disposals, Calcutta retired from Government service on the afternoon of 30-11-77 on attaining the age of superannuation (58 years).

SURYA PRAKASHI

Deputy Director (Administration)

for Director General, Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES

DEPARTMENT OF MINES

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 16th December 1977

No. A. 19012(101)/77-Estt. A.—Shri S. B. Gaidhani, Senior Technical Assistant (Ore Dressing), Indian Bureau of Mines, is appointed to officiate as Assistant Research Officer (Ore Dressing) in the Indian Bureau of Mines, in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- with effect from the forenoon of 18th November, 1977, until further orders.

L. C. RANDHIR

Head of Office

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 16th December 1977

No. 4(23)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Laxman Prasad Mandarwal as Programme Executive, All India Radio, Rewa in a temporary capacity with effect from 27th October, 1977 and until further orders.

No. 4(75)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Satyendra Nath Ganguly as Programme Executive, All India Radio, Imphal in a temporary capacity with effect from the after-noon of 19th November, 1977 and until further orders.

N. K. BHARDWAJ

Deputy Director of Administration

for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
(FILMS DIVISION)

Bombay-26, the 12th December 1977

No. 6/64/57-Est. I.—The Chief Producer, Films Division has appointed Smt. P. Gopalakrishnan, Permanent Asstt. Background Artist and Officiating Background Artist, Films Division, Bombay to officiate as Layout-cum-Background Artist in the Films Division, New Delhi with effect from the forenoon of the 23rd November 1977 until further orders.

M. CHANDRAN NAIR

Asstt. Administrative Officer

for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES
(DRUGS SECTION)

New Delhi, the 16th December 1977

No. A. 44014/3/77-D.—Consequent upon his transfer from the post of Technical Officer, Central Drugs Standard Control Orgn., Santa Cruz Airport, Bombay, Shri C. S. Chavan assumed charge of the post of Technical Officer, Central Drugs Standard Control Orgn., Customs House, Cochin, on the after-noon of the 30th November, 1977.

R. BALASUBRAMANYAN

Deputy Drugs Controller (India)

for Director General of Health Services

New Delhi, the 17th December 1977

No. A. 12026/1/77-DC.—The President is pleased to appoint Dr. M. K. Majumdar, Bacteriologist, Central Drugs Laboratory, Calcutta, to the post of Deputy Director (Training) in the same laboratory with effect from the afternoon of 31st October, 1977 until further orders.

Dr. M. K. Majumdar relinquished charge of the post of Bacteriologist, Central Drugs Laboratory, Calcutta on the same day.

The 19th December 1977

No. A. 12026/25/77-Admn. I.—The President is pleased to appoint Dr. S. K. Suri in the post of Junior Staff Surgeon (Dental) (CGHS) with effect from the forenoon of 18th October, 1977, on an *ad-hoc* basis and until further orders.

Consequent on his promotion to the post of Junior Staff Surgeon (Dental) (C.G.H.S.), Dr. S. K. Suri relinquished charge of the post of Dental Surgeon (Dental) (C.G.H.S.) on the forenoon of 18th October, 1977.

S. L. KUTHIALA
Dy. Director Administration

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION
CENTRAL INSTITUTE OF FISHERIES EDUCATION

Bombay-58, the 14th December 1977

No. 1-15/77/Estb./8608.—The Director, Central Institute of Fisheries Education, Bombay is pleased to appoint Shri L. N. Vohra as Senior Demonstrator (Fisheries Biology) at the Central Institute of Fisheries Education, Bombay in a temporary capacity with effect from the forenoon of 17th August, 1977 and until further orders.

Sd./- ILLEGIBLE
Director

DEPTT. OF RURAL DEVELOPMENT
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 14th December 1977

No. F. 4-5(87)/77-A. III.—Shri A. C. Guin, Assistant Marketing Officer has been appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) in the Directorate of Marketing & Inspection at Surat w.e.f. 21-11-77 (F.N.) on purely short term basis for a period not exceeding 3 months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

2. On his appointment as Marketing Officer, Shri Guin relinquished charge of the post of Assistant marketing Officer (Group I) at Gauhati in the after-noon of 14-11-1977.

Bombay 400085, the 13th October 1977

Ref. No. 5/1/77/Est. II/4346—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to officiate on an *ad-hoc* basis as Administrative Officer II/ Asstt. Personnel Officer for the period shown against their names :—

Sr.	Name & Designation	Appointed to officiate as	Period		Remarks
			From	To	
1.	Shri S.R. Dongre A.P.O.	Admn. Officer II	2-5-77	18-6-77	Vice Shri P. S. Venkata Subramanian, AO II appointed to officiate as D.E.O.
2.	Shri B.C. Pal A.P.O.	Admn. Officer II	16-5-77	24-6-77	Vice Shri N. L. Venkateswaran, A O II appointed to officiate as D.E.O.
3.	Shri R. Lakshmi-narayanan, Asstt.	A.P.O.	2-5-77	18-6-77	Vice Shri S.R. Dongre, APO appointed to officiate as AO II

No. F. 4-5(90)/77-A. III.—Shri S. P. Bhasin, Assistant Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) on purely short term basis at Abohar (Punjab) with effect from 2-11-77 (F.N.), for a period not exceeding 3 months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

2. On his promotion as Marketing Officer, Shri Bhasin relinquished charge of the post of Assistant Marketing Officer at Chandigarh in the afternoon of 31-10-77.

No. F. 4-6(126)/77-A. III.—On the recommendations of the U.P.S.C., Shri Mohd. Nazmul Haque has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group-II) in this Directorate at Calcutta with effect from the 16th November, 1977 (F.N.), until further orders.

No. F. 4-13(6)/77-A. III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri A. K. Srivastava, has been appointed to officiate as Statistical Officer in the Directorate of Marketing and Inspection at Faridabad with effect from the 1st December, 1977 (Fore-noon), until further orders.

The 17th December 1977

No. F. 4-13(20)/76-A. III.—On his being permanently absorbed in Mineral Exploration Corporation Limited as Public Relations Officer, Sh. Mohinder Singh, permanent Editor of this Directorate, retired from Central Govt. Service with effect from the afternoon of 31-3-77.

V. P. CHAWLA
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
PERSONNEL DIVISION

Bombay-85, the 24th October 1977

No. M/1968/Estt. II/4505.—On transfer from the Rajasthan Atomic Power Project, Shri Minnanghat Mukundan, a permanent Selection Grade Clerk and officiating Asstt. Personnel Officer in that Project is appointed as an officer in the Asstt. Administrative Officer's Grade (Rs. 650—960) in the Bhabha Atomic Research Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of October 15, 1977 until further orders.

S. RANGANATHAN
Dy. Establishment Officer
For Controller

The 1st September 1977

Ref. 5/1/77/Estt. II/4174.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri K. Damodaran, Stenographer (Sr.) to officiate as Assistant Personnel Officer in this Research Centre with effect from 15-6-77 to 28-7-77.

The 12th September 1977

Ref. 5/1/77/Estt. II/3940.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri P. Sivam, Assistant Security Officer to officiate as Security Officer in this Research

Centre with effect from 30-6-77 to 26-8-77 *vice* Shri T. V. Rajan, Security Officer granted leave.

The 13th September 1977

Ref. M/446/Est II/3951.—Shri H. J. Majumdar, a permanent Upper Division Clerk who was officiating as Assistant Personnel Officer, in the Bhabha Atomic Research Centre retired from Government service with effect from the afternoon of the 31st August, 1977 on attaining the age of superannuation *viz.* 58 years.

The 17th September 1977

Ref: No. 5/1/77/Estt. II/3999.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to officiate as Assistant Personnel Officer for the period shown against their names :—

Sr. No.	Name & Designation	Period		Remarks
		From	To	
1.	Shri P. T. George, Assistant	23-5-77	2-7-77	Vice Shri G. Rajagopalan APO granted leave.
2.	Shri U. R. Menon, Assistant	26-5-77	5-7-77	Vice Shri S. K. Kapur, APO granted leave.

The 20th September 1977

Ref. R/185/Estt. II/4022.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre has accepted the resignation of Smt. Rajalakshmy Subramanian, permanent Assistant Personnel Officer, with effect from forenoon of July 23, 1977. The period of her absence from 25-1-1977 to 22-7-1977 (AN) is treated as dies-non.

The 27th September 1977

Ref. 5/1/77/Estt. II/4103.—The Controller Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri R. G. Masurkar a permanent Asstt. Accountant and officiating Asstt. Accounts Officer to officiate as Accounts Officer II in this Research Centre on an *ad hoc* basis for the period from the forenoon of May 2, 1977 to the afternoon of June 18, 1977 *vice* Shri K. Venkatachalam promoted as Accounts Officer III.

S. K. KAPUR

Dy. Establishment Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400001, the 28th November 1977

No. DPS/23/8/77-Est./34683.—Director, Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri V. K. Potdar, Assistant Accounts Officer of the Directorate of Purchase & Stores to officiate as Accounts Officer-II in the same Directorate, in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200, with effect from 17-9-1977 (FN) to 10-11-1977 (AN) *vice* Shri L. B. Chandragiri, Accounts Officer-II appointed as Accounts Officer-III.

B. G. KULKARNI

For Administrative Officer

NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Bulandshahr-202397, the 1st December 1977

No. NAPP/Adm./1(73)/77-S/12395.—The Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project, Narora is pleased to appoint Shri Harbans Lal, a quasi-permanent Sub-Officer as Station Officer in the Pay Scale of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 in the Narora Atomic Power Project at Narora with effect from the Forenoon of October 31, 1977 until further orders.

R. P. HARAN

Administrative Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 17th December 1977

No. 05052/77/6646.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Prabhakar Suryabhan Shelke, a temporary Supervisor (Civil) of Heavy Water Project (Kota) to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB), in the same project, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of August 1, 1977, until further orders.

No. 05052/77/6647.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Baldev Krishan Kapil, a temporary Foreman of Heavy Water Project (Tuticorin), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB), in the same project, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of August 1, 1977, until further orders.

No. 05052/77/6648.—Officer-on-Special Duty, Heavy water Projects, appoints Shri Christudass Arulananda Raj, a temporary Foreman of Heavy Water Project (Tuticorin), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of August 1, 1977 until further orders.

No. 05052/77/6649.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri P. A. Oommen Vaidhyar, a temporary Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Project (Tuticorin), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB), in the same project, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of August 1, 1977, until further orders.

No. 05052/77/6650.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Harshvadan Anandlal Mankad, a temporary Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Project (Baroda), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB), in the same project, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of August 1, 1977, until further orders.

No. 05052/77/6651.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Santosh Kumar Jain, a temporary Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Project (Baroda) to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB), in the same project, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of August 1, 1977, until further orders.

T. C. SATHYAKEERTHY

Senior Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE
VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE
Trivandrum-695022, the 1st December 1977

No. VSSC/EST/NTF/77—The Director, VSSC, hereby appoints the undermentioned persons in Vikram Sarabhai Space Centre, Trivandrum of the Department of Space as Scientist/Engineer SB in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from the forenoon of the dates shown against each and until further orders :—

Sl. No.	Name	Designation	Divn./Proj.	Date of appointment
1.	Shri P. O. Balachandran	Sci./Engr. SB	PSN	16-8-77
2.	Shri K. Nagendra	"	APPLE	17-8-77
3.	Shri K.R. Radhakrishnan	"	APPLE	30-8-77
4.	Shri M. Satyanarayana	"	APPLE	5-9-77
5.	Shri Neeteen B. Katagada	"	APPLE	27-9-77
6.	Shri Raju P. Thomas	"	PSN	12-10-77
7.	Shri P. Ratnakara Rao	"	SLV	21-10-77
8.	Shri Dilip Balmukund Bhatt	"	SLV	29-10-77
9.	Shri G.N. Mohan Kumar	"	PSN	7-11-77

RAJAN V. GEORGE
Admn. Officer-II (EST)
or DIRECTOR

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 30th November 1977

No. A.12025/8/77-ES.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Sharad Kumar Sharma as Air Safety Officer (Eng.) in the Civil Aviation Department in an officiating capacity with effect from the 14th November, 1977 and until further orders and to post him in the office of the Director General of Civil Aviation, New Delhi.

The 8th December 1977

No. A.12025/7/75-ES.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Rajani Kant Borah as Aircraft Inspector in the Civil Aviation Department in an officiating capacity with effect from the 1st August, 1977 and until further orders and to post him in the Office of the Director of Aircraft Inspection, Kanpur.

S. L. KHANDPUR
Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 20th December 1977

No. 1/99/77-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Rajendra Kapoor, Technical Assistant, New Delhi Branch as Assistant Engineer, in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 12-9-1977 to 19-10-1977 (both days inclusive), against a short-term vacancy purely on *ad hoc* basis.

No. 1/425/77-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. K. Basu, Supervisor, Calcutta Branch as Deputy Traffic Manager in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 31-8-77 to 30-9-77 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

No. 1/426/77-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri U. A. RIZVI, Technical Assistant, New Delhi Branch as Assistant Engineer in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 18-3-77 to 5-9-77 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

No. 1/446/77-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. L. Ghosal, Technical Assistant, Dchra Dun as Assistant Engineer in

an officiating capacity in the same Branch, for the following periods, against short-term vacancies on *ad hoc* basis :—

From	To
(1) 30-5-1977	8-7-1977
(2) 11-7-1977	12-8-1977
(3) 1-9-1977	12-11-1977

P. K. G. NAYAR
Dy. Director (Admn.)
for Director General

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Patna, the 8th December 1977

C. No. II(7)1-ET/77—In pursuance of this office Establishment order No. 192/77 dated 30-7-77, appointing three Inspector of Central Excise & Customs to officiate as Superintendent Central Excise & Customs Group "B" in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-1200/- plus usual allowances as admissible under rules the following officers have assumed charge as Superintendent Central Excise & Customs at places and with effect from the dates and hours as indicated below against each :—

Sl. No.	Name	Place of posting	Date, or assumption of charge
1.	Shri Rameshwar Singh	Superintendent (Valuation-II) Central Excise (Hqrs) Office, Patna.	8-8-77 (F.Noon)
2.	Shri Dhananjay Ojha	Superintendent (Legal) Central Excise (Hqrs) Patna.	2-8-77 (F.Noon)

H. N. SAHU, Collector of Central Excise, Patna

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 16th December 1977

No. A-19012/36/77-Adm. V—Chairman, Central Water Commission hereby appoints the following officers to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer on a purely temporary and ad-hoc basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates indicated against each officer until further orders. They assumed charge of the posts in offices mentioned against their names:—

S.No.	Name of Officer	Date of Promotion	Name of Office where posted
1.	Shri Yoginder Pal Mittal, Design Assistant	29-10-77 (FN)	Tipaimukh Investigation Circle, Shillong.
2.	Shri B. Venkat Rao Supervisor	14-10-77 (FN)	Drought Area Study Sub-Division, Sasaram under Drought Area Study Division No. II, Allahabad.
3.	Shri D. Prabhakar, Supervisor	30-7-77 (AN)	Drought Area Study Sub-Division No. III at Bangalore.
4.	Shri K. K. Rajan, Supervisor	4-10-77 (FN)	Jalgaon Gauging Sub-Division, Jalgaon.
5.	Shri J. J. Raju, Supervisor	19-9-77 (FN)	Eastern Gauging Sub-Division, Raipur.

J. K. SAHA
Under Secy.

OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 12th December 1977

No. 33/7/76-ECIX.—The Engineer-in-Chief is pleased to appoint Shri Dinesh Kumar Gupta, a nominee of the UPSC against the temporary post of Deputy Architect (G.C.S. Group A) in the C.P.W.D. on the pay of Rs. 700/- P.M. in scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 (plus usual allowances) with effect from 5-11-77 (FN) on the usual terms and conditions.

2. Shri Gupta is placed on probation for period of two years with effect from 5-11-77 F.N.

The 17th December 1977

No. 33/4/75-ECIX.—Engineer-in-Chief is pleased to appoint Shri G. C. Sharma, a nominee of the U.P.S.C. against the temporary post of Assistant Architect (G.C.S. Group B) in the C.P.W.D. on the pay of Rs. 650/- P.M. in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 (plus usual allowances) with effect from 1-12-77 F.N. on the usual terms and conditions.

2. Shri Sharma is placed on probation for period of two years with effect from 1-12-77 F.N.

D. P. OHRI
Dy. Director of Administration

INTEGRAY COACH FACTORY
OFFICE OF THE GENERAL MANAGER

Madras-38, the 15th December 1977

No. PB/GG/9/Misc.II.—Sri Syed Niamathullah, Offg. Works Manager/Fur.(SS), has been reverted to Class II service from 21-11-77 F.N.

Sri S. Chidambaram, Offg. Asst. Electrical Engineer/Inspection has been confirmed in Class II service in the Electrical Engineering Department from 9-11-76 against the post of Asst. Electrical Engineer/Planning.

S. VENKATARAMAN
Deputy Chief Personnel Officer
for General Manager

MINISTRY OF WORKS, HOUSING, SUPPLY &
REHABILITATION
(DEPARTMENT OF REHABILITATION)REHABILITATION RECLAMATION ORGANISATION
OFFICE OF THE CHIEF MECHANICAL ENGINEER

Jaypore-764003, the 13th December 1977

No. PF/G/64-42929(P).—Consequent upon his repatriation to his parent Department viz. Office of the Accountant General, Orissa, Bhubaneswar, Shri M. Subba Rao, relinquished the charge of the post of Accounts Officer at Rehabilitation Reclamation Organisation Headquarters Office, Joypore, District Koraput (Orissa) on the afternoon of 19th October 1977.

B. P. SAXENA
Administrative Officer
for Chief Mechanical Engineer

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Jaipur, the 14th December 1977

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Parasrampur Lime Industries Private Limited, Paupur

No. STAT/1069.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Parasrampur Lime Industries Private Limited, Paupur has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Vindhya Chit Fund Private Limited Rakash Bhawan, 3rd Floor, Chaura Rusta Paupur

Jaipur, the 14th December 1977

No. STAT/12281.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Vindhya Chit Fund Private Limited, Paupur, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Marudhar Udyog Sampada Limited, Rajendra Nagar, Tikhi (Rajasthan)

Jaipur, the 14th December 1977

No. STAT/12071.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956,

that the name of Marudhar Udyog Sampada Limited, has been struck off the Register and the said company is dissolved.

Sd./- ILLEGIBLE
Registrar of Companies
Rajasthan

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Penguin Electricals Private Limited*

Bombay, the 15th December 1977

No. 13184/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Penguin Electricals Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

SHRI RAM
Asstt. Registrar of Companies
Maharashtra

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Sarasu Private Limited*

Bangalore, the 19th December 1977

No. 2346/560/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Sarasu Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. New India Printing, Publishing and Packaging Company
Private Limited*

Bangalore, the 19th December 1977

No. 2573/560/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956.

Sl. No.	Name of the officer	Presently posted as	Now posted as	Remarks
1	2	3	4	5
SVS.				
1.	G. S. Chugh	On promotion	Services placed at the disposal of C.I.T. (IV), New Delhi.	
2.	A. S. Dutta	On promotion	Services placed at the disposal of C.I.T. (V).	
3.	H. N. Nautial	On promotion	I.T.O. Survey Range, New Delhi.	
4.	G. C. Sharma (II)	On promotion	I.T.O. (H. Qr. N.G. Estt.).	
5.	G. C. Jain	On promotion	Services placed at the disposal of C.I.T. III, New Delhi.	
6.	S. L. Kuba	On promotion	I.T.O. Trust Circle IV, N. DLH.	A newly created charge.
7.	R. N. Bhalla	On promotion	I.T.O. Distt VI(11), New Delhi.	A newly created Charge

that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. New India Printing, Publishing and Packaging Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. N. GUHA
Registrar of Companies
Karnataka

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX
DELHI-I, NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1977

SUBJECT :—*Establishment—Gazetted—Promotions—Postings and Transfers.*

ORDER No. 94/GO./1977-78.—The following Inspectors are promoted to officiate as Income-tax Officers (Class II) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, with effect from the date they take over as such and until further orders :—

Sarvashri

1. G. S. Chugh.
2. A. S. Dutta.
3. H. N. Nautial.
4. G. C. Sharma II.
5. G. C. Jain.
6. S. L. Kuba.
7. R. N. Bhalla.

These promotions are being made against the clear vacancies but are subject to final orders of the Delhi High Court in C.M.P. No. 652 of 1977 in C.W.P. 341 of 1977 pending before the Court.

Sh. M. N. Chopra and Shri D. S. Sallan promoted earlier against the temporary vacancies have been brought against the regular vacancies.

Consequent upon these promotions, the following postings and transfers are ordered with immediate effect :—

K. N. BUTANI
Commissioner of Income-tax
Delhi-I, New Delhi

The 18th November 1977

No. JUR-DLI/1/77-78/15618.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-I, New Delhi hereby directs that the following Income-tax Circle shall be created with effect from 18-11-77.

1. 5th Addl. Salary Circle, New Delhi.
2. Private Salary Circle-VIII, New Delhi.

The 19th November 1977

No. JUR/DLI/1/77-78/15901—In partial modification of this office notification No. JUR-DLI/1/77-78/11321 dated 23-5-77 and in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-I, New Delhi hereby directs that the Income-tax Officers mentioned in column (2) of the Schedule hereto annexed shall perform their function in respect of the persons or classes of persons, income or classes of income and cases or classes of cases specified in column (3) of the said Schedule, other than the cases of the persons which have been or may hereafter be assigned u/s 127 of the Income-tax Act, 1961 to any other Income-tax Officer.

2. This Notification shall have effect from 19-11-77.

SCHEDULE

S.No.	Designation of the Income-tax Officer	Jurisdiction
1	2	3
1.	Income-tax Officer, 2nd Addl. Salary Circle, New Delhi.	All Govt. Servants who are working in the following Ministries and who are not in the jurisdiction of the Income-tax Officer, Salary Circle, New Delhi. <ol style="list-style-type: none"> 1. Ministry of Communications. 2. All Govt. servants under the audit control of the AGCR, New Delhi and who are working in the Ministry of Information and Broadcasting including All India Radio and who are not in the jurisdiction of the Income-tax Officer, Salary Circle, New Delhi. 3. All Govt. servants under the audit control of the AGCW & M. New Delhi Sr. D.A.Gs., C. W. & M. Bombay and Calcutta excepting those who are in the jurisdiction of the Income-tax Officers, 3rd Addl. & 4th Addl. Salary Circles, New Delhi.

1	2	3
		<ol style="list-style-type: none"> 4. All Govt. servants, whose jurisdiction has not been defined and not shown assessable either with the ITO Salary Circle or with the ITOs. IIIrd, IVth & Vth Addl. Salary Circles, N. Delhi. 5. All Non-Gazetted employees working in the Indian Missions outside India. 6. All Govt. servants working under Govt. Higher Secondary Schools, Delhi. 7. All Govt. servants resident in the Andamans who are subject to the Audit of the Director of Audit, P & T, Madras. 8. Employees of the American United Presbyterian Musician residing in Uttar Pradesh, Punjab & Delhi States. 9. Pensioners who draw their pension from the Hyderabad (Deccan) Treasuries and are under the Audit of the A.G.C.R., N. Delhi.
2.	Income-tax Officer, 5th Addl. Salary Circle, New Delhi.	All Govt. servants who are working in the following Ministries and who are not in the jurisdiction of the Income-tax Officer, Salary Circle, New Delhi. <ol style="list-style-type: none"> 1. Ministry of Defence including : <ol style="list-style-type: none"> (a) Army Hd. Quarters (Civilians) (b) Directorates & subordinate Offices in Delhi attached to the Ministry of Defence. 2. All Class-I Officers belonging and Working in the Indian Audit & Accounts Department. 3. All employees (Gazetted or Non-Gazetted) working in the following offices:— <ol style="list-style-type: none"> (a) The comptroller & Auditor General of India, New Delhi. (b) Director of Audit, P&T, New Delhi.

1	2	3
		(c) A.G.C.R., New Delhi.
		(d) A.G.C.W. & M. New Delhi.
		(e) A.G. Posts & Telegraphs, New Delhi.
		(f) Director of Audit, Defence services Northern Region, New Delhi.
3.	Income-tax Officer, All Indian employees whose Private Salary Circle-II, New Delhi.	names begin with alphabets A to M of the following (including Wealth-tax).
		1. Escorts Ltd.
		2. Municipalities & Municipal Corporations including hospitals run by them.
		3. All Banks.
4.	Income-tax Officer, All Indian employees whose Private Salary Circle-VIII, New Delhi.	names begin with alphabets N to Z of the following (including wealth-tax).
		1. Escorts Ltd.
		2. Municipalities & Municipal Corporations including hospitals run by them.
		3. All Banks.

K. N. BUTANI,
Commissioner of Income-tax
Delhi-I, New Delhi.

Office of the Commissioner of Income-tax,
New Delhi-II

New Delhi, the 8th December 1977

No. JUR-DLI/II/76-77/29956.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Income-

tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-II, New Delhi hereby directs that the following Income-tax Circle shall be created with effect from 8-12-77.

(i) Trust Circle-IV, New Delhi.

The 14th December 1977

F. No. JUR/DLI/II/77-78/30341—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the I.T. Act 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf and in modification of earlier orders on the subject the Commissioner of Income-tax, Delhi-II New Delhi hereby directs that the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax mentioned in Col. 1 of the Schedule herein below shall perform all the functions of Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax under said Act in respect of such areas or of such persons or classes of persons of such incomes or classes of income or of such cases of classes of cases as fall within the jurisdiction of the ITOs. of the Districts/circles mentioned in Col. 2 of the said schedule:—

SCHEDULE

Range	Income-tax Distt./Circles
1	2
1. Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Range-II-D, New Delhi.	1. Companies Circle-XXII, New Delhi.
	2. Contractors' Circles, New Delhi.
	3. Lawyers Circle I & II, New Delhi.
	4. Trust Circles other than Trust Circle-II, New Delhi.

This notification shall take effect from 13-12-77.

The 15th December 1977

F. No. JUR-DLI/II/77-78/31136—In supersession of all previous orders on the subject and in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-II, New Delhi hereby directs that the Income-tax Officers mentioned in column 2 of the Schedule appended hereto shall perform their functions in respect of the persons or classes of persons income or classes of income and cases or classes of cases specified in column 3 of the said schedule other than the persons or classes of persons, incomes or classes of income and cases or classes of cases which have been assigned under section 127 of the said Act, 1961 to any other Income-tax officer or which may hereafter be assigned u/s. 127 to any other income-tax Officer

SCHEDULE

S. No.	Designation of the ITO	Jurisdiction
(1)	(2)	(3)
1. Income-tax Officer Trust Circle-I, New Delhi.		All Charitable and religious trusts/institutions cases whose name commences with any one of the alphabets A to D (both inclusive).
2. Income-tax Officer, Trust Circle-II, New Delhi.		All Charitable and religious trusts/institutions cases whose name commences with any one of the alphabets N to Z (both inclusive).
3. Income-tax Officer, Trust Circle-IV, New Delhi		All Charitable and religious trusts/institutions cases whose name commences with any one of the alphabets E to M (both inclusive).

This notification shall take effect from 15-12-77

The 16th December 1977

F. No. JUR-DLI/II/77-78/31295.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-II, New Delhi hereby directs that the following Income-tax Circles shall be created with effect from 19-12-1977.

- (i) Distt. VI (11), New Delhi.
- (ii) Distt. VI (12), New Delhi.
- (iii) Distt. VI (13), New Delhi.

A. C. JAIN
Commissioner of Income-tax
Delhi II, New Delhi

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
DHARWAR

Dharwar, the 22nd December 1977

Notice No. 197/77-78/Acq. —Whereas, I, D. C. RAJA-GOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing M. No. 458/1, situated at Nagar Camp Vadgao Extension, Belgaum, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Belgaum, under Document No. 428 on 7-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

12-406GI/77

(1) Shri Shankar Gajanan Mudaliar,
C/o Nagar Camp Vadgao,
Belgaum City.

(Transferor)

(2) (1) Shri Narayan Tukaram Khataavkar,
(2) Shri Ashok Gajanan Khataavkar,
(3) Shri Vijay Khataavkar,
(4) Shri Ramesh Narayan Khataavkar,
(5) Shri Prakash Khataavkar, and
(6) Shri Suryakant Gajanan Khataavkar,
Partners in M/s. Narayan Tukaram Khataavkar,
Cloth Merchants, Menshigalli,
Belgaum.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open site which is situated at Nagar Camp Vadgao Extension of Belgaum City Bearing Vadgao M. No. 458/1 measuring 92' × 226' = 20792 Sft.

D. C. RAJAGOPALAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar.

Date : 22-12-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE;
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009. the 19th December 1977

No. Acq.23-I-1355(616)/10-1/77-78 —Whereas, I. S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

L.V. No. 1568/1999 dated 30-9-1941 situated at Jawahar Road, Bhanvad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khambhaliya on 4-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Hemendrakumar Sukhlal
(2) Shri Mansukhlal Sukhlal, Bhanvad
At present residing at—
Opp. : Alka Metalics,
Bhaktinagar Main Road,
Near Mahendra Oil Cake Mill,
Rajkot.

(Transferor)

- (2) (1) Punitaben Pratapray,
(2) Nitaben Hasmukh Ghekani,
Jawahar Road, Bhanvad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 immovable property standing on land admeasuring 2000 sq. ft. bearing L.V. No. 1568/S. 1999 dated 30-9-1941, situated at Jawahar Road, Bhanvad and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 293 dated 4-4-77 by Registering Officer, Khambhaliya.

S. C. PARIKH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 19-12-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE;
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 19th December 1977

No. Acq. 23-I-1356(617)/16-6/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No. Sanand Form 'M', Sheri No. 4, situated at Jagnath Sheri No. 4 and College Wall Sheri No. 8 Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 21-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

- (1) Shri Kapilraj Chhotalal Mankad,
Karta of H.U.F. of
Shri Harilal Chhotalal Mankad,
High Court Retired Officer,
2-P A. Quarters, Near Lal Bungalow,
Ahmedabad-6.

(Transferor)

- (2) Shri Harishkumar Laxmidas Shah,
Shri Shirishkumar Laxmidas Shah,
Shri Pradipkumar Laxmidas Shah,
Danapith, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property standing on land admeasuring 574.5 sq. yds, bearing Sanand Form 'M' dated 20-9-1940, situated at Jagnath Plot Sheri No. 4 and College Wadi Sheri No. 8, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 729 dated 21-4-1977.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 19-12-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE;
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 22nd December 1977

No. Acq. 23-I-1372(618)/10-1/77-78.—Whereas I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 40-G-5 apiki Plot No. A/2, situated at Nehru Road, Jamnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jamnagar on 6-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Jamnadas Hemraj Vithalani,
Patel Colony, Jamnagar.
- (2) Shri Hargovind Ramji Bhagde,
Bhansaliwad, Jamnagar.

(Transferor)

- (2) C.C.D.C. Constructions Pvt. Ltd.,
6, Karim Chambers,
40 Hamam Street,
Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 3575 sq. feet i.e. 332-11-75 sq metres bearing S. No. 40/G/5 paiki Plot No. A/2, situated at Nehru Road, Jamnagar, as described in the sale-deed registered vide Regn. No. 369, dated 6-4-1977.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 22-12-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE;
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 22nd December 1977

No. Acq. 23-I-1373(619)/10-1/77-78.—Whereas, I, S. C. being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 40-G-5 paiki Plot No. 1-B-2

situated at Nehru Road, Jamnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jamnagar on 7-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Hargovind Ramaji,
Sanjay Sadan, Bhansaliwad, Jamnagar.
(2) Shri Jamnadas Hemraj Vithalani,
Patel Colony, Sheri No. 8,
Jamnagar.

(Transferor)

- (2) C.C.D.C. Construction Pvt. Ltd.,
6, Karim Chambers,
40, Hamam Street,
Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 3575 sq. feet i.e. 332-1175 sq metres bearing S. No. 50-g-5 paiki Plot No. 1-B-2, situated at Nehru Road, Jamnagar as described in the sale-deed registered vide Regn. No. 374 dated 7-4-1977.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 22-12-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 15th December 1977

Ref. No. AP-1734.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per Schedule situated at Indra Market, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on April, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bhola Singh S/o Shri Bhagwan Singh
R/o Puras Rampur, Teh. Jullundur.
G.A. to Shri Harbhajan Singh S/o Shri Bhola Singh at present in England.
2. Smt. Gulwant Kaur Wd/o Dildaman Singh
R/o Kular, Distt. Jullundur
P.A. to Shri Resham Singh S/o Shri Dildaman Singh
R/o England.

(Transferor)

(2) Shri Manmohan Krishan Kapoor (Minor)
S/o Sri Kishan,
Railway Road, Jullundur
C/o Kapoor Film Distributors,
Indra Market, New Railway Road,
Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plots as mentioned in the Registration Sale Deed No. 96 or April, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 15-12-77

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 15th December 1977

Ref. No. AP-1735.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Chhati Gali, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur on April, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Telu Ram S/o Shri Muni Lal,
S/o Shri Basant Rai
C/o M/s. Kasturi Lal Telu Ram,
Cloth Merchant,
Juga Gate, Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Harjit Singh S/o Shri Gulbir Singh
S/o Shri Chuhar Singh,
Village Mudh, Teh. Nakodar,
Distt. Jullundur. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Shops as mentioned in the Registration Sale Deed No. 29 of April, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 15-12-77

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 15th December 1977

Ref. No. AP-1736.—Whereas, I, B. S. DEHIYA RAJAN, (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Chhati Gali, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at Jullundur on April, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Telu Ram S/o Shri Muni Lal,
S/o Shri Basant Rai
C/o M/s. Kasturi Lal Telu Ram,
Cloth Merchant,
Jaurga Gate, Jullundur. (Transferor)
- (2) Smt. Narinderjit Kaur W/o Shri Harjit Singh
S/o Shri Gulbir Singh,
Village Mudh, Teh. Nakodar,
Distt. Jullundur. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Tenants, if any)
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONB: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shops as mentioned in the Registration Sale Deed No. 170 of April, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 15-12-77
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 15th December 1977

Ref. No. AP-1737.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Chhati Gali, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on April, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

13—406GI/77

- (1) Shri Telu Ram S/o Shri Muni Lal,
S/o Shri Basant Rai
C/o M/s. Kasturi Lal Telu Ram,
Cloth Merchant,
Jaura Gate, Jullundur. (Transferor)
- (2) Harjit Singh S/o Shri Gulbir Singh
S/o Chulhar Singh (Through Shri Paul Singh)
Village Mudh. Teh. Nakodar,
Distt. Jullundur. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Tenants, if any)
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop as mentioned in the Registration Sale Deed No. 332 of April, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 15-12-77

Seal :

FORM ITNS.....**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR**

Jullundur, the 15th December 1977

Ref. No. AP-1738.--Whereas, I, B. S. DEHIYA being the competent authority under section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Chhati Gali, Jullundur (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on June, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Telu Ram S/o Shri Muni Lal,
S/o Shri Basant Rai
C/o M/s. Kasturi Lal Telu Ram,
Cloth Merchant,
Jaurga Gate, Jullundur. (Transferor)
- (2) Smt. Kishan Kaur W/o Shri Gulbir Singh
S/o Shri Chuhar Singh (Through Shri Gulbir Singh)
Village Mudh, Teh. Nakodar,
Distt. Jullundur. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Tenants, if any)
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms as expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Shop as mentioned in the Registration Sale Deed No. 1414 of June, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 15-12-77

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd December 1977

Ref. No. AP-1739.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at New Jawahar Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on May, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dewan Chand,
Dewan & Company,
Property Dealers,
G.T. Road (New General Post Office),
Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Pran Gupta S/o Shri B. L. Gupta,
Kothi No. 90, New Jawahar Nagar,
Jullundur. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi as mentioned in the Registration sale deed No. 535 of May, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 22-12-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 7th December 1977

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/377.—Whereas, I, CHUNNI LAL.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 34-A situated at New Fatehpura, Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Udaipur on 15th June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

(1) Shri Jai Narain S/o Pannalal Brahman,
Power of Attorney of Smt. Sagar Kunwar
W/o Raja Devi Singh of Bhadajun,
Tehsil Ahore, Distt. Jalore.

(Transferor)

(2) Shri Gulab Singh Saktawat
S/o Prithvi Singh Saktawat
34-A, New Fatehpura, Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Bungalow with open land, situated at Plot No. 34-A, New Fatehpura, Udaipur.

Registered by Sub-Registrar, Udaipur vide his entry No. 992 dated 15th June, 1977.

CHUNNI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 7th December 1977

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Gulab Singh Saktawat,
S/o Shri Prithvi Singh Saktawat,
Udaipur.

(Transferor)

- (2) Shri Manohar Singh,
S/o Shri Gurmukh Singh,
Bapna House, Hospital Road,
Udaipur.

(Transferees)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 9th December 1977

Ref. No. RAJ./IAC(Acq.)/378.—Whereas, I, CHUNNI
LAL

being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value exceed-
ing Rs. 25,000/- and bearing
Bungalow No. 34-CB situated at New Fatehpura, Udaipur
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the
office of the Registering Officer at
Udaipur on 14th April, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45
days from the date of publication of this notice in the
Official Gazette or a period of 30 days from the
service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Bungalow No. 34-CB situated at New Fatehpura,
Udaipur as described in conveyance deed registered on
14-4-1977 at S. No. 753 by the Sub-Registrar, Udaipur.

CHUNNI LAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 9th December, 1977
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,
JAIPUR**

Jaipur, the 9th December 1977

Ref. No. Raj./IAC(Acq)/379.—Whereas, I, CHUNNI LAL being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Bungalow No. 34-CB situated at New Fatehpura, Udaipur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Udaipur on 14th April, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri Gulab Singh Saktawat,
S/o Shri Prithvi Singh Saktawat,
Udaipur.

(Transferor)

(2) Shri Inder Pal Singh,
S/o Shri Manohar Singh Sachhar,
Bapna House, Hospital Road,
Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Bungalow No. 34-CB situated at New Fatehpura, Udaipur as described in conveyance deed registered on 14-4-1977 at S. No. 754 by the Sub-Registrar, Udaipur.

CHUNNI LAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 9th December, 1977
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 9th December 1977

Ref. No. Raj./IAC(Acq)/380.—Whereas, I, CHUNNI LAL being the competent authority under section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Bungalow No. 34-CB situated at New Fatehpura, Udaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Udaipur on 14th April, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gulab Singh Saktawat,
S/o Shri Prithvi Singh Saktawat,
Udaipur. (Transferor)
- (2) Smt. Kundan Kaur W/o Shri Sunder Singh
Bapna House, Hospital Road,
Udaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Bungalow No. 34-CB situated at New Fatehpura, Udaipura as described in conveyance deed registered on 14-4-1977 at S. No. 755 by the Sub-Registrar, Udaipur.

CHUNNI LAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner or Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 9th December, 1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Asoke Kumar Bose, 19B, Ekbalpur Road, Calcutta-23.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

(2) Shri Abdur Rahman, 30/2/2D, Mominpur Road, Calcutta.

(Transferee)

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 12th December 1977

Ref. No. Ac-25/R-II/Cal/77-78.—Whereas, I, R. V. LALMAWIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

19B, situated at Ekbalpur Rd., Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurance, Calcutta on 13-5-77,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5-cottahs, 2-chittaks together with a two-storeyed building at premises No. 19B, Ekbalpur Road, Calcutta-23.

R. V. LALMAWIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Rd., Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 12-12-1977.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 8th December 1977

Ref. No. Acq/642-A/Saharanpur/77-78/5531.—Whereas I, R. P. BHARGAVA being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 30-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

14-406GI/77

- (1) Shri Mayansukh Miglani S/o Jagan Nath
R/o Purani Mandi, Swami Dayanand Road,
Distt. Saharanpur.

(Transferor)

- (2) Shri Mohd. Ilyas S/o Mohd. Yameen,
R/o Pul Kambohan, Distt. Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of House Property situated at Mohalla Chaptarognagan, bearing Municipal Number 11/2698, distt. Saharanpur, Transferred for an apparent consideration of Rs. 40,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 31-10-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 30th November 1977

Ref. No. 12/APRIL/77.—Whereas, I A. T. GOVINDAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 128 & 123/2, situated at Kalanipakkam village, North Arcot district (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Pallikonda (Doc. No. 503/77) on April 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Krishnasamy Mudaliar & Panneerselvam alias Radha, Kandhaneri village, Vellore taluk, North Arcot district.

(Transferor)

(2) Shri Subramania Pillai, Kulanipakkam village, North Arcot district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 2 acres and 88 cents in survey Nos. 128 (1.21 acre) & 123/2 (1.67 acres with one 3 HP motor pump-set) at Kalanipakkam, North Arcot district.

A. T. GOVINDAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 30-11-1977.

Seal.

FORM ITNS— —

(1) Shri S. K. D. Lakshmana Nadar,
200 Palaniandavarpuram Colony,
Sivakasi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri A. Chandrasekaran
80A, Avani Nadar St.,
Sivakasi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 9th December 1977

Ref. No. 13/April/77.—Whereas, I A. T. GOVINDAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4/143 to 4/158, situated at Pallapatti village (near Sivakasi)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Sivakasi (Doc. No. 656/77) on 1-4-1977

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Door Nos. 4/143 to 4/158
Pallapatti village (near Sivakasi).

A. T. GOVINDAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 9-12-77.

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 30th November 1977

Ref. No. 28/APRIL/77.—Whereas, I, A. T. GOVINDAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nos. 185, 184, 180/1B, 186/3, situated at Thalanatham, Dharmapuri Dt., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Pappireddipatti (Doc. No. 412/77) on 26-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri T. P. Palanisamy Chettiar,
Shri P. Somasundaram,
Shri K. Radhakrishnan,
Shri K. Jayapal,
Smt. Rajammal,
Smt. Muthulakshmiammal,
No. 2, Lingappa Chetty Street,
Coimbatore.

(Transferors)

(2) Shri K. Ramakrishnan,
S/o. Krishnappa Naidu,
Talanatham, Harur taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 22 acres and 56 cents in survey No. 185 (7 acres), 184 (10.40 acres), 180/1B (4.57 acres) and 186/3 (0.59 acre) at Thalanatham village Dharmapuri district.

A. T. GOVINDAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 30-11-1977.

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri S. K. Muthukrishna Pillai
S/o Shri Kaleeswaram Pillai
No. 21 Pookkara Arasamarathu Lane,
Madurai.

(Transferor)

- (2) Shri S. M. Gurusami Chettiar,
No. 4/59 Lajapathy Roy St.,
Paramkudi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 13th December 1977

Ref. No. F. 31/April/77.—Whereas, I A. T. GOVINDAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2, North Vadambokki St. situated at Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer JSR II Madurai (Doc No. 664/77) on April 77.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 857½ Sq. ft. (with building) situated at Door No. 2 North Vadambokki Street, Madurai.

A. T. GOVINDAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 13-12-77.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri S. K. Muthukrishna Pillai,
S/o Shri Kalceswaram Pillai
No. 21 Pookkara Arasamava Lane,
Madurai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 13th December 1977

(2) Shri Manivasagam
S/o Shri S. M. Gurusami Chettiar,
No. 4/59 Jajapathy Rai Street,
Paramakudi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. 32 (April)/77.—A. T. GOVINDAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

2, situated at North Vadambokki Street, Madurai
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
JSR II Madurai (Doc. No. 665/77) on April 1977
for apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as against to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land admeasuring 770 Sq. ft. (with building) situated at
Door No. 2 North Vadambokki Street, Madurai.

A. T. GOVINDAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

Date : 13-12-77.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri S. K. Muthukrishna Pillai,
S/o Shri Kalceswaram Pillai
No. 21 Pookkara Arasamara Lane,
Madurai.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 13th December 1977.

Ref. No. 33/April/77.—Whereas, I A. T. GOVINDAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

No. 2, situated at North Vadambokki Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at JSK II Madurai (Doc. No. 666/77) on April 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Manivasagam
S/o Shri S. M. Gurusami Chettiar,
No. 4/59 Jajapathy Raj Street,
Paramakudi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 770 Sq. ft. (with building) situated at Door No. 2 North Vadambokki Street, Madurai.

A. T. GOVINDAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 13-12-77.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 13th December 1977

Ref No. F. 34/April/77.—Whereas, I A. T. GOVINDAN being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2, situated at North Vadambokki Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II, Madurai (Doc. No. 667/77) on April 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri S. K. Rajagopal
S/o Shri Kaleeswaram Pillai
No. 21 Pookkara Arasamara Lane,
Madurai.

(Transferor)

(2) Smt. Poomayil Ammal
W/o Shri S. M. Gurusami Chettiar
No. 4/59 Jajapathy Rai Street,
Paramakudi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 887½ Sq. ft. (with building) situated at Door No. 2 North Vadambokki Street, Madurai.

A. T. GOVINDAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 13-12-77.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 13th December 1977

Ref. No. 35/April/77.—Whereas, I A. T. GOVINDAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2, situated at North Vadambokki Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II, Madurai (Doc. No. 668/77). on April 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

15—406GI/77

- (1) Shri S. K. Rajagopal
S/o Shri Kaleeswaram Pillai
No. 21 Pookkara Arasamarathu Lane,
Madurai.

(Transferor)

- (2) Shri Lakshmanan
S/o Shri S. M. Gurusami Chettiar,
No. 4/59 Lajapathy Rai Street,
Paramakudi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 770 Sq. ft. (with building) situated at Door No. 2 North Vadambokki Street, Madurai.

A. T. GOVINDAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 13-12-77.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 13th December 1977

Ref. No. F. 36/April/77.—Whereas, I A. T. GOVINDAN being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2, situated at North Vadambokki Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II Madurai (Doc. No. 669/77) on April 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and / or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri S. K. Rajagopal
S/o Shri Kaleeswaram Pillai
No. 21 Pookkara Arasamara Lane,
Madurai.
- (2) Shri Lakshmanan
S/o Shri S. M. Gurusami Chettiar,
No. 4/59 Jajapathy Rai Street,
Paramakudi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 805 Sq. ft. (with building) situated at Door No. 2 North Vadambokki Street, Madurai.

A. T. GOVINDAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 13-12-77.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING

ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madrass-6, the 30th November 1977

Ref. No. : 40/APR/77.—Whereas, I, A. T. GOVINDAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 64/1C1, situated at Virupakshipuram village, Dharmapuri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dharmapuri (Doc No. 630/77) on April 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(7) Shri V. Mani,
No. 22, Mitta Reddihalli Road,
Dharmapuri.

(Transferor)

(2) Shri R. Natarajan,
Prop. Parvatham Electricals,
Arumuga Achari Street,
Dharmapuri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 25½ cents in survey No. 64/1C1, Virupakshipuram village, Dharmapuri.

A. T. GOVINDAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 30-11-1977.

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. V. Rajagopal alias Manthiri,
Sakthi & Balaji (minors) by father & guardian
Shri V. Rajagopal, Devanga Street, Dharmapuri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

(2) Shri R. Natarajan,
by power of attorney agent
Shri R. Natarajan,
Parvatham Electricals,
Arumuga Achari Street,
Dharmapuri.

(Transferee)

Madras-6, the 30th November 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 41/APRIL/77.—Whereas, I, A. T. GOVINDAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here-
inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 64/1C1, situated at Virupakshipuram, Dharmapuri
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Dharmapuri (Doc. No. 631/77) on April 1977
for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property
and I have reason to believe that the fair market value of
the property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefore by more than fifteen percent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 25½ cents in survey No. 64/1C1, Virupak-
shipuram village, Dharmapuri.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

A. T. GOVINDAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 30-11-1977.

Seal :

FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 13th December 1977

Ref. No. F. 3855/April/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

294, 294A, and 294B, situated at Muthukumaraswami Naicken Road, Alandur, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSR I Madras North (Doc. No. 1144/77) on April 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri K. S. Venugopal
S/o Shri K. Sreenivasan
No. 48 West Mada Church St.,
Madras-13.

(Transferor)

(2) Shri T. N. Sekai
S/o late K. T. Narayanaswami
No. 4, Sengalaneer Pilliar Koil St.,
Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2 Grounds and 590 Sft. (with building) situated at Door Nos. 294, 294A and 294B Muthukumaraswami Naicken Road, Alandur, Madras.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 13-12-77

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(D) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 13th December 1977

Ref. No. F. 3855/April/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No. 72, Eswaran Dharamaraja Koil St., situated at Pondicherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondicherry (Doc. No. 520/77) on 25-4-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Chandra Ammal
W/o Shri K. Govindasami
No. 21 Kaliyamm Koil St.,
Tiruppathur (N.A. Dist.)

(Transferor)

- (2) Smt. R. Rajamani Ammal
W/o Shri Rathnasabapathy Chettiar,
No. 72 Eswaran Dharamaraja Koil St.,
Pondicherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Dor No. 72, Eswaran Dharamaraja Koil Street, Pondicherry.

K. PONNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date 13-12-77

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Balasubramanian (Minor)
(Represented by mother & natural guardian
Smt. K. A. Saraswathi,
W/o Shri K. S. Appachi Gounder)
Vairamangalam P.O.
Jambai (Via) Pin 638 312.

(Transferor)

(2) M/s Kamadhenu Drinks
No. 128 Park Road, Erode.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 13th December 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 4268/April/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 167A, 167B, 167E, 168, 166B & 166C situated at Sinnapuliyur village, Bhavani Taluk, Coimbatore Dt. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I, Erode (Doc. No. 902/77) on April 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

6.67½ acres of land bearing S. No. 167A, 167B, 167E, 168, 166B and 166C situated at Sinnapuliyur village Bhavani Taluk, Coimbatore District.

K. PONNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-12-1977
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 14th December 1977

Ref. No. F.3837/April/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing TS Nos. 1864, 1865 and 1875, situated at Kariovittakuppam village been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II Cuddalore (Doc. No. 428/77) on 12-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri P. T. Rajagopalachari
S/o Shri P. T. Rama Iyengar;
2. Shri P. T. Rengaswami
S/o Shri P. T. Rajagopalachari
No. 42 Sankaranaidu St.,
Thiruppapuliur.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Muthiah Mudaliar;
2. Shri Palanisami Mudaliar;
3. Shri Aravamudan;
Subramaniaswami Koil St.,
Puduvandipalayam, Cuddalore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

T. S. No.	Extent
	A. C.
1864	1 34 $\frac{2}{3}$
1865	0 19 $\frac{1}{4}$
1875	0 27
Total	1 81

Situated at Block 49, Ward No. 3, Kariovittakuppam village, Cuddalore.

K. PONNAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 14-12-77

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 14th December 1977

- (1) 1. Shri P. T. Vasan,
S/o Shri P. T. Srinivasa Iyengar;
2. Smt. Pankajammal,
W/o Shri Srinivasa Iyengar;
3. Smt. Andalammal,
W/o Shri M. B. Narayanan; and
4. Smt. Kumudammal,
W/o Narayanan,
Hubli, Maharashtra State.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Muthiah Mudaliar;
2. Shri Palanisami Mudaliar;
3. Shri Aravamudha Mudaliar;
Subramaniaswami Koll St.,
Puduvandipalayam, Cuddalore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. F.3837/April/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing TS Nos. 1864, 1865 and 1875, situated at Kariovittakuppam village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II Cuddalore (Doc. No. 429/77) on 12-4-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

16—406GI/77

THE SCHEDULE

T.S.No.	Extent
1864	1 34 2/3
1865	0 19 1/3
1875	0 27
Total	1 81

situated at Block 49, Ward No. 3, Kariovittakuppam village, Cuddalore.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 14-12-77
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 14th December 1977

Ref. No. F. 3837/April/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing TS Nos. 1864, 1865 and 1875, situated at Kariovittakuppam village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II Cuddalore (Doc. No. 430/77) on 12-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. P. T. Leela Ammal
No. 6 G.S.T. Road, Chengleput.
2. Shri P. T. Krishnakumar;
3. Chitralekha;
4. Shri T. V. Rajan
No. 15/1 Raja Hanumanthalala St.,
Triplicane, Madras-5. (Transferor)
- (2) 1. Shri Muthiah Mudaliar;
2. Shri Palanisami Mudaliar;
3. Shri Aravamudha Mudaliar;
Subramaniaswami Koil St.,
Puduvandipalayam, Cuddalore-4. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

T.S. No.	Extent.	
	A.	C.
1864	1	34 2/3
1865	0	19 1/3
1875	0	27
Total	1	81

situated at Block 49, Ward No. 3, Kariovittakuppam village, Cuddalore.

K. PONNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 14-12-77

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 14th December 1977

(1) Shri V. Gopalrathnam
(Represented by Power Agent :
S. Gopalakrishnan),
No. 45 Thakur Nagar, Pondicherry.

(Transferor)

(2) Shri T. R. Kalahasthi Iyer,
No. 32 Sanjeeviroyan Koil St.,
Cuddalore O.T.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 7.66 $\frac{2}{3}$ Acres and bearing R.S. Nos. 83/3 and 70/1 situated at Kottur village, Nannilam Taluk, Thanjavur District.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

K. PONNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 14-12-77
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 14th December 1977

Ref. No. F. 3846/April/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. Nos. 399-8 and 399-10, situated at Ponnann Viduthi village (Rice Mill) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alangudi (Doc. No. 663/77) on 28-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Anthony Udayar,
S/o Shri Sundaikkai Soosai Udayar,
Keelappatti Rasiamangalam,
Melattur Vattam,
Alangudi Taluk, Pudukottai Dist.

(Transferor)

(2) Shri Kulandai Fernandu,
S/o Shri Sundaikkai Arogya Udayar,
Keelappatti Rasiamangalam,
Melattur Vattam, Alangudi Taluk,
Pudukottai District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 90 Cents (Rice Mill) and bearing S. Nos. 399/8 and 399/10, Ponnann Viduthi.

K. PONNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 14-12-77

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madrass-6, the 15th December 1977

Ref No. 4269/April/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. Nos. 119 and 120-A situated at Nayackanpalayam village, Pollachi Taluk.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Uthukuli (Doc. No. 584/77) on April 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri S. Venkatakrishnan,
S/o Shri V. K. Shanmugam Chettiar,
Zamin Uthukuli, Pollachi Taluk.

(Transferor)

(2) 1. Shri N. Palaniswami Gounder,
S/o Shri Nachimuthu Gounder
2. Smt. Maragatham
W/o Shri Palanisamy Gounder
Nayakkanpalayam, Pollachi Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

9.21 Acres of land bearing S. Nos. 119 and 120-A situated at Nayakkanpalayam, Pollachi Taluk.

K. PONNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 15-12-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 15th December 1977

Ref. No. F.4269/April/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. Nos. 115B, 119, 120A and 122 situated at Nayakkanpalayam, Pollachi Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Uthukuli (Doc. No. 585/77) on April 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri S. Venkatakrishnan,
S/o Shri V. K. Shanmugam Chettiar,
Zamin Uthukuli, Pollachi Taluk.

(Transferor)

(2) Shri Krishnaswamy Gounder
S/o Shri Kaliappa Gounder
Nayakkanpalayam, Pollachi Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

15.37 Acres of land bearing S. Nos. 115-B, 119, 120-A and 122, situated at Nayakkanpalayam, Pollachi Taluk.

K. PONNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 15-12-1977

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madrass-6, the 15th December 1977

Ref. No. F.4346/June/77.—Whereas, I, K. KONNAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

D. No. 22/120 Raja St., situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Coimbatore (Doc. No. 1366/77) on 29-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

- (1) Shri M. R. Ramaswami Gounder
No. 597 K.K. Block
R. G. Street, Coimbatore.

(Transferor)

- (2) 1. Hajee M. Kader Mohamed Rowther
S/o Shri Meer Rowther; and
2. Shri A. Basheer Ahmed
S/o Shri K. Abdul Hameed Rowther
Perichipalayam Kottathurai village,
Palni Taluk, Madurai Dt

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 22/120 (New T.S. No. 5/471 Part) Raja Street, Coimbatore.

K. PONNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 15-12-1977
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madrass-6, the 15th December 1977

Ref. No. F.5542/April/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4, Manonmani Ammal Road, situated at Kilpauk, Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawakkam, Madras (Doc. No. 294/77) on 25-4-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

NOW, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri P. G. Venugopal Reddy;
2. Shri P. V. Sankaranarayanan;
3. Shri P. V. Lakshminarayanan
No. 4, Manonmani Ammal Road,
Kilpauk, Madras.

(Transferor)

- (2) Smt. Jeevi Bai,
W/o Shri Meghraj Sakariya
No. 159 Mint St., Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 3 Grounds & 416 Sft. (with building) situated at Door No. 4, Manonmani Ammal Road, Kilpauk, Madras-10.

K. PONNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 15-12-1977
Seal :

FORM ITNS—

(1) The Kannan Devan Hills Products Co. Ltd.
No. 2 Nctaji Subhas Road,
Calcutta-700 001.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Tata—Finlay Limited,
Bombay House,
Homi Modi Street,
Bombay-400 023.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 16th December 1977

Ref. No. 6/April/77.—Whereas, I, A. T. GOVINDAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. (1024.38 acres), situated at No. 48 Kottagudi village, Uttamapalayam Taluk, Madurai District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I, Madras North (Doc. No. 1011/77) on April 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 1957 (27 of 1957);

Land measuring 1024.38 Acres and bearing Survey Nos. 986; 987; 995; 996; 997; 999; 1000; 1001; 1002; 1004; 1048; 1049; 1050; 1079; 1080; 1081; 1082; 1083; 1084; 1085; 1046; 1087; 1088; 1089; 1090; 1091; 1082; 1093; 1094; 1095; 1096; 1097; 1099; 1100; 1101; 1102; 1103; 1104; 1105; 1106; 1107; 1108; 1109; 1110; 1111; 1112; 1113; 1114; 1115; 1116; 1117; 1118; 1119; 1120; 1121; 1122; 1123; 1124; 1125; 1126; 1127; 1128; 1129; 1130; 1131; 1132; 1133; 1149; 1150; 1160; 1161; 1167; 1168; 1180; 1185; 1186; 1195 and 1197 situated in No. 48 Kottagudi village, Uttamapalayam Taluk, Madurai District (Doc. No. 1011/77—JSR I Madras North).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—406GI/77

A. T. GOVINDAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 16-12-77.

Seal.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 17th November 1977

Ref. No. ASR/37/77-78/—Whereas, I, S. K. GOYAL, IRS., being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of 281 situated at Green Avenue, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at City-Amritsar in April 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

- (1) Lt.-Col Avtar Singh,
S/o Dr. Gian Singh,
3108 Sector 28-D, Chandigarh,
Through Shri Balbir Singh General Attorney.
(Transferor)
- (2) Shri Sant Singh S/o Ganga Singh and
Balbir Kaur W/o Sant Singh,
Bazar Papran, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of plot No. 281, Green Avenue, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 193 of April, 1977 of Registering Authority Amritsar City.

S. K. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 17-11-1977
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 17th November 1977

Ref. No. ASR/38/77-78.—Whereas, I, S. K. Goyal, IRS., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12 min 13 situated at Kote Mahna Singh, Tarn Taran Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at City Amritsar on 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Raman Kumar S/o Shri Des Raj Anand, 63-Daya Nand Nagar, Lawrence Road, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Romesh Kumar and Surinder Kumar, Ss/o Nand Kishore, S/Shri Vinod Kumar, Ashok Kumar and Parmod Kumar Ss/o Shri Chaman Lal, Bagh Rama Nand, Gali No. 1, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Kothi on Plot of land as mentioned in the registered deed No. 185 of April, 1977 of Registering Authority, City Amritsar.

S. K. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 17-11-1977
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
AMRITSAR

Amritsar, the 17th November 1977

Ref. No. ASR/39/77-78/—Whereas, I, S. K. GOYAL, IRS., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11 and 12 min situated at Kote Mahna Singh, Tarn Taran Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at City Amritsar in April, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Goverdhan Dass
S/o Shri Des Raj Anand,
63-Daya Nand Nagar, Lawrence Road,
Amritsar.

(Transferor)

(2) S/Shri Romesh Kumar and Surinder Kumar,
Ss/o Sh. Nand Kishore,
S/Shri Vinod Kumar, Ashok Kumar and
Parmod Kumar SS/o Shri Chaman Lal,
Bagh Rama Nand, Gali No. 1,
Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Kothi on Plot of land as mentioned in the registered deed No. 186 of April, 1977 of Registering Authority, City Amritsar.

S. K. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 17-11-1977
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 23rd November 1977

Ref. No. ASR/77-78/40.—Whereas, I, S. K. GOYAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Kt. Parja Amritsar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at City ASR in April 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kailash Rani W/o Shri Surinder Kumar Katra Sher Singh-I, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Smt. Kamla Devi W/o Shri Ram Saran, Kt. Sher Singh No. 1, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House as mentioned in the registered deed No. 842 of June 1977 of Registering Authority, City Amritsar.

S. K. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 23-11-1977

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 24th November 1977

Ref. No. TT/77-78/41.—Whereas, I, S. K. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Village Mughal Chak (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Taran Taran in April 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Gurdip Kaur Wd/o Shri Hira Singh
R/o Mughal Chak Teh. Taran Taran,
Distt. Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Jarnail Singh S/o Mangal Singh
S/o Shri Uttam Singh
R/o Muredpur Teh. Taran Taran,
Distt. Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 58 K-0M as mentioned in the registered deed No. 158 of April 1977 of Registering Authority, Taran Taran District Amritsar.

S. K. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 24-11-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 24th November 1977

Ref. No. ASR/77-78/42.—Whereas, I, S. K. GOYAL, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Kt. Parja Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at City Amritsar in July 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

- (1) Smt. Pushpa Wati Wd/o Shri Chaman Lal
R/o Kt. Sher Singh No. 1, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Krishan Kumar S/o Shri Ram Saran Dass,
R/o Kt. Sher Singh No. 1, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House as mentioned in the registered deed No. 1084 of July 1977 of Registering Authority, City Amritsar.

S. K. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 24-11-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 24th November 1977

Ref. No. ASR/77-78/43.—Whereas, I, S. K. GOYAL, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Land situated at Village Jogi Cheema (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gurdaspur in April 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property in as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Tara Singh S/o Shri Santa Singh,
Village Jogi Cheema,
(Transferor)
- (2) Shri Surinder Mohan S/o Mohinder Mohan,
S/o Shri Munshi Ram,
Qadian Town, Distt. Gurdaspur.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 38 K-3M as mentioned in the registered deed No. 342 of April 77 of Registering Authority Gurdaspur.

S. K. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 24-11-1977
Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

EXAMINATION (1978) FOR RECRUITMENT TO JUNIOR SCALE POSTS IN THE CENTRAL HEALTH SERVICE.

NOTICE

New Delhi, the 7th January 1978

No. E. 14/5/77-E.I(B).—An examination will be held by the Union Public Service Commission on 27th May, 1978 for recruitment to Junior Scale posts in the Central Health Service.

2. The approximate number of vacancies to be filled on the results of this examination is 375 (including 61 vacancies reserved for Scheduled Castes and 88 for Scheduled Tribes).

The number of vacancies is liable to alteration.

3. *Centres of Examination.*—Ahmedabad, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Jaipur, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patiala, Patna, Shillong, Simla, Srinagar and Trivandrum.

4. CONDITIONS OF ELIGIBILITY.—

(a) *Nationality*

A candidate must either be—

- (i) a citizen of India, or
- (ii) a subject of Nepal, or
- (iii) a subject of Bhutan, or
- (iv) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire, Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (ii), (iii), (iv) and (v) shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

(b) *Age Limit.*—Age below 30 years as on 1st January, 1978.

The age limit is, however, relaxable upto 50 years for the Examination to be held in 1978.

The upper age limit is further relaxable as follows :—

- (i) upto a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe.
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person, from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971.
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe is also a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971.
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;

(v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

(vi) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;

(vii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963;

(viii) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof;

(ix) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof, who belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;

(x) up to a maximum of three years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof,

(xi) up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof and who belongs to a Scheduled Castes or a Scheduled Tribe, and

(xii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July 1975.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMIT PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

(c) *Educational Qualification*

For admission to the examination a candidate should have passed the written and practical parts of the final M.B.B.S. Examination on or before 20th February, 1978.

NOTE 1 : Candidates who have yet to complete the compulsory rotating internship are educationally eligible for admission to the examination but on selection they will be appointed only after they have completed the compulsory rotating internship.

NOTE 2 : Candidates whose results at the written and practical parts of the final M.B.B.S. examination have not been declared and candidates who have yet to appear at these examinations are *NOT* eligible for admission to this examination.

5. *FEE TO BE PAID WITH THE APPLICATION.*—Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates). Applications not accompanied by the prescribed fee will be summarily rejected.

N.B.—Fee once paid will not be refunded nor held in reserve for any other examination or selection.

6. *HOW TO APPLY.*—Only printed applications of the form prescribed for the Junior Scale Examination (1978) for recruitment to Junior Scale posts in the Central Health Service appended to the Notice will be entertained. Completed applications should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011. Application forms and full particulars of the examination can be had :—

- (i) By post from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by

remitting Rs. 2/- by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to Secretary, U.P.S.C. at New Delhi G.P.O.

- (ii) On cash payment of Rs. 2/- at the counter in the Commission's office.

NOTE : Request for supply of application forms and full particulars of the examination *by post* must reach the office of the Commission before 13th February 1978. However, the forms may be had personally from the counter in the office of the Commission up to 20th February, 1978.

All candidates whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date will not be considered.

Persons already in Government service whether in a permanent or temporary capacity or as work charged employees other than casual or daily rated employees, are, however, required to obtain the permission of Head of their Office/Department before they are finally admitted to the examination. They should send their applications direct to the Commission after detaching the 2 copies of the form of certificate attached at the end of the application forms and submit the said forms of certificate immediately to their Head of Office/Department with the request that one copy of the form of certificate duly completed may be forwarded to the Secretary, Union Public Service Commission, New Delhi, as early as possible and in any case not later than the date specified in the form of certificate.

7. LAST DATE FOR RECEIPT OF APPLICATIONS IN THE COMMISSION'S OFFICE :—

- (i) From candidates in India 20th February, 1978.
(ii) From candidates abroad or in Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep 6th March 1978.

8. DOCUMENTS TO BE SUBMITTED WITH THE APPLICATION.

- (a) By all candidates :—

- (i) Fee of Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/Tribes candidates) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad as the case may be for credit to the account Head "051 Public Service Commission—Examination fees" and the receipt attached with the application.

- (ii) *Certificate of Age*.—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes, the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy

of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

- (iii) Certificate of Educational Qualification.

The candidates must submit an attested/certified copy of the Certificate issued by the Authority (*i.e.* University or other examining body) to show that he has passed the M.B.S. Examination on or before 20th February, 1978 *i.e.* the closing date for receipt of applications in the Commission's office.

- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx) photographs of the candidate duly signed on the front side.

- (B) By Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates :—

Attested/certified copy of certificate in the form given in Appendix I from any of the competent authorities (mentioned under the certificate) of the District in which he or his parents (or surviving parent) ordinarily reside, in support of claim to belong to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe.

(C) *By candidates claiming age concession.*—(i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under para 4(b)(ii) or 4(b)(iii) should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the Period between 1st January, 1964, and 25th March, 1971 :—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the Area in which he may for the time being be resident;
- (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge;
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

(ii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under para 4(b)(iv) or 4(b)(v) should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma, claiming age concession under para 4(b)(vi) or 4(b)(vii) should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(iv) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under para 4(b)(viii) or 4(b)(ix) should produce, an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Re-settlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services, in operation during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. _____ Shri _____ of Unit _____ was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed area and was released as a result of such disability.

Signature

Designation

Date.

"Strike out whichever is not applicable.

(v) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under para 4(b)(x) or 4(b)(xi) should produce an attested/certified copy of a certificate, in the form prescribed below from the Director General, Border Security Forces, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of Certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. _____ Shri _____ of Unit _____ was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature

Designation.

Date.

(vi) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under para 4(b)(xii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the Distt. Magistrate of the area in which he may for the time being be a resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July 1975.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 8 above without a reasonable explanation for its absence having been given, his candidature is liable to be cancelled and no appeal against its cancellation will be entertained.

9. **ACKNOWLEDGEMENT OF APPLICATION.**—All applications received in the prescribed form for this examination will be acknowledged. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of application for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

10. **RESULT OF APPLICATION.**—If a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

11. **ADMISSION TO THE EXAMINATION.**—The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidature shall be final. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

12. **ACTION AGAINST CANDIDATES FOUND GUILTY OF MISCONDUCT.**—Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form. Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its attested/certified copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or their attested/certified copies,

an explanation regarding the discrepancy should be submitted.

A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the Staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) attempting to commit or as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable :—
 - (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate, or
 - (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
 - (c) If he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

13. **ORIGINAL CERTIFICATES SUBMISSION OF.**—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN PARA 8 ABOVE ATTESTED BY GAZETTED OFFICERS OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF THE PERSONALITY TEST. THE CANDIDATURE OF THE CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THE TIME OF THE PERSONALITY TEST WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

14. **SCHEME OF EXAMINATION :—**The examination will comprise :—

- (A) Written Examination—The candidates will have the option to take the examination in any one of the following four papers which will be of 3 hours duration and contain objective type questions.
 - (i) Surgery including E.N.T., Ophthalmology, Traumatology and Orthopaedics;
 - (ii) General Medicine including Paediatrics;
 - (iii) Preventive Medicine and Community Health including Child Welfare and Family Planning;
 - (iv) Obstetrics and Gynaecology.
- (B) Personality test of candidates who qualify in the written examination.

N.B.—The Written Examination and Personality Test will carry equal marks.

NOTE.—Details regarding the nature of the examination, sample questions and specimen answer sheet are given in the 'Candidates' 'Information Manual' at Appendix II.

15. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

The interview for Personality Test will be intended to serve as a supplement to the written examination for testing the general knowledge and ability of the candidates in the fields of their academic study and also in the nature of a personality test to assess the candidates' intellectual curiosity, critical powers of assimilations, balance of judgement and alertness of mind, ability for social cohesion; integrity of character, initiative and capacity for leadership.

16. After the interview, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Services irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

17. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

18. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedents is suitable in all respects for appointment to the service. The appointment will be further subject to the candidate satisfying the appointing authority of his having satisfactorily completed the compulsory rotating intership.

19. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such physical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. All candidates who are declared qualified for the Personality Test will be physically examined by the medical board set up by the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health) on a working day following the date of Personality Test.

20. No person :

- (a) who has entered into or, contracted a marriage with a person having a spouse living or
 - (b) who, having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person,
- shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

21. *Communications regarding applications.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.

- (i) NAME OF EXAMINATION,
- (ii) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION,
- (iii) ROLL No. OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (iv) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (v) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

22. *CHANGE IN ADDRESS.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 21 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES, THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

23. Brief particulars relating to the Services to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix III.

R. S. GOELA
Deputy Secretary.

APPENDIX I

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari"_____ son/daughter" of _____ of village/ town" _____ in District/Division" _____ of the State/Union Territory" _____ belongs to the _____ Caste/Tribe" which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe" under :—
the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950"

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950"

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951"

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951"

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Area (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976].

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956"

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976"

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962"

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*.

2. Shri/Shrimati/Kumari*..... and/or his/her* family ordinarily reside(s) in village/town*..... of..... District/Division* of the State/Union Territory* of.....

Signature.....

**Designation.....

(with seal of office)

Place.....State/Union Territory*.

Date.....

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term “ordinarily reside(s)” used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

- (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner / Deputy Collector / 1st Class Stipendiary Magistrate / City Magistrate / Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

- (iv) Sub-divisional Officers of the area where the candidate and/or his family normally resides;

- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, ‘Lakshadweep’

APPENDIX II

CANDIDATES INFORMATION MANUAL

This manual is intended to give you as much information as we can, about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

The candidates will have the option to take the examination in one of the following four papers of three hours duration. The standard will be such that a candidate with M.B.B.S. Degree from an Indian University will be able to answer most of the questions.

- (i) Surgery including E.N.T., Ophthalmology, Traumatology and Orthopaedics;
- (ii) General Medicine including Paediatrics;
- (iii) Preventive Medicine and Community Health including Child Welfare and Family Planning; and
- (iv) Obstetrics and Gynaecology.

NATURE OF THE TEST

The examination will be of the “Objective” or “Multiple Choice Answer” type. There will be many questions printed

in a test-booklet. Each question will have 4 or 5 possible answers printed right after it. Your task will be to select THE ONE BEST ANSWER to each question. For each question there will be one, AND ONLY ONE ANSWER.

METHOD OF ANSWERING

The question will have serial Nos. 1, 2, 3 etc. The answer choices for each question will be marked ‘1’, ‘2’, ‘3’, ‘4’ etc. A separate answer sheet will be given to indicate your answers (see specimen answers sheet at the end of this manual). On the answer sheet the serial numbers of the questions will be given and at the right of each number there will be space provided for your answer. First decide which is the correct or best answer, out of those given, for each question. Then indicate your answer by writing the number of the answer you have selected in the space provided for the answer (see example on the specimen answer sheet).

Please note that YOU ARE TO MARK ONLY ONE ANSWER for each question. If you mark more than one answer for any question you will not be given any credit for it even if one of your answers is correct. If you make a mistake and wish to change your answer, score out the error completely and clearly write the correct answer.

SOME IMPORTANT RULES

- (i) You are required to enter the Examination Hall 20 minutes before the prescribed time for the commencement of the examination and get scaled immediately. If you do not report in time, you are likely to miss some of the general instructions to be announced in the Examination Hall. Since the test booklet and the answer sheet will be given to you before the actual time prescribed for the commencement of the examination to enable you to study the instructions and to enter certain particulars on the answer sheet, you are likely to lose the time allotted for answering questions in case you do not report in time as mentioned above.
- (ii) Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- (iii) No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
- (iv) After finishing the examination, submit the test booklet and the answer sheet to the invigilator. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. Candidates who violate this directive are liable to be penalised.
- (v) Write clearly your Roll Nos., Centre of the test and code number and serial number of the test booklet at the appropriate space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.
- (vi) The test may be divided into a number of parts and separate instructions may be there regarding each part. You are required to read carefully all instructions given in the test booklet and the answer sheet. Since evaluation is done mechanically, you may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous, you will get no credit for that item. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or a section of a test, you must follow his instructions immediately.
- (vii) Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a pencil and a pen containing blue or black ink. You will not be permitted to take any scrap or rough paper, scales or drawing instruments into the examination hall as they are not needed. Space for rough work is provided on the answer sheet itself. Answer should be marked in ink and not in pencil. Red ink should not be used on the answer sheet.

SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as economically as possible.

ble. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. DO NOT WASTE TIME ON QUESTIONS WHICH ARE TOO DIFFICULT FOR YOU. GO ON TO THE OTHER QUESTIONS AND COME BACK TO THE DIFFICULT ONES LATER.

As the possible answers for each question are given, you may wonder whether or not to guess the answers to questions about which you are not certain. First try to answer those questions about which you are sure. If you know nothing about a question, it is better to leave it blank. You will get better marks by omitting such questions than by blind guessing. However, where you know enough to make an intelligent guess, you may do so.

The questions are designed to measure your knowledge understanding and analytical ability, not just memory. It will help you if you review the relevant subjects to be sure that you UNDERSTAND the subject thoroughly.

SAMPLE QUESTIONS

1. A 35-year old man wakes up after midnight with severe agonising upper abdominal pain. He has a previous history of upper abdominal discomfort and pain at periodic intervals. The most likely clinical diagnosis is :
 - (1) Acute Pancreatitis
 - (2) Acute Cholecystitis
 - (3) Renal Colic
 - (4) Perforated Duodenal ulcer.
 - (5) Perforated Typhoid ulcer.
2. A young man has been brought to the Casualty Department unconscious with a history of being knocked down by a fast moving car. The most immediate procedure would be
 - (1) Multiple Burr holes
 - (2) X-ray of skull
 - (3) Ensuring adequate airway
 - (4) Electro-encephalogram
 - (5) General clinical examination.
3. In a patient clinically suspected to have a perforated peptic ulcer, the single most useful investigation is :
 - (1) Percussion (for obliteration of liver dullness)
 - (2) Diagnostic tap
 - (3) Serum amylase estimation
 - (4) Electrocardiogram—to rule out myocardial infraction
 - (5) Plain X-ray abdomen-erect posture—for evidence of gas under the diaphragm.
4. A patient with fracture base of skull has bleeding from the ear. What procedure should be avoided ?
 - (1) Gently swabbing out the clotted blood.
 - (2) Irrigation of the ear.
 - (3) Instillation of local antibiotics
 - (4) Plugging the ear with sterile cotton
 - (5) Giving systemic antibiotics.
5. A young man with a history of a severe blunt injury on the lower left side of chest suddenly shows signs of poor vital signs—6 hours after injury. The most likely clinical diagnosis is :
 - (1) Fracture rib with haemorrhage
 - (2) Spontaneous pneumothorax
 - (3) Perforation of stomach
 - (4) Ruptured spleen
 - (5) Severe muscle spasm
6. A 19-year old married girl with some menstrual irregularity faints in the toilet in the morning. Her pulse is 110/minute, B.P. 90/60. What is the most likely clinical diagnosis
 - (1) Acute appendicitis
 - (2) Acute salphingitis
 - (3) Twisted ovarian cyst
 - (4) Ruptured ectopic gestation
 - (5) Hysteria
7. The commonest cause of blindness in India is
 - (1) Trachoma
 - (2) Cataract
 - (3) Vitamin deficiency
 - (4) Injuries to the eye
 - (5) Leprosy.
8. A 45 year old woman has undergone surgery for carcinoma of breast (stage II) 2 years previously. Now she comes with a history of a slip and fall and evidence of a fracture in the region of the neck of femur. The most likely cause of fracture is :
 - (1) Trauma of the fall
 - (2) Generalised decalcification
 - (3) Secondary malignant deposit in the bone
 - (4) Parathyroid adenoma
 - (5) Disturbance of calcium metabolism.
9. Mark the condition in which FEV₁/FVC ratio is likely to be reduced below 80% of the predicted value :
 - (1) progressive systemic sclerosis
 - (2) Obesity
 - (3) diffuse interstitial pneumonia.
 - (4) hydrothorax.
 - (5) bronchial asthma.
10. A 15 year old boy comes with complaints of intermittent mild fever, loss of appetite and weight and progressive swellings in the axilla and the neck for last 6 months. On examination he has firm freely mobile 1-4 cms diameter non-tender lymphnodes. His hemoglobin is 5 gm% ml, TLC-5,600/c.mm, polymorphs 67% Lymphocytes 33% a negative Montoux test and a normal X-ray chest. Of the following which is the most likely diagnosis :—
 - (1) tubercular lymphadenitis.
 - (2) lymphatic leukemia.
 - (3) hodgkin's lymphoma.
 - (4) glandular fever.
 - (5) sarcoidosis.
11. Carcinoma cervix is more frequent in :
 - (1) prolapse of uterus
 - (2) virgins
 - (3) multiparous women
 - (4) hypertension
 - (5) none of the above.
12. A satisfactory method of treatment of adenomyosis of the uterus is :
 - (1) radiation
 - (2) hormones
 - (3) curettage
 - (4) hysterectomy
 - (5) Enucleation of adenomyoma.
13. The diagnosis of lead poisoning can be made by :
 - (1) Demonstration of basophilic stippling.
 - (2) Straining of teeth.
 - (3) Increased lead in urine.
 - (4) All of above.
 - (5) None of above.
14. Perinatal mortality rate covers all deaths upto :
 - (1) 24 hours of age.
 - (2) 7 days of life.
 - (3) 28 days of life.
 - (4) 1 year of life.

15. The number of eligible couples in a village of 1000 are likely to be between :

- (1) 50—100
- (2) 125—175
- (3) 200—300
- (4) 300—500

(NOTE :—These questions are given with a view to familiarise the candidates with the type of objective questions. The questions do not indicate the coverage of topics or relative weightage given to each area. Questions of other types may also appear in the actual examination).

APPENDIX III

Brief particulars of the Junior Scale posts in the Central Health Service.

Junior Scale posts in the Central Health Service :

(a) Candidates will be appointed to Junior Group 'A' scale and they will be on probation for a period of 2 years from the date of appointment which may be curtailed or extended at the discretion of the competent authority. They will be confirmed in Junior Scale (Rs. 700—1300) in their turn after the satisfactory completion of probation.

(b) The candidates can be posted anywhere in India in any dispensary or hospital under any organisation participating in the Central Health Service viz., C.G.H.S. operating at Delhi, Bangalore, Bombay, Meerut etc., Coal Mines/Mica Mines Labour Welfare Organisation, Assam Rifles, Arunachal Pradesh, Lakshadweep, Andaman and Nicobar Island, P&T department etc. Private Practice of any kind whatsoever including lab. and Consultant Practice is prohibited.

(c) The following are the rates of pay admissible :

Junior Group 'A' Scale

Revised Scale : Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.

N.P.A.

1 to 5 stages.	Rs. 150 per month
6 to 10 stages	Rs. 200 per month
11th stage onwards	Rs. 250 per month

Officers who have put in at least 5 years' service in the Junior Scale will become eligible for promotion to Senior Scale.

Senior Scale Group 'A'

Revised Scale Rs. 1100—50—1600.

N.P.A.

1 to 3 stages	Rs. 250 per month
4 to 5 stages	Rs. 300 per month
6 to 7 stages	Rs. 350 per month
8 to 9 stages	Rs. 400 per month
10 to 11 stages	Rs. 450 per month

Officers who have put in 2 years' service in the Senior Scale and possess Post Graduate qualifications can be considered for promotion against 25% of vacancies under non-teaching institutions in the Specialist Grade II, carrying a scale of Rs. 1100—1800.

Officers having 5 years' service in the Senior Scale will be eligible for appointment to Supertime Grade II in the scale of Rs. 1500—2000, provided the candidate possesses the requisite qualifications, including post-graduate qualification where necessary.

Specialists Grade II

Revised Scale : Rs. 1100—50—1500—EB—60—1800.
N.P.A.

1 to 3 stages	Rs. 300 per month
4 to 6 stages	Rs. 350 per month
7 to 9 stages	Rs. 400 per month
10 to 12 stages	Rs. 450 per month
13 to 14 stages	Rs. 500 per month

Officers having 8 years' service in Specialist Grade II and possessing the requisite qualification may be considered for promotion to Specialist Grade I against 50% of vacancies to be filled through promotion.

Specialist Grade I

Revised Scale : Rs. 1800—100—2000—125/2—2250—Rs. 600 per month.

Supertime Grade II

Revised Scale : Rs. 1500—60—1800—100—2000—Rs. 600 per month.

Officers holding posts in Specialist Grade I or Supertime Grade II who have rendered 6 years' service in the either grade on a regular basis may be considered for promotion to Supertime Grade I Level II.

Supertime Grade I Level II

Revised Scale : Rs. 2250—125/2—2500—Rs. 600 per month.

Supertime Grade I Level I

Revised Scale : Rs. 2500—125/2—2750—Rs. 600 per month.

Vacancies in Supertime Grade I Level I shall be filled from amongst officers in Supertime Grade I Level II with 2 years' service in the grade, failing which with 8 years' combined Service in Supertime Grade I Level II and Specialist Grade I/Supertime Grade II combined together, and failing both officers in Specialist Grade I and Supertime Grade II with 8 years' service in either grade.

SPECIMEN ANSWER SHEET

Roll No.....	Centre	CODE NUMBER of test booklet	SERIAL NUMBER of test booklet
--------------	--------------	--------------------------------------	--

DIRECTIONS :

(1) All answers must be marked in the answer sheet. The serial number of the items (questions) in the TEST BOOKLET are printed inside. You have to Write against each item, the serial number of the correct or best response (answer) you have chosen for that item. For example, if alternative "3" is the correct response to item number "16", you should mark as shown.

15	
16	3
17	

(2) You are required to mark one and **ONLY ONE** response (answer) for each item (question). If you mark more than one response for any item, you will get no credit even if one of your responses is correct.

(3) If you make a mistake and wish to correct it, be sure to make the change very clearly. If the correction you have made in the response to any item is not clear or is ambiguous, you will not get any credit for that item.

15	
16	3
17	

(4) Use ink or ball point pen only for answering. Do not use pencil. Do not use red ink.

(Example for Correction)

Item (Question) No.	Response (Answer)
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	

Item (Question) No.	Response (Answer)
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	
20	

Item (Question) No.	Response (Answer)
21	
22	
23	
24	
25	
26	
27	
28	
29	
30	

Item (Question) No.	Response (Answer)
31	
32	
33	
34	
35	
36	
37	
38	
39	
40	

SPACE FOR ROUGH WORK.

